सूर्योदय 7:08 सूर्यास्त 5:19

आज का तापमान

शिमला	8 न्यू	18 अधि
धर्मशाला	11 न्यू	22 अधि

बाजार

सेंसेक्स	85,712.37
निफ्टी	26,186.45
सोना 1,28,592	चांदी 1,78,210

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 8 दिसंबर 2025 | 23 मार्गशीर्ष, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 2, अंक 341, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

विक्रम भट्ट धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी, मुंबई। फिल्ममेकर विक्रम भट्ट को मुंबई और राजस्थान पुलिस ने रविवार को अरेस्ट किया है। उन पर उदयपुर के एक व्यापारी से 30 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। पुलिस टीम ने मुंबई के यारी रोड इलाके के गंगा भवन अपार्टमेंट से उन्हें पकड़ा। यह घर उनकी साली का है। अब राजस्थान पुलिस उन्हें अपने साथ उदयपुर ले जाने के लिए बांद्रा कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड के लिए अप्लाई करेगी। राजस्थान के इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवंबर को विक्रम भट्ट समेत 8 लोगों के खिलाफ 30 करोड़ की धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई थी। (अनंत ज्ञान)

अब ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान

एजेंसी, हैदराबाद। तहरीक मुस्लिम शब्बन ने ग्रेटर हैदराबाद में बाबरी मस्जिद मेमोरियल और वेलफेयर इंस्टीट्यूशन बनाने का ऐलान किया है। यह फैसला मस्जिद गिराए जाने की 33वीं बरसी पर बाद लिया गया। संस्था के प्रेसिडेंट मुश्ताक मलिक ने कहा हम जल्द ही ऐलान करेंगे कि यह कैसे और कितने समय में बनाया जाएगा। मलिक ने कहा कि बाबर के नाम से किसी को परेशान नहीं होना चाहिए, उन्होंने दावा किया कि यह मुद्दा पॉलिटिकल प्रोपेगेंडा है। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के सस्पेंड एमएलए हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण की नींव रखी है। कबीर ने दावा किया कि वह कुछ भी गैर-कानूनी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कोई भी मंदिर बना सकता है, कोई भी चर्च बना सकता है। मैं मस्जिद बनाऊंगा। (अनंत ज्ञान)

मणिपुर में गिरफ्तार किए 10 आतंकवादी

एजेंसी, इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर में कथित तौर पर जबरन वसूली में शामिल अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों के 10 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया ये गिरफ्तारियां पिछले कुछ दिनों में थौबल, काकचिंग और इंफाल वेस्ट जिलों में की गईं। प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (कोइरेंग) संगठन के एक सक्रिय कैडर को इंफाल जिले के मिनुथोंग से गिरफ्तार किया गया, जिसकी पहचान हिजाम मरजीत सिंह (51) के रूप में हुई है, वह इंफाल-दीमापुर रोड पर चलने वाले ट्रक ड्राइवरों से जबरन वसूली करने में शामिल था। (अनंत ज्ञान)

आवश्यकता है

हिमाचल प्रदेश के तेजी से उभरते दैनिक समाचार पत्र 'अनंत ज्ञान' को अनुभवी इलेक्ट्रिशियनों की आवश्यकता है।
अनुभव : 3-5 वर्ष
वेतन : योग्यतानुसार
संपर्क नंबर: 8894521207 8679950009, 9817501399
इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें।

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- एचआरटीसी में अफसरों की फौज घटाए सरकार -पेज 2
- हिमाचल में चिट्टा माफिया के खिलाफ निर्णायक जंग शुरू -पेज 3
- शिव मंदिर बैजनाथ में भक्तों की श्रद्धा के साथ हो रहा खिलवाड़ -पेज 5
- सरकार! यहां धरातल में कम, कागजों में ज्यादा हो रहा काम -पेज 11
- बघाट बैंक का मुद्दा विधानसभा में उठने से डिफाल्टरों पर कसेगा शिकंजा -पेज 12

मनाली-लेह मार्ग पर बीआरओ की 4 परियोजनाएं देश को समर्पित

लगभग 18 करोड़ रुपए से बनी परियोजनाओं का रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने वर्चुअली किया उद्घाटन

अनंत ज्ञान, मनाली/लेह

मनाली-लेह सामरिक मार्ग पर अब सेना के भारी-भरकम वाहनों और पर्यटकों की आवाजाही पहले से कहीं अधिक आसान और सुरक्षित हो जाएगी। सीमा सड़क संगठन के प्रोजेक्ट दीपक की ओर से तैयार की गई चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं का रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह वर्चुअल उद्घाटन किया।

बीआरओ ने इन परियोजनाओं पर लगभग 18 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। प्रोजेक्ट दीपक के कमांडर कर्नल गौरव बंगारू ने बताया कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को लेह से इन परियोजनाओं का लोकार्पण कर देश को समर्पित किया। पुलों के बन जाने से मनाली-लेह मार्ग पर वर्षों से मौजूद एवलांच जोन, उफनते नालों और कंकरीट रहित रास्तों की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। पहले वाहनों को कच्चे नालों और पत्थरों के बीच से गुजरने की मजबूरी रहती थी, जिससे सेना के काफिलों और आम यात्रियों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। अब इन नए पुलों के माध्यम से मौसम की चुनौतियों के बावजूद मार्ग अधिक विश्वसनीय, सुगम और सुरक्षित हो जाएगा।

पर्यटक भी मनाली-लेह हाईवे पर पहले से बेहतर अनुभव के साथ सफर कर सकेंगे। इस दौरान बीआरओ 94 आरसीसी के ओसी मेजर पारस कॉचर, उपायुक्त किरण भड़ाना, एसपी शिवानी मेहला, जिला परिषद अध्यक्ष वीना देवी, जिला परिषद सदस्य कुंगा बौद्ध भी शामिल रहे।

मार्ग पर अब एवलांच जोन, उफनते नालों से मिलेगी निजात

इन प्रोजेक्ट्स का किया लोकार्पण

इनमें 70 मीटर लंबा शोगटोंग ब्रिज, जिंगजिंगबर में दो मल्टी-सेल बॉक्स ब्रिज और कीलिंग सराय में 60 मीटर लंबा यूनम ब्रिज शामिल हैं। सभी पुल हर मौसम में भारी वाहनों की आवाजाही सक्षम बनाने के दृष्टिगत अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित किए गए हैं।

कुल 125 इंफ्रा प्रोजेक्ट्स का किया उद्घाटन

रक्षामंत्री राजनाथ ने बीआरओ की कुल 125 इंफ्रा प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे बीआरओ और केंद्र के बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। राजनाथ सिंह ने कहा कि अच्छी सड़कों, रियल टाइम कम्यूनिकेशन, सेटेलाइट स्पोर्ट, सर्वेलांस नेटवर्क व लाजिस्टिक स्पोर्ट से देश के सीमाओं पर आज हमारे सैनिक मजबूती के साथ खड़े हैं। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में मजबूत कनेक्टिविटी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्होंने लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर बनी 920 मीटर लंबी श्योक टनल, गलवान मेमोरियल, कश्मीर, राजस्थान, चंदीगढ़ समेत अन्य राज्यों के 5000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित किए। रक्षामंत्री सिंह ने कहा कि ये प्रोजेक्ट्स सेना के बहादुर सैनिकों और बीआरओ के उन जवानों को श्रद्धांजलि हैं जो देश के लिए बिना थके काम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इससे पहले बीआरओ के इतने सारे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन कभी नहीं हुआ।

श्योक टनल को बताया इंजीनियरिंग का कमाल

रक्षामंत्री ने कहा कि श्योक टनल इंजीनियरिंग का कमाल है। इस इलाके में हर मौसम में भरोसेमंद कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा और यह टनल कड़ाके की सर्दियों के दौरान तेजी से तैनाती की क्षमता को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि आज हम लद्दाख में दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड पर बनी 920 मीटर लंबी श्योक टनल का उद्घाटन कर रहे हैं। दुनिया के सबसे मुश्किल और चुनौतीपूर्ण इलाकों में से एक में बनी यह इंजीनियरिंग की अनोखी मिसाल, इस स्ट्रेटेजिक इलाके में हर मौसम में भरोसेमंद कनेक्टिविटी पक्का करेगी। रक्षामंत्री ने कहा कि लद्दाख के साथ-साथ आज जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में भी प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित किए गए हैं।

हिमाचल में नशा माफिया पर अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने एक ही दिन में 16 तस्कर किए गिरफ्तार, एंटी-चिट्टा मुहिम बनी जनअभियान

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चल रही सरकारी मुहिम अब निर्णायक मोड़ पर है। चिट्टे के खिलाफ यह लड़ाई पूरे समाज की जागरूकता और जज्बे की ताकत से जनआंदोलन का रूप ले रही है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में बीते दिनों शिमला और धर्मशाला में आयोजित एंटी-चिट्टा वॉकथॉन ने राज्य में एक नई लौ जगाई, जिसने युवाओं, नागरिकों और प्रशासन को नशे के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने का साहस दिया। इसी संकल्प का परिणाम है कि आज पूरे प्रदेश में नशा माफिया के खिलाफ सबसे समन्वित और सख्त कार्रवाई अंजाम दी गई।

जानकारी के अनुसार, राज्य पुलिस ने मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के बाद रविवार को कई जिलों में एक साथ छापेमारी करते हुए पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत 16 बड़े चिट्टा तस्करों को हिरासत में लिया। सोलन और देहरा में चार-चार, नूरपुर में दो, बद्दी में तीन तथा हमीरपुर, मंडी और सिरमौर में एक-एक तस्कर पकड़ा गया। इस कार्रवाई के बाद राज्य में पीआईटी-एनडीपीएस के तहत निरुद्धियों की संख्या बढ़कर 62 हो गई है। वर्ष 2023 में इस अधिनियम के लागू होने के बाद से अब तक 46 बड़े तस्कर पहले ही निरुद्ध किए जा चुके हैं और वित्तीय जांचों के जरिए 48 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति ज़ब्त की जा चुकी है। यह साफ दिखाता है कि सरकार केवल गिरफ्तारी तक सीमित नहीं, बल्कि नशे के कारोबार की जड़ों में पल रही आर्थिक शक्ति को भी ध्वस्त कर रही है।

हाल के दिनों में नशे के विरुद्ध प्रवर्तन को और अधिक तेज किया है। प्रदेश से चिट्टे को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से चिट्टा एवं नशे से संबंधित सूचना दूरभाष नंबर 112 या नजदीकी पुलिस थाना में देने की अपील की है। यह सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

कहां कितने तस्कर पकड़े

सोलन	4
देहरा	4
नूरपुर	2
बद्दी	3
हमीरपुर	1
मंडी	1
सिरमौर	1

सीएम की एंटी-चिट्टा मुहिम को जनचेतना बनाने की मांग

धर्मशाला के तपोवन में हाल ही में आयोजित छठी राज्य स्तरीय एनसीओआरडी बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी एंटी-चिट्टा अभियानों की गहन समीक्षा करते हुए इस मुहिम को जनचेतना का रूप देने की बात कही थी। यह पहली बार था जब प्रदेश में स्वयं मुख्यमंत्री ने इस मंच की अध्यक्षता की और उसी बैठक के बाद से प्रवर्तन की गति और कठोरता दोनों में तेजी दर्ज की जा रही है। रविवार के दिन की कार्रवाई उसी बदलती रणनीति की मिसाल है, जिसने नशा माफिया के नेटवर्क को हिला कर रख दिया है।

गोवा के नाइट क्लब में फटा सिलेंडर, 25 लोगों की मौत

एजेंसी, पणजी

गोवा के अरपोरा इलाके में शनिवार देर रात एक नाइट क्लब में सिलेंडर ब्लास्ट होने से 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हैं। मरने वालों में 4 टूरिस्ट और 14 स्टाफ शामिल हैं, जबकि 7 लोगों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। गोवा पुलिस ने क्लब के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, क्लब में करीब 12 बजे सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। यह इतना जोरदार था कि कुछ ही मिनटों में आग पूरे क्लब में फैल गई। फायर ब्रिगेड ने काफी देर की कोशिश के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना मिलते ही सीएम प्रमोद सावंत और स्थानीय विधायक माइकल लोबो मौके पर पहुंचे। वहीं, प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवारों को लिए 2 लाख और घायलों के लिए 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है। (अनंत ज्ञान)

क्लब का मैनेजर गिरफ्तार; 18 लोगों के शवों की पहचान

पीएम ने की मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख देने की घोषणा

किचन से शुरू हुई आग सीढ़ियों पर मिले शव

गोवा के डीजीपी आलोक कुमार ने बताया कि 25 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। मरने वालों में ज्यादातर क्लब में काम करने वाले कर्मचारी थे। डीजीपी ने कहा कि आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर में बनी रसोई से क्लब के दूसरे हिस्सों में फैली, इसलिए सबसे ज्यादा शव किचन एरिया से मिले हैं। भागने की कोशिश में दो लोगों की मौत सीढ़ियों पर हुई।

सीएम सावंत बोले-जिम्मेदारों पर एक्शन लेंगे

सीएम सावंत ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आज का दिन गोवा के लिए बहुत दुखद है। मैं बेहद दुखी हूं और इस कठिन समय में सभी पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने मौके पर जाकर हालात देखे और इस घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने बताया कि जांच में जो भी इस घटना के लिए जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

देशहित में आगे आएं, सशस्त्र कल्याण कोष को मजबूत बनाएं : सीएम सुक्खू

शहीदों के सम्मान व पूर्व सैनिकों के समर्थन में योगदान की अपील

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर शिमला में सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर मदन शील शर्मा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को सशस्त्र सेना का झंडा लगाया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सशस्त्र कल्याण कोष में अपना योगदान अर्पित कर नागरिकों से भी उदारतापूर्वक इस कोष को सुदृढ़ बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के हित में किया गया हर सहयोग राष्ट्र-निर्माण में एक पवित्र भागीदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के सशस्त्र बलों का इतिहास महिमा और बलिदान से भरा हुआ है। देश की रक्षा करते हुए सेना, नौसेना और वायुसेना के जवानों द्वारा दिया गया अद्वितीय योगदान पूरे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सैनिक कल्याण के लिए संकल्पबद्ध है और समाज को भी इस पुनीत उद्देश्य में सहभागी होना चाहिए।

सशस्त्र सेना के कल्याण कोष को योगदान देते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू।

दिल्ली में कांग्रेस की रैली में शामिल होंगे मुख्यमंत्री सुक्खू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। दिल्ली में 14 दिसंबर को होने वाली अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रस्तावित रैली को लेकर हिमाचल प्रदेश में भी हलचल बढ़ गई है। यह रैली वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे के साथ आयोजित की जा रही है, जिसमें पूरे देश से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के पहुंचने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू भी इस रैली में शामिल होने के लिए 14 दिसंबर को दिल्ली जा सकते हैं। रैली में केंद्र सरकार की अनुचित नीतियों पर कांग्रेस अपना आक्रोश व्यक्त करेगी, जिसमें पार्टी नेतृत्व के साथ दर्जनों बड़े नेता भी मौजूद रहेंगे। दौरे को लेकर सरकार की ओर से अभी आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि वह रैली के अलावा कुछ अन्य बैठकों और कार्यक्रमों में भी शिरकत कर सकते हैं।

भारत-साउथ अफ्रीका टी-20 मैच : सस्ती टिकटें ऑनलाइन बुकिंग शुरू होते ही खत्म

अब केवल महंगी टिकटें ही उपलब्ध, हवाई उड़ानों के रेट भी बढ़े

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 14 दिसंबर को खेले जाने वाले भारत-साउथ अफ्रीका टी-20 मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मैच की सस्ती टिकटें बुकिंग शुरू होते ही खत्म हो गई हैं।

अब ऑनलाइन केवल महंगी टिकटें ही उपलब्ध हैं। 5 हजार से लेकर 20 हजार रुपए तक की टिकटें ऑनलाइन बिक्री के लिए खुल गई हैं। नॉर्थ स्टैंड 2 की टिकटें 5 हजार रुपए में, वेस्ट और ईस्ट स्टैंड की 7 हजार रुपए, पवेलियन टैरेस 9 हजार, क्लब लाउंज 12,500 व कॉरपोरेट बॉक्स की टिकटें 20 हजार रुपए में ऑनलाइन मिल रही हैं।

मैच के चलते धर्मशाला से दिल्ली तक की हवाई उड़ानों की टिकटें 9 से 12 हजार रुपए के बीच मिल रही हैं। वहीं, धर्मशाला और मैक्लोडगंज के होटलों में एडवांस बुकिंग बढ़ गई है। धर्मशाला के आसपास 35 से 40 फीसदी होटल पहले ही बुक हो चुके हैं, जबकि मैक्लोडगंज में 20 से 25 फीसदी की बुकिंग हो चुकी है। एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने बताया कि ऑनलाइन टिकट की बुकिंग जारी है और सस्ती टिकटें पहले ही बिक चुकी हैं। वहीं, होटल एसोसिएशन धर्मशाला के अध्यक्ष अश्वनी बांबा के अनुसार भी होटल बुकिंग में तेजी आई है और फोन बुकिंग लगातार आ रही हैं।

धर्मशाला और मैक्लोडगंज के होटलों में एडवांस बुकिंग बढ़ी

एलओसी पर पाकिस्तान के 68 आतंकी लॉन्चपैड सक्रिय

एजेंसी, नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर पाकिस्तान के कब्जे वाले इलाके में 68 लॉन्चपैड सक्रिय हैं। वहां 110 से 120 आतंकी जम्मू-कश्मीर में घुसने की तैयारी कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने यह जानकारी दी है।

सूत्रों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में घुसपैठ की कोशिशें बढ़ सकती हैं। एलओसी के कई संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को और कड़ा कर दिया गया है। सभी सेक्टरों में निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि आतंकी सीमा के करीब भी न पहुंच सकें। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी लगातार एलओसी की ओर भेजा जा रहे हैं, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह तैयार हैं। सभी फोर्सेज को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि हर घुसपैठ की कोशिश को सीमा पर ही रोक दिया जाए। सीमा से लगे गांवों और आगे की चौकियों में भी गश्त बढ़ा दी गई है। फील्ड यूनिट्स को अधिक सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध हरकत पर तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। (अनंत ज्ञान)

सैकड़ों आतंकी भारत में घुसने की तैयारी में

सख्ती इंडिगो संकट का मुख्य कारण नए एफडीटीएल नियमों को सही ढंग से लागू नहीं करना

सरकार का इंडिगो को कारण बताओ नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने अब इंडिगो के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की तैयारी कर ली है। डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ और अकाउंटेबल मैनेजर पोर्केरास को कारण बताओ नोटिस जारी कर परिचालन संकट पर 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा है। डीजीसीए ने नोटिस में कहा है कि बड़े पैमाने पर परिचालन योजना बनाने की असफलता और संसाधन प्रबंधन की चूक दिखाई देती है। नोटिस में कहा गया है कि इंडिगो में जारी संकट का मुख्य कारण नए एफडीटीएल नियमों को लागू करने के लिए सही इंतजाम न करना है, ऐसे में एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। इंडिगो के परिचालन में लगातार पांचवें दिन रुकावट जारी रहने पर, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने शनिवार को मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ और पीटर एल्बर्स के साथ बैठक की और हालात की समीक्षा की। बैठक में इंडिगो के सीईओ से यह भी पक्का करने को कहा गया कि एयरलाइन एक तय समयसीमा में नए एफडीटीएल नियमों का पालन करे। (अनंत ज्ञान)

पूछा-एयरलाइन पर क्यों न की जाए कड़ी कार्रवाई

एयरलाइन ने अब तक 610 करोड़ रिफंड किए

इंडिगो ऑपरेशन संकट के बीच रविवार शाम तक एयरलाइन ने यात्रियों को 610 करोड़ रुपए का रिफंड कर दिया है। इसके साथ ही कंपनी ने देशभर में यात्रियों के 3 हजार से ज्यादा बैगेज भी लौटाए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार शाम इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि रिफंड या री-बुकिंग पर एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लिया जाएगा। यात्रियों की मदद के लिए स्पेशल सपोर्ट सेल बनाए गए हैं। इसके साथ ही इंडिगो के फ्लाइट ऑपरेशन में भी तेजी आई है। डोमेस्टिक फ्लाइट फुल कैपेसिटी के साथ उड़ान भर रही हैं।

छठे दिन भी देशभर में 650 उड़ानें रद्द

इंडिगो एयरलाइन में परिचालन संकट को दूर कर हालात सामान्य करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन संकट लगातार छठे दिन जारी है और रविवार को भी देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर 650 उड़ानें रद्द हुई। इंडिगो में जारी संकट के चलते बीते छह दिनों में करीब 3000 उड़ानें रद्द हुई हैं, जिससे देश में हवाई यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और लाखों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

आरक्षण का मतलब पीछे छूटे लोगों को बराबरी देना : गवई

एजेंसी, मुंबई

पूर्व सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि उन्होंने जब शेड्यूल कास्ट आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू करने की बात कही, तो उन्हें अपने ही समुदाय के लोगों की कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा। गवई मुंबई यूनिवर्सिटी में आयोजित एक लेक्चर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अंबेडकर की नजर में आरक्षण ऐसा था जैसे किसी पीछे छूटे व्यक्ति को साइकिल देना, ताकि वह बाकी लोगों के बराबर पहुंच सके, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह व्यक्ति हमेशा साइकिल पर चलता रहे और नए लोगों के लिए रास्ता ही बंद हो जाए। क्या सीजेआई या चीफ सेक्रेटरी के बेटे और मजदूर के बेटे को एक ही पैमाने से मापा जा सकता है? गवई ने बताया कि इंद्रा साहनी केस में क्रीमी लेयर सिद्धांत तय हुआ था और एक फैसले में उन्होंने खुद कहा था कि यह सिद्धांत एससी वर्ग पर भी लागू होना चाहिए। इस पर कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि वे खुद आरक्षण का लाभ लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे और अब क्रीमी लेयर की बात कर रहे हैं, लेकिन हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जज की नियुक्ति में आरक्षण नहीं होता। (अनंत ज्ञान)

पूर्व सीजेआई बोले-क्रीमी लेयर पर अपने समुदाय की आलोचना झेली

फॉरेंसिक टीम ने जांचा घटनास्थल, कई संदिग्ध चीजें बरामद, दुकानों की ली तलाशी

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। बड़सर उपमंडल के चौक में हुए जोरदार धमाके के बाद पुलिस ने जांच की रफ्तार तेज कर दी है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए व आसपास की दुकानों की गहन तलाशी ली।

इस दौरान दुकानों से एयरगन, जंगली जानवर का मीट, तराजू और मांस काटने के औजार बरामद किए गए हैं। जुटाए गए सभी सैंपल फॉरेंसिक लैब भेज दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि लैब रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। धमाके में अतुल नाम का युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसका उपचार पीजीआई चंडीगढ़ में चल रहा है। पुलिस ने उसके साथी से पूछताछ की है। प्रारंभिक बयान में अतुल ने दावा किया था कि वह दिवाली के बचे हुए पटाखे फोड़ रहा था, तभी हादसा हुआ, लेकिन पुलिस के अनुसार घटनास्थल से मिले साक्ष्य इस दावे से मेल नहीं खाते और कुछ अलग कहानी की ओर संकेत कर रहे हैं। फॉरेंसिक जांच के आधार पर पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ

अनंत ज्ञान फॉलोअप

अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। कमरे से मिले जंगली जानवर का मीट, एयरगन व अन्य औजार संदिग्ध गतिविधियों की ओर इशारा कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार जंगली जानवरों का शिकार करने के लिए अक्सर ऐसे विस्फोटक तैयार किए जाते हैं और बाद में उनका मांस महंगे दामों पर बेचा जाता है। डीएसपी बड़सर लालमन शर्मा ने पुष्टि की कि फॉरेंसिक टीम ने स्थान की बारीकी से जांच की है और सभी सैंपल लैब भेज दिए गए हैं। पुलिस अब विस्फोटक अधिनियम के तहत मामले की आगे जांच कर रही है।

स्कूल प्रधानाचार्यों की पदोन्नत सूची जारी न होने पर हेडमास्टर ऑफिसर कैडर एसोसिएशन खफा

अनिल कुमार, अनंत ज्ञान

हमीरपुर। हेडमास्टर ऑफिसर कैडर एसोसिएशन जिला हमीरपुर की बैठक जिला प्रधान केवल ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में हाल ही में सेवानिवृत्त हुए मुख्याध्यापकों एवं प्रधानाचार्यों को संघ की ओर से सम्मानित किया गया और संघ के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। इनमें शकुंतला पटियाल, प्रधानाचार्य राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगू, रजनीश कांत शर्मा, मुख्याध्यापक पवन कुमारी, उच्च पाठशाला बुनी, परवीन पटियाल, उच्च पाठशाला गुलेला, प्रीतम चंद, बराड़ा, विचित्र सिंह, कंज्याण एवं प्यार चंद उच्च पाठशाला मंझेली उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों में प्रधानाचार्यों के 900 से अधिक रिक्त पदों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा नया क्लस्टर सिस्टम लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के 9933 प्राइमरी, 1774 मिडिल और 962 हाई स्कूल, कुल 12,669 विद्यालयों को 1,988 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के अधीन कर दिया गया है।

स्कूलों में प्रधानाचार्य के 900 से अधिक रिक्त पदों पर एसोसिएशन ने जताई चिंता।

इस व्यवस्था में इन सभी विद्यालयों का प्रशासनिक नियंत्रण अब वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सौंपा गया है, जबकि वित्तीय शक्तियां पूर्ववत ही रहेंगी। नई प्रणाली के अनुसार प्रत्येक क्लस्टर प्रमुख को हर दो माह में अपनी संगम पाठशालाओं का पूर्णदिवसीय निरीक्षण करना होगा। संघ ने यह भी स्पष्ट किया कि विद्यालय प्रधानाचार्य के 900 से अधिक पद पिछले दो वर्षों से खाली पड़े हैं, जिसका मुख्य कारण स्कूल प्रधानाचार्य की पदोन्नति सूची का लगातार लंबित रहना है। इस अवधि में शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों में पदोन्नति सूचियां जारी होती रहीं, किंतु स्कूल प्रधानाचार्यों की सूची आज तक जारी नहीं हो सकी। इसी कारण पिछले दो वर्षों में 160 से अधिक पात्र मुख्याध्यापक 30 वर्षों से अधिक की सेवाएं देने के बाद भी पदोन्नति की प्रतीक्षा में सेवानिवृत्त हो चुके हैं, जिससे 22,000 से अधिक हेडमास्टर कैडर में व्यापक असंतोष व्याप्त है।

संघ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री तथा शिक्षा सचिव से कई बार आग्रह किया गया, किंतु अपेक्षित समाधान अभी तक प्राप्त नहीं हो सका है। संघ के पदाधिकारियों, कार्यकारी प्रधान रविदास, जिला महासचिव संजीव ठाकुर, वित्त सचिव मनोज शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रत्न जरियाल उपाध्यक्ष राजीव कितना एवं महेश कुमार ने मांग की है कि क्लस्टर सिस्टम को सुचारू रूप से लागू करने, सरकार की विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने तथा विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए स्कूल प्रधानाचार्यों व मुख्य अध्यापकों के रिक्त पदों को अविलंब भरा जाए।

बाबा की नगरी में 13000 भक्तों ने गुफा दर्शन कर बाबा जी का लिया आशीर्वाद

रविवार को उत्तरी भारत के प्रसिद्ध बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में लाइनों में खड़े भक्त।

एसके ठाकुर, अनंत ज्ञान

बड़सर। रविवार को उत्तरी भारत के प्रसिद्ध बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में 13 हजार बाबा बालक नाथ के भक्त यहां पर शीश नवाने के लिए पहुंचे।

बाबा बालक नाथ की नगरी श्रद्धालुओं से खचाखच भरी हुई थी। मंदिर परिसर बाबा के जयकारों से गूंज रहा था। हिमाचल , हरियाणा पंजाब दिल्ली से बाबा बालक नाथ के भगत यहां पर पहुंचे थे। बताते चलें कि आजकल शादियों का सीजन चला हुआ है और जो श्रद्धालु बाबा बालक नाथ को अपना कुल देवता मानते हैं वह शुभ कार्य के बाद यहां पर शीश नवाने के लिए पहुंचते हैं। बहुत सारे नए शादी वाले जोड़े अपने परिवार जनों के साथ यहां पर पहुंचे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, उसके लिए मंदिर प्रशासन के द्वारा उचित कदम उठाए गए थे। पुलिस प्रशासन भी पूरी चौकसी के साथ ड्यूटी पर तैनात थे। दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालु शनिवार शाम को ही मंदिर परिसर में पहुंचना शुरू हो गए थे। मंदिर अधिकारी संदीप कुमार का कहना है कि रविवार को लगभग 13000 के करीब श्रद्धालुओं ने गुफा दर्शन करके बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने बताया श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस प्रशासन व मंदिर सिक्योरिटी जवान बड़ी मुस्तादी से ड्यूटी पर तैनात थे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर प्रशासन ने अपनी तरफ से विशेष प्रबंध कर रखे थे ताकि बाबा के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी ना हो सके।

सुजानपुर में पार्किंग न होने से वाहन चालक परेशान

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

शहर में पार्किंग व्यवस्था को लेकर स्थानीय प्रशासन और नगर परिषद कोई कदम नहीं उठा पाई है। यही कारण है बेतरतीब ढंग से खड़े हो रहे वाहन यातायात व्यवस्था के साथ-साथ शहर की सुंदरता को ग्रहण लगा रहे हैं। वहीं, वाहन मालिकों को भी चालान का भय बना रहता है।

शहर से बाहर से खरीदारी करने आए करने आए या सरकारी, गैर-सरकारी कामकाज को लेकर आए वाहन चालक, मालिकों के लिए वाहनों के लिए वाहन पार्क करने के लिए कोई उचित स्थान नहीं है। इसे प्रशासन की ढील समझे या लापरवाही, जिसके चलते आज तक शहर में पार्किंग बनाने को लेकर किसी भी स्थान का चयन नहीं हो पाया है। यही कारण है कि वाहन चालक जहां सड़क के किनारे मन किया वहां पार्क कर देत हैं, जिससे यातायात अवरुद्ध होने की ज्वलंत समस्या बनी रहती है। वहीं, वाहन के पार्क करने से सड़कों की चौड़ाई भी कम हो जाती है, जिससे वाहन चालकों और लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, सुजानपुर में टैक्सी चालकों के साथ-साथ ट्राला जीप को लेकर चैगान किनारे पार्किंग को लेकर स्टैंड तय किए गए हैं, लेकिन जो अन्य निजी वाहन उनके लिए पार्किंग की समस्या बनी हुई है। चैगान के ट्राला स्टैंड से आगे तक के भाग को पक्का किया गया है लेकिन आज तक उक्त स्थान भी पार्किंग समस्या से निजात दिलाने मददगार साबित नहीं हुआ है।

लोगों ने मांग की है कि जो अन्य वाहन होते हैं उनके लिए भी पार्किंग स्थल अति शीघ्र चयनित किया जाए, ताकि सड़कों में बेतरतीब दुकानों के आगे वाहन न खड़े हो। नगर परिषद के वार्ड 2 में भी लंबे समय पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सासद अनुराग ठाकुर द्वारा 25 लाख की धनराशि से 25 वर्ष पूर्व पार्किंग का निर्माण करवाया था लेकिन आज तक प्रशासन मात्रा उसके उपयोग को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। नगर परिषद के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी रमन शर्मा ने बताया कि नगर परिषद की बैठक में पार्किंग स्थल को ठेके आवंटित करने का प्रस्ताव डाला गया है इस योजना को अमलीजामा पहनाया जाएगा।

पेंशनर्स ने लंबित मांगों पर किया विचार-विमर्श

अनंत ज्ञान, नादौन। हिम आंचल पेंशनर्ज संघ नादौन खंड इकाई की मासिक बैठक रविवार को खंड प्रधान जगदीश चन्द शर्मा (कारगू) की अध्यक्षता में कांगू में संपन्न हुई। बैठक में पेंशनरों की लंबित मांगों एवं समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया। पेंशनरों द्वारा जनवरी, 2016 से जनवरी, 2022 के दौरान सेवानिवृत्त पेंशनरों की संशोधित ग्रेच्युटी, लीव-एनकैशमेंट, कम्युटेशन आदि की बकाया राशि, लंम्बित चिकित्सा बिलों का शीघ्र भुगतान व महंगाई भत्ते की लंबित किस्तें जारी करने संबंधी मांग दोहराई गई। बैठक में जगदीश चन्द शर्मा, अवनीश कुमार, ब्रह्म दास, जमना दास, ओम प्रकाश शर्मा, माधो राम, राज कुमार, धनीराम, दिले राम, दविंद्र सहित अन्य पेंशनर उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूलों में सीबीएसई सिलेबस से उनका स्तर नहीं सुधरेगा

स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन ने कहा-लैपटॉप योजना में प्राइवेट स्कूलों के बच्चों को भी शामिल करे सरकार

विक्रम ढटवालिया, अनंत ज्ञान ब्यूरो

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन हिम अकादमी पब्लिक स्कूल विकास नगर हमीरपुर में किया गया।

इसमें प्रदेश के दस जिलों के स्कूल संचालक व प्रबंधक शामिल हुए। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जगजीत सिंह ठाकुर ने संगठन की ओर से प्रदेश सरकार के उस निर्णय का विरोध किया, जिसमें निजी स्कूलों के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप योजना से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि निजी स्कूल में पढ़ने वाला बच्चा भी प्रदेश से ही संबंधित है इसलिए उसके साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की है कि तीसरी पांचवीं तथा आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं में बच्चों की उत्तर पुस्तिकाओं को कलस्टर स्तर पर निजी स्कूलों को ही चेक करने की स्वीकृति दी जाए। संबद्धता के लिए विभाग के पास या बोर्ड के पास स्कूल से संबंधित जो दस्तावेज जमा करवाए जाते हैं, उन्हें बार-बार बोर्ड या विभागों द्वारा न मांगा जाए। अत: यह दस्तावेज विभागों या बोर्ड के पास एक ही बार जमा करवाने की स्वीकृति दी जाए। स्कूल वाहनों की फिटनेस वैधता को ठाकुर ने 15 से 20 तक वर्ष तक वैध करने की मांग की है। वहीं, निजी स्कूलों में अध्यापकों या अन्य कर्मचारियों के रिक्त पड़े हुए पदों की लिमिट भी 20 प्रतिशत तक करने की उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की है। सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों को सीबीएसई करने के संबंध में पूछे जाने पर ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड अपने आप में बेहतर शिक्षा प्रदान कर रहा है, ऐसे में सरकारी स्कूलों को सीबीएसई करने से शिक्षा स्तर नहीं बढ़ेगा। यह सरकार का अपना निर्णय है। इस बारे वह ज्यादा नहीं बोलना चाहते। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंकज लखनपाल ने की, जबकि वयोवृद्ध शिक्षाविद्ध आरसी लखनपाल बतौर वशिष्ठ अतिथि उपस्थित रहे। मुख्यातिथि तथा विशिष्ट अतिथियों आरसी लखनपाल व अन्य आगंतुकों का टोपी व शॉल पहनाकर सम्मान किया गया। पंकज लखनपाल ने एसोसिएशन की एकजुटता, सहयोग और मजबूत संगठनात्मक ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया। जिलाध्यक्ष देवराज वर्मा ने समस्त जिलों से आए मेहमानों का जिला की ओर से आभार व्यक्त किया। बैठक में कई सुझाव और मुद्दे सामने आए और इन पर अमल करने का फैसला लिया गया या अभी कहा गया कि एक जुट के साथ ही आगे बढ़ा जाएगा, क्योंकि समय अलग तरह का खड़ा हो गया है।

बैठक में मौजूद हिमाचल प्रदेश प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य।

न्यूज ब्रीफ

राजीव राणा ने मेधावी छात्रों को नवाजा

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस (केकेसी) के प्रदेश चेयरमैन राजीव राणा ने पूजा पब्लिक स्कूल भोरंज के वार्षिकोत्सव में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य की असली ताकत उसके बच्चों में बसे संस्कार, शिक्षा व कठिन परिश्रम की भावना से बनती है। उन्होंने स्कूल के वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि पूजा पब्लिक स्कूल भोरंज क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक उज्ज्वल उदाहरण है, जहां बच्चों को सिर्फ पढ़ाया ही नहीं जाता, बल्कि उन्हें अच्छे चरित्र, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के साथ तैयार किया जाता है। प्रधानाचार्य निर्मल डोगरा की प्रशंसा करते हुए राणा ने कहा कि सही नेतृत्व ही किसी संस्थान को ऊंचाई देता है। निर्मल डोगरा ने समर्पण, अनुशासन और मातृत्वपूर्ण देखभाल से इस स्कूल को बच्चों के समग्र विकास का केंद्र बना दिया है। उनकी मेहनत हर बच्चे की मुस्कान में दिखाई देती है। राजीव राणा ने बच्चों की प्रस्तुतियों की तारीफ करते हुए कहा कि नन्हें-मुन्नों की प्रतिभा ने यह साबित कर दिया कि हिमाचल का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल है। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों का आभार जताया और कहा कि बच्चे तभी उच्च शिखर छूते हैं जब घर और स्कूल मिलकर उन्हें एक ही दिशा में प्रेरणा देते हैं। अंत में उन्होंने कहा कि आप सभी का प्यार और विश्वास कभी टूटने नहीं दूंगा। शिक्षा, बेटियों की सुरक्षा और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए लगातार कार्य करता रहूंगा।

चेस प्रतियोगिता में अनन्य नेगी व दुष्यंत प्रथम

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हनी एंड लेमन रेस्टोरेंट, हमीरपुर के प्रोपराइटर रोहित वर्मा ने अपने रेस्टोरेंट के परिसर में जिला स्तरीय रैपिड चेस प्रतियोगिता का आयोजन करवाया। इसमें अंडर-13 कैटेगरी में 18 तथा ओपन कैटेगरी में 10 खिलाड़ियों ने भाग लिया। अंडर 13 कैटेगरी में अनन्य नेगी प्रथम, अंशुमन द्वितीय और आराध्या शर्मा तृतीय तथा ओपन कैटेगरी में दुष्यंत प्रथम, संदीप सैणी द्वितीय और अध्रित शर्मा तृतीय रहे। हनी एंड लेमन फर्म द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट का संचालन हमीर चेस लवर्ज एंड प्रोमोटर्ज की टीम ने किया, जिसमें राष्ट्रीय चेस खिलाड़ी तथा कोच शामिल रहे। टूर्नामेंट के समापन पर हनी एंड लेमन के प्रापराइटर रोहित वर्मा ने प्रतिभागी खिलाड़ियों को पुरस्कार बांटे। अंडर 13 और ओपन कैटेगरी के विजेताओं को मोमेंटो तथ बाकी सभी प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

डीएवी स्कूल भड़ोली में 'प्रवाह' का आयोजन

अनंत ज्ञान, नादौन। डीएवी स्कूल भड़ोली में वार्षिक पारितोषिक समारोह 'प्रवाह' बड़े उत्साह और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक ज्वालामुखी संजय रतन और उनकी धर्मपत्नी रितु रतन उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता प्रिंसिपल सुरजीत कुमार राणा ने की। कार्यक्रम में डीएवी भड़ोली, अंबोटा, कांगू, हमीरपुर, लझयाणी, बनखंडी और झाबोला के प्रिंसिपल तथा वाइस चेयरमैन (एलएमसी) डॉ. ओपी सौंधी सहित अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। मुख्यातिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वेलकम कमेटी ने अतिथियों और अभिभावकों का तिलक लगाकर स्वागत किया। प्रिंसिपल ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ, टोपी, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई। इसमें विद्यालय की गतिविधियों, नवाचारों व उपलब्धियों का विवरण साझा किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने लोकगीत, नाटक, भांगड़ा, नाटी, मॉडलिंग और विविध नृत्य प्रस्तुत कर मंच को जीवंत कर दिया। मुख्यातिथि ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, देशभक्ति, भाईचारा और अनुशासन का विकास भी जरूरी है।

डीएवी बस्ती हमीरपुर में हिंदू सम्मेलन

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। डीएवी बस्ती हमीरपुर में हनुमान मंदिर मटाहणी में हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में गौड़ीय मठ दंगड़ी के प्रबंधक त्रिदंडी स्वामी भक्ति प्रसाद गिरि और महन्त सर्वेश्वरानंद विशेष अतिथि रहे। स्वामी भक्ति प्रसाद गिरि ने कहा कि सनातन संस्कृति पूरी दुनिया को नई राह दिखा सकती है और इसके लिए सभी को एकजुट प्रयास करना चाहिए। मुख्य वक्ता प्रो. वीर सिंह रांगड़ा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना, शताब्दी वर्ष के पंच परिवर्तन और समाज में संस्कार, स्वदेशी एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 2000 से अधिक लोग उपस्थित रहे। वेदांशी शामा ने गीत प्रस्तुत किया। महिला मंडलों ने सुंदर भजन प्रस्तुत किए। आयोजन के समापन पर भक्तों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

एचआरटीसी में अफसरों की फौज घटाए सरकार

वार्ता के लिए तुरंत बुलाए, मांगें नहीं माने जाने तक गेट मीटिंग का सिलसिला रहेगा जारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

हिमाचल परिवहन सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण मंच ने राज्य सरकार से मांग की है कि निगम में उच्च पदों पर बने अफसरों के कुनबे को कम करने के लिए उनकी छंटनी जरूरी है। मंच ने कहा कि जो अधिकारी अनाधिकृत रूप से निगम के लिए बोझ बने हुए हैं, उन्हें चिन्हित कर 'जबरी' रिटायर कर घर भेजने का प्रबंध किया जाए।

मंच की राज्य स्तरीय बैठक हमीरपुर के एनजीओ भवन में प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल ठाकुर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में तय किया गया कि जब तक पेंशनर्स की मांगे पूरी नहीं होतीं, तब तक विरोध स्वरूप गेट मीटिंग का सिलसिला प्रदेशभर में जारी रहेगा। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष शिव कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुनाथ, सचिव वलबीर पठानिया, अतिरिक्त सचिव वीना भाटिया, कोषाध्यक्ष राम लाल, सह कोषाध्यक्ष वलबीर पटियाल, संगठन मंत्री हरनाम सिंह, मुख्य सलाहकार सुखदेव, लेखा निरीक्षक मदन लाल और प्रेस सचिव शतीष कुमार को चुना गया। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अजमेर ठाकुर ने सरकार और निगम प्रबंधन पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए कहा कि पेंशन हर माह 28-29 तारीख को दी जा रही है, जो वृद्ध पेंशनर्स के साथ अन्याय है। उन्होंने बताया कि एचआरटीसी कर्मचारियों को अक्टूबर माह की सैलरी के साथ 3 फीसदी डीए की किस्त दे दी गई, लेकिन पेंशनर्स को इससे वंचित रखा गया। उन्होंने मांग की कि यह किस्त शीघ्र जारी की जाए। ठाकुर ने कहा कि चिकित्सा बिलों की अदायगी तीन वर्षों से लंबित है, जबकि कोर्ट मामलों में सरकार नामी वकीलों को करोड़ों रुपए देकर समय गंवा रही है। कई पेंशनर्स तो अपनी मेहनत की कमाई लेने से पहले ही निधन हो गए, लेकिन उनके परिवार को कुछ नहीं मिला। मंच ने 8500 पेंशनर्स की ओर से सरकार और निगम प्रबंधन की कड़ी निंदा की। प्रदेशाध्यक्ष बृजलाल ठाकुर ने बताया कि 15 अक्तूबर को पेंशनर संयुक्त संघर्ष समिति ने शिमला में सरकार को जगाने का प्रयास किया था। 28 नवंबर को धर्मशाला के तपोवन में लगभग 15,000 पेंशनर्स ने सरकार का घेराव कर वार्ता के लिए मजबूर किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक पेंशनर्स की सभी देनदारियां पूरी नहीं होंगी, सभी इकाइयां अपनी-अपनी बैठक वाले दिन बस स्टैंड पर गेट मीटिंग आयोजित करेंगी।

हमीरपुर जिला इकाई का गठन

जिलाध्यक्ष नंद लाल चौहान, कार्यकारी अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुनाथ ठाकुर, उपाध्यक्ष भाग सिंह ठाकुर, कुलवंत सिंह, रघुवीर सिंह, जिला सचिव वलबीर पठानिया, अतिरिक्त सचिव वीना भाटिया, सह सचिव हरनाम सिंह, सगली राम, कोषाध्यक्ष राम लाल, सह कोषाध्यक्ष वलबीर पटियाल, संगठन मंत्री सुखदेव, मुख्य सलाहकार वलदेब सिंह आदि बने

भाजपा की जनहितैषी नीतियों और कांग्रेस सरकार की जनविरोधी गतिविधियों को जनता तक पहुंचाएं

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

भाजपा जिला हमीरपुर सोशल मीडिया की नवगठित जिला कार्यकारिणी ने जिला संयोजक रजित भारतीय के नेतृत्व में भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल से उनके समीरपुर स्थित आवास पर मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर जिले के सह संयोजकों, कार्यकारिणी सदस्यों, जिले के सभी 10 मंडलों के संयोजकों व सह संयोजकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश ठाकुर, महामंत्री अजय शर्मा रिंटू, समीरपुर मंडल अध्यक्ष अभयवीर सिंह, भोरंज से पूर्व विधायक अनिल धीमान व प्रदेश भाजपा सोशल मीडिया के सह संयोजक अनिल धीमान, जैमल सिंह ठाकुर पूर्व मंडल अध्यक्ष भोरंज, जिला सहकार विकास संघ के नवनियुक्त उपाध्यक्ष सुशील ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। सोशल मीडिया टीम ने समीरपुर रेस्ट हाउस में बैठक भी की। इसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

नवगठित भाजपा सोशल मीडिया जिला कार्यकारिणी ने प्रो. प्रेम कुमार धूमल से लिया आशीर्वाद।

मंडल संयोजकों को मंडल कार्यकारिणी के गठन के बारे में निर्देश देते हुए जिला संयोजक रजित ने सभी पदाधिकारियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भाजपा की जनहितैषी नीतियों व प्रदेश की कांग्रेस सरकार की जन विरोधी गतिविधियों से जनता को अवगत कराने का आग्रह किया। प्रो. धूमल ने पदाधिकारियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि 21वीं सदी में सोशल मीडिया का योगदान बहुत ही अहम है बशर्ते कि कार्यकर्ता इसका सदुपयोग करें। कार्यकर्ताओं को पार्टी की नीतियों को जनता तक ले जाने व केंद्र सरकार की विभिन्न उपलब्धियों व योजनाओं का बूथ स्तर पर प्रचार प्रसार सोशल मीडिया के माध्यम से करना चाहिए। जिला सोशल मीडिया की आयोजित बैठक में जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया का पार्टी के अभियानों को जनता तक ले जाने का रोल बहुत ही अहम है और कार्यकर्ताओं को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए पार्टी हित में कार्य करते हुए केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करने का आग्रह किया। उन्होंने जल्द ही जिला स्तर पर सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग की कार्यशाला आयोजित करने के बारे में भी जानकारी दी ताकि कार्यकर्ता सोशल मीडिया का अधिक से अधिक सदुपयोग करने की दिशा में आगें बढ़े।

13 को राष्ट्रीय लोक अदालत

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर में 13 दिसंबर को जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर तथा उपमंडल नादौन और बड़सर के न्यायिक परिसरों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव कुलदीप शर्मा ने बताया कि लोक अदालत में विभिन्न लंबित मामलों का निपटारा आपसी समझौते के आधार पर किया जाएगा। इसमें आपराधिक कंपाउंडेबल अपराध, एनआई एक्ट, धन वसूली, भूमि विवाद, सड़क दुर्घटना क्लेम, मोटर व्हीकल अधिनियम, श्रम विवाद, बिजली-पानी-टेलीफोन बिल, वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, वेतन व भत्तों तथा पेंशन संबंधी मामलों की सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में ऐसे मामलों का निपटारा भी संभव है, जो अभी न्यायालय में दायर नहीं हुए हैं। इच्छुक व्यक्ति जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण कार्यालय हमीरपुर या संबंधित न्यायालय में सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं। प्री-लोक अदालत सीटिंग में भी मामले आपसी सहमति से सुलझाए जा सकते हैं।

प्राकृतिक खेती ने बदल दी अमर सिंह की जिंदगी

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

प्राकृतिक खेती में नित नए मुकाम हासिल कर रहे हिमाचल प्रदेश में कई किसान इस सस्ती एवं जहरमुक्त खेती को अपनाकर न केवल अपने लिए सुरक्षित एवं पौष्टिक फल-सब्जियां तथा खाद्यान्न उगा रहे हैं, बल्कि इससे अच्छी-खासी कमाई भी कर रहे हैं।

जिला हमीरपुर के नादौन उपमंडल की ग्राम पंचायत कमलाह के गांव साधबड़ के अमर सिंह ने भी खेती की इस पारंपरिक विधि को अपनाया और आज वह अपने परिवार के साल भर के गुजारे के अलावा लगभग एक लाख रुपये तक की सब्जी स्थानीय बाजार में बेच रहे हैं। दरअसल, अमर सिंह अस्थायी नौकरी के साथ-साथ अपनी पुश्तैनी जमीन पर कई वर्षों से रासायनिक खाद और कीटनाशकों के प्रयोग से खेती कर रहे थे। इससे खेती पर ज्यादा खर्चा हो रहा था और रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों से उनके खेतों में जहर घुल रहा था। यह जहर फल-सब्जियां और खाद्यान्न में भी पहुंच रहा था और जमीन की उर्वरा शक्ति कम हो रही थी। कुछ वर्ष पूर्व उन्हें पॉलीहाउस और प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने इसमें अपना हाथ आजमाने का निर्णय लिया। सबसे पहले उन्होंने पॉलीहाउस और नर्सरी लगाई, जिससे उन्हें काफी फायदा हुआ। इसके बाद अमर सिंह ने कृषि विभाग की आतमा परियोजना के अधिकारियों के मार्गदर्शन से प्राकृतिक खेती की ओर कदम बढ़ाए। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए आरंभ की गई प्रदेश सरकार की योजना के तहत अमर सिंह को दो दिन का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया और प्राकृतिक खेती के लिए जरूरी सामग्री तैयार करने तथा ड्रम इत्यादि पर 80 प्रतिशत सब्सिडी दी गई। अब वह पूरी तरह प्राकृतिक खेती से ही अलग-अलग फसलें, सब्जियां और फलदार पौधे लगा रहे हैं। अमर सिंह ने बताया कि वह घर पर स्वयं ही गोबर, गोमूत्र, शक्कर और बेसन से जीवामृत तैयार कर रहे हैं तथा खेतों में इसी का छिड़काव कर रहे हैं। इससे उन्हें अच्छी पैदावार हो रही है। वह आलू, प्याज, लहसुन, बैंगन, गोभी, अन्य सब्जियां, सरसों तथा अन्य फसलें पूरी तरह प्राकृतिक खेती से ही उगा रहे हैं। इन फसलों को उन्हें स्थानीय बाजार में ही काफी अच्छे दाम मिल जाते हैं। परिवार की जरूरतों के अलावा वह स्थानीय बाजार में भी सब्जियां बेचकर अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। वह साल में लगभग एक लाख रुपये तक की सब्जी बाजार में बेच रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने अमरुद, पपीता, कीवी और अन्य फलदार पेड़ भी लगाए हैं। उनका कहना है कि हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रयास बहुत ही सराहनीय हैं। प्राकृतिक खेती के लिए सब्सिडी और इससे तैयार फसलों के लिए अलग से उच्च दाम निर्धारित करके मुख्यमंत्री ने प्रदेश के किसानों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

मेहनत से कठिन काम आसान, औषधीय पौधे लगाने से पर्यावरण सुरक्षित रहता है: सुभाष ढटवलिया

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कठियाणा के वार्षिक पारितोषिक समारोह के मुख्यातिथि कांग्रेस नेता सुभाष ढटवलिया व अन्य।

अनंत ज्ञान, बड़सर

पर्यावरण को बचाने के लिए औषधि पौधे लगाना जरूरी होते हैं। इसी प्रकार सफलता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की भी बहुत ज्यादा जरूरत होती है। कड़ी मेहनत से कठिन से कठिन मुकाम आसान हो जाता है।

यह बातें सीसे स्कूल कठियाणा के वार्षिक पारितोषिक समारोह के मुख्यातिथि कांग्रेस नेता सुभाष ढटवलिया ने बच्चों को संबोधित करते हुए कही। सुभाष ढटवालिया ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कठियाणा के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यक्रम में विद्यालय प्रधानाचार्य ध्यान सिंह एवं प्रधानरजनी देवी की अगुवाई में समस्त स्टाफ ने ढटवालिया का भव्य स्वागत किया। ढटवालिया ने विद्यार्थियों के प्रोत्साहन के लिए अपनी ओर से गूगल पे के माध्यम से 5100 की धनराशि प्रदान की। कार्यक्रम में कमल पठानिया, नरेश लखनपाल, डैनी जसवाल, पूर्व प्रधान अमर सिंह एवं बलदेव सिंह, कुलवंत ठाकुर, कैप्ट केवल कृष्ण, अशोक ठाकुर, अनीता कालिया, कुलदीप ठाकुर, सुरजीत कुमार, अजीत सिंह, जगदीश चंद आदि मौजूद रहे।

हिमाचल में चिट्टा माफिया के खिलाफ निर्णायक जंग शुरू

कानूनी मोर्चे पर अब होगा कठोर प्रहार, युवा पीढ़ी के भविष्य को बचाने की मुहिम हुई तेज

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

चिट्टा विरोधी वॉकथॉन में नशे के खिलाफ जन-अभियान का जोशीला अंदाज। (फाइल फोटो)

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चिट्टा विरोधी अभियान अब एक सजग व सशक्त जन आन्दोलन का रूप ले चुका है। राज्य सरकार ने नशे के इस काले कारोबार के विरुद्ध जो बहुआयामी और कठोर मुहिम छेड़ी है, वह केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि समाज की युवा पीढ़ी को बचाने का संघर्ष बन गई है। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में यह अभियान अब गांव-गांव, घर-घर तक फैल रहा है और लोगों की सहभागिता इसके प्रभाव को कई गुना बढ़ा रही है।

जानकारी के अनुसार 15 नवंबर 2025 को ऐतिहासिक रिज मैदान से चौड़ा मैदान तक आयोजित महावॉकथॉन ने इस मुहिम को नई ऊर्जा दी। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि चिट्टे के सौदागरों के खिलाफ यह लड़ाई अब एक व्यापक सामाजिक आंदोलन है, जिसमें जनता की जागरूकता सबसे बड़ा हथियार बनेगी। इसके बाद धर्मशाला के दाड़ी मैदान से पुलिस ग्राउंड तक हुए वॉकथॉन में भी उनका स्वर और अधिक प्रहारक था। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो लोग चिट्टा बेचकर बच्चों का भविष्य उजाड़ते हैं, उनकी हिमाचल की पवित्र धरती पर अब कोई जगह नहीं। नशे के कारोबार से जुड़े अपराधियों को हर हाल में सलाखों के पीछे भेजा जाएगा और किसी भी प्रभावशाली व्यक्ति को कानून से छूट नहीं मिलेगी। कानूनी स्तर पर भी सरकार ने निर्णायक कदम उठाए हैं। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को स्पेशल टास्क फोर्स में विलय कर एकीकृत एसटीएफ का गठन किया गया है ताकि चिट्टा माफिया की जड़ों तक पहुंचकर उसे पूरी तरह नेस्तनाबूद किया जा सके। सरकार ने नए कठोर विधेयक पारित किए हैं, जिनमें नशा तस्करों को मृत्युदंड, आजीवन कारावास, 10 लाख रुपये तक का जुर्माना और नशा कारोबार से अर्जित संपत्ति जब्त करने के प्रावधान शामिल हैं। यह कानून स्पष्ट संदेश देते हैं कि प्रदेश में अब नशे के लिए कोई नरमी नहीं, केवल जीरो टॉलरेंस की नीति चलेगी।

पिछले तीन वर्षों में प्रदेश पुलिस की कार्रवाई ऐतिहासिक रही है। एनडीपीएस के 5642 मामले दर्ज हुए, 8216 आरोपी गिरफ्तार हुए और 36.657 किलोग्राम चिट्टा सहित बड़ी मात्रा में अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए। पंचायत स्तर पर चिट्टा सेवन करने वालों और तस्करों की मैपिंग की जा चुकी है। हर पंचायत में नशा निवारण समितियां गठित करने का निर्णय लिया गया है और स्कूलों में पाठ्यक्रम में नशा-विरोधी अध्याय जोड़ जा रहे हैं, ताकि बच्चों को कम उम्र से ही जागरूक किया जा सके।

चिट्टे के दलदल में फंसे युवा अपराधी नहीं बल्कि पीड़ित: सीएम

मुख्यमंत्री का मानना है कि चिट्टे के दलदल में फंसे युवा अपराधी नहीं, बल्कि पीड़ित हैं। उन्हें दंड की नहीं, बल्कि संवेदना, उपचार और पुनर्वास की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से नशामुक्ति रोकथाम एवं पुनर्वास बोर्ड का गठन किया गया है और कई नवीन पहलें लागू की गई हैं।

चिट्टा माफिया का अंत करने की तैयारी

यह पूरा अभियान अब सरकारी सीमाओं से आगे बढ़ चुका है। यह समाज की चेतना, संस्कृति और भविष्य की रक्षा का संकल्प बन गया है। प्रदेश आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। जहां सरकार, समाज, बच्चे, युवा, माताएं, पंचायतें और प्रशासन सभी एक ही आवाज में कह रहे हैं कि चिट्टा माफिया का अंत अब सुनिश्चित है।

राज्यपाल ने 'चिट्टे पर चोट' राज्य स्तरीय कार्यशाला का किया शुभारंभ

नशा-मुक्त हिमाचल के लिए सभी से किया सामूहिक संकल्प का आह्वान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल शिमला में 'चिट्टे पर चोट' राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने गैर-सरकारी संगठनों के समूह संजीवनी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला 'चिट्टे पर चोट' का शुभारंभ किया और हिमाचल में बढ़ते नशे के खतरे के विरुद्ध सामूहिक संकल्प का आह्वान किया। राज्यपाल ने कहा कि यह जंग केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है, जिसमें हर परिवार, हर समुदाय और हर संस्था की सहभागिता अनिवार्य है। उन्होंने विधानसभा में सत्ता और विपक्ष द्वारा नशा-मुक्ति प्रयासों पर दिखाई गई एकजुटता को सराहनीय बताया और कहा कि साझा राजनीतिक इच्छाशक्ति ही देवभूमि को इस संकट से उबार सकती है।

राज्यपाल ने कहा कि 'चिट्टे पर चोट' एक अभियान से बढ़कर समाज का सामूहिक संकल्प है, जिसमें नीति सुधार, जागरूकता, शोध, पुनर्वास और जनसहभागिता सभी महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी एजेंसियों द्वारा फैलाए जा रहे नशे के जाल को तोड़ने के लिए पुलिस के सख्त कदमों के साथ-साथ समाज का सहयोग भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने गैर-सरकारी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, खेल संगठनों, युवा क्लबों और मीडिया से अपील की कि वे एक स्वर में नशे के खिलाफ माहौल तैयार करें, जिससे युवाओं को इस दलदल से बचाया जा सके। राज्यपाल ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई की शुरुआत घर से होती है।

माता-पिता को अपने बच्चों की दिनचर्या, संगत और मानसिक स्थिति पर संवेदनशील नजर रखनी चाहिए। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में नियमित जागरूकता अभियान चलाने पर बल देते हुए कहा कि नशे का शिकार हुए युवाओं के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है, क्योंकि पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक सहायता और उपचार ही उन्हें दोबारा जीवन की मुख्य धारा में लौटा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जिला प्रशासन ने सात दिन में लंबित निशानदेही निपटाने का दिया अल्टीमेटम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। जिला प्रशासन शिमला ने राजस्व कार्यों में हो रही देरी पर कड़ा रुख अपनाया है।
डीसी शिमला अनुपम कश्यप ने पटवारी और कानूनगो के साथ आपात बैठक कर निर्देश दिए कि सभी लंबित निशानदेही और फाइलें सात दिन में निपटाई जाएँ। फील्ड स्टाफ की लेटलतीफ़ी और कार्यालय में ढिलाई पर भी सख्त फटकार लगाई गई। बैठक में कई लापरवाही के मामले सामने आए। कुछ कानूनगो अपने ही पटवार क्षेत्र और सरकारी भूमि का विवरण नहीं दे पाए, जबकि धामी के फील्ड कानूनगो ने 11 महीने से कोई सम्मन जारी नहीं किया। बच्चों से संबंधित मामलों और चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के मामलों पर भी सख्त निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने धारा 118 और गलत रिपोर्टिंग के नियमों का पालन न करने पर कड़ी विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी। अब फील्ड स्टाफ को सीधे फील्ड में उतरकर लंबित कार्य निपटाना होगा। डीसी ने साफ किया कि असल काम न करने वालों को कोई बख्शा नहीं जाएगा।

भाजयुमो मतियाना का महाभियान: सभी 54 बूथों पर जोड़े जाएंगे 10 युवा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भाजयुमो मंडल मतियाना का एक बूथ, दस यूथ महाभियान में एक महत्वपूर्ण बैठक के साथ आगे बढ़ा, जिसकी अध्यक्षता युवा मोर्चा अध्यक्ष रजत राज्टा ने मतियाना में की। बैठक में ठियोग विधानसभा क्षेत्र के युवा मोर्चा प्रभारी और प्रदेश युवा मोर्चा प्रवक्ता पारुल शर्मा तथा मंडल अध्यक्ष सत प्रकाश वर्मा ने संगठनात्मक दिशा-निर्देश दिए। जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी प्रदीप शर्मा, जिला सचिव रोहित डोगरा, मंडल आईटी संयोजक रोहित काल्टा सहित अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। बैठक में बूथ स्तर पर युवाओं को जोड़ने और संगठन की गतिविधियों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने की रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। मंडल अध्यक्ष रजत राज्टा ने बैठक की सफलता पर सभी सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन द्वारा दिए गए कार्यों को समय सीमा से पहले पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत मतियाना मंडल के सभी 54 बूथों में प्रत्येक बूथ पर 10 युवाओं को सक्रिय रूप से जोड़ा जाएगा, जिससे संगठन को नई ऊर्जा और शक्ति मिलेगी।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर आज कियारवी और बाघल दौरे पर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर सोमवार को कियारवी और बाघल क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। वह सुबह 11 बजे कियारवी पहुंचकर मखरारा-कियारवी गांव के लिए नियमित और विश्वसनीय वैकल्पिक जलापूर्ति योजना को समर्पित करेंगे। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे बाघल में नव-निर्मित राजकीय उच्च विद्यालय बाघल की भवन का उद्घाटन करेंगे।

विनय कुमार 8 को बैठक में देंगे महारैली की रणनीति और तैयारियों के निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार 8 दिसंबर को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में होने वाली महत्वपूर्ण बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की 14 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट चोर, गद्दी छोड़ महारैली की तैयारियों को लेकर पार्टी के मीडिया, सोशल मीडिया, अग्रणी संगठनों और विभागों के पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश देंगे। यह बैठक आगामी बड़े संगठनात्मक कार्यक्रम की रणनीति तय करने के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

बैठक के उपरांत विनय कुमार 11 दिसंबर को मंडी में प्रस्तावित प्रदेश कांग्रेस सरकार के तीन वर्ष के कार्यकाल पर आयोजित होने वाले जन संकल्प सम्मेलन में भाग लेने तथा कार्यकर्ताओं को दिशा देने के उद्देश्य से मंडी रवाना होंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार वह 8 दिसंबर को दोपहर बाद चंडीगढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे और वहीं रात्रि विश्राम रहेगा। 9 दिसंबर की सुबह वह चंडीगढ़ से स्वारघाट होते हुए मंडी के लिए निकलेंगे, जहां रास्ते में स्वारघाट भराड़ी, सुंदरनगर, नाचन ब्लॉक के धनोटू चौक, डडोर और तत्पश्चात गांधी भवन मंडी में स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से विशेष मुलाकात करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष 10 दिसम्बर को सम्मेलन स्थल का निरीक्षण करेंगे और विभिन्न स्तरों पर तैयारियों की समीक्षा के साथ कार्यकर्ताओं की बैठक में हिस्सा लेंगे। रात्रि विश्राम परिधि गृह मंडी में रहेगा। 11 दिसम्बर को जन संकल्प सम्मेलन के समापन के बाद वह सड़क मार्ग से पुनः चंडीगढ़ के लिये रवाना होंगे।

- **मंडी जन संकल्प सम्मेलन की तैयारियों की होगी समीक्षा**
- **स्वारघाट से मंडी तक कार्यकर्ताओं से होगा मार्मिक संवाद**

रचोली स्कूल में वार्षिक पुरस्कार समारोह में छात्रवृत्ति योजना का किया ऐलान

आत्मा सिंह, अनंत ज्ञान

रामपुर बुशहर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रचोली में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया है। इस मौके पर रजनी मेहता व रेखा बंसल ने मंच संचालन किया, इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए जीआर आजाद एवं विशेष अतिथि मदन भारती व प्रोमिला गुप्ता रहे। इस कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई।

प्रधानाचार्य मनिशा ने मुख्यातिथि को टोपी व मफलर से सम्मानित किया साथ में स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। इसके साथ ही मुख्यतिथि ने स्कूल को 11 हजार की प्रोत्साहन राशि और विद्यार्थियों के लिए ग्यारह किलो लड्डू दिए। उनके साथ आए मदन भारती ने लगभग 50 हजार का सामान सभी छात्रों को बांटा। आजाद ने 'मां पुष्पा उत्कृष्ट छात्रवृत्ति योजना' की घोषणा की। इस योजना की शुरुआत सत्र 2026-27 से शुरू होगी। इस योजना के तहत छठी से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को प्रथम स्थान हासिल करने पर 1500 रुपए द्वितीय आने पर 1000 रुपए और तृतीय स्थान प्राप्त करने पर 500 पुरस्कार राशि दी जाएगी। यह राशि हर पांच साल बाद बढ़ाई जाएगी। 12वीं कक्षा की संध्या ने 483/500 अंक प्राप्त कर हिमाचल बोर्ड में 10वां स्थान व इशिता ने 10वीं कक्षा में 688/700 अंक प्राप्त कर 9वां स्थान प्राप्त किया है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर राजभवन में गूंजा सम्मान का जज्बा

राज्यपाल को झंडा दिवस पर सेना के अधिकारी झंडे का स्मृति चिन्ह लगाते हुए।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

- **शहीदों को नमन, वीर परिवारों के लिए राज्यपाल का आह्वान**

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर राजभवन में सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर मदन शील शर्मा ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को सेना का प्रतीकात्मक झंडा लगाया। राज्यपाल ने इस मौके पर शुभकामनाएं देते हुए सैनिक कल्याण कोष में अपना अंशदान प्रदान किया।

पूरे देश में 7 दिसंबर को मनाए जा रहे इस दिवस को हिमाचल प्रदेश में भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए एक से 31 दिसंबर तक चलाया जाएगा, ताकि दुर्गम और दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लोग भी इस मुहिम में शामिल होकर अपना योगदान दे सकें।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के वीर जवान देश की सेनाओं की शान और साहस का प्रतीक हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से उदारतापूर्वक सैनिक कल्याण कोष में दान करने की अपील की। यह कोष उन वीर सैनिकों के परिजनों की सहायता के लिए उपयोग किया जाता है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया है। राज्यपाल ने कहा कि समाज को अपने इन वीरों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता दिखानी चाहिए और बढ़-चढ़कर सहयोग के लिए आगे आना चाहिए।

शिमला के चौपाल में महिला को सोशल मीडिया पर धमकी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला के चौपाल क्षेत्र में हरे पेड़ों के अवैध कटान का भंडाफोड़ करने वाली एक महिला को सोशल मीडिया के जरिए गंभीर धमकियां मिलने का मामला सामने आया है।

- **अवैध पेड़ कटान उजागर करने पर दी गई जान से मारने की चेतावनी**
- **धमकियां देने वाले ने बताया अपना नाम देव आनंद**

पीड़िता ने हाल ही में अवैध लकड़ी कटान की तस्वीरें और जानकारी सार्वजनिक की थी तथा संबंधित विभाग को सूचित किया था। इसके तुरंत बाद फेसबुक मैसेंजर पर एक कॉल आया, जिसमें आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए दांत तोड़ने और जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं, आरोपी ने समाज में बदनाम करने की चेतावनी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस थाना चौपाल में मामला दर्ज किया गया है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को देव आनंद बताते हुए धमकियां देना शुरू कर दिया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 और 351(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का मानना है कि यह धमकियां अवैध पेड़ों की कटाई से जुड़े हितों की रक्षा करने की कोशिश में दी गई हों सकती हैं।

पर्यावरण संरक्षण की आवाज को डराना अस्वीकार्य: डीएसपी

डीएसपी चौपाल सुशांत शर्मा ने बताया कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों को कानून के तहत सख्त सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को पर्यावरण संरक्षण या सार्वजनिक हित में उठाई गई आवाज को धमकाकर दबाने का अधिकार नहीं है।

कांगड़ा की धरती से उठा जनआंदोलन, कुशासन के खिलाफ गूंजा प्रचंड संकल्प: राजीव बिंदल

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

- **धर्मशाला के ऐतिहासिक प्रदर्शन से कांग्रेस सरकार गई हिल**
- **कांगड़ा की वादियों से उठी जन आवाज अब पूरे प्रदेश में गूंजेगी**

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि धर्मशाला के जोरावर स्टेडियम में विधानसभा के बाहर 4 दिसंबर को जो विराट और ऐतिहासिक प्रदर्शन हुआ, उसने कांग्रेस सरकार को झकझोर कर रख दिया है। तीन वर्षों के कुशासन के खिलाफ उमड़ा यह जनसैलाब उस आक्रोश का प्रतीक है, जिसमें जनता ने साफ कर दिया कि वे जनविरोधी नीतियों को अब और बर्दाश्त नहीं करेंगे। बिंदल ने कहा कि यह भीड़ सिर्फ प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि सरकार के खिलाफ जनता का उफनता हुआ जनमत थी जिसने सत्ता के गलियारों तक कंपन पैदा कर दी है।

डॉ. बिंदल के अनुसार कांगड़ा की पवित्र धरती से निकली यह प्रचंड आवाज बताती है कि हर वर्ग आज सरकार की कार्यप्रणाली से क्षुब्ध है। उन्होंने कहा कि धौलाधार की वादियों से उमड़कर आए हजारों लोगों ने एक स्वर में कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है। बेरोजगार युवाओं को छलावा देना, बहनों से किए वादों को पूरा न करना, संस्थानों को बंद करना और विकास को रोक देना, इन सबके कारण जनता अब पूरी मजबूती के साथ निर्णायक लड़ाई के लिए तैयार खड़ी हो चुकी है। यह जनलहर अब पूरे हिमाचल प्रदेश में व्यापक रूप लेगी।

उन्होंने कहा कि धर्मशाला के इस जनसंकल्प में प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था, लगातार हो रही गोलीकांड की घटनाओं और बढ़ते अपराधों पर भी गहरी चिंता व्यक्त की गई। डॉ. बिंदल ने स्पष्ट किया कि भय और असुरक्षा के माहौल से मुक्ति दिलाना भाजपा की प्राथमिकता है। यह आंदोलन केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश को कुशासन से बचाने का एक व्यापक अभियान है, जो आने वाले समय में और अधिक तीव्रता के साथ पूरे प्रदेश में आगे बढ़ेगा।

निर्देश

कुफरी में सर्दियों के आगमन पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू

शिमला में पर्यटकों को यातायात नियमों का पालन करना अनिवार्य

सत्यदेव भारद्वाज, अनंत ज्ञान ब्यूरो

कुफरी में आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के दौरान पर्यटकों को मार्गदर्शन देते अधिकारी।

शिमला। राजधानी शिमला में बढ़ती पर्यटक भीड़ के बीच रविवार को कुफरी में एक दिवसीय विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। प्रदेश की ऊंची पहाड़ियों में सर्दियों की शुरुआत होते ही देश-दुनिया से आने वाले सैलानियों का रेला बढ़ने लगा है, ऐसे में सुरक्षित यात्रा को सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बताई गई।

डीसी शिमला ने कहा कि यात्रा का आनंद तभी पूर्ण होता है जब यातायात नियमों का पालन किया जाए। उन्होंने पर्यटकों से अपील की कि सीट बेल्ट अवश्य लगाएं, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें, नशे की हालत में ड्राइविंग न करें और सनरूफ से बाहर निकलकर फोटो या वीडियो बनाने जैसे जोखिमपूर्ण व्यवहार से बचें। उन्होंने कहा कि जिले में आने वाले पर्यटकों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जिला प्रशासन से बिना हिचक संपर्क करना चाहिए ताकि त्वरित सहायता उपलब्ध करवाई जा सके। उपायुक्त ने सड़क दुर्घटनाओं के दौरान आमजन की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि हादसे की स्थिति में वीडियो बनाने या फोटो खींचने में समय न गंवाएं, बल्कि घायल को प्राथमिक मदद पहुंचाने में सहयोग दें। यह मानवीय संवेदना समाज के लिए प्रेरक उदाहरण बन सकती है। अभियान में एसडीएम शिमला ग्रामीण मंजीत शर्मा, जिला राजस्व अधिकारी सुमेध शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रात में भी तकनीक को किया जा रहा दुरुस्त

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने बताया कि अभियान के दौरान इंटरसेप्टर वाहनों की सहायता से विभिन्न स्थानों पर चेकिंग की गई। हिमाचल प्रदेश स्टेट रोड ट्रांसफॉर्मेशन परियोजना के तहत विश्व बैंक की सहायता से प्राप्त ये अत्याधुनिक वाहन सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने में प्रभावी साबित हो रहे हैं। इनमें डेवलपर रडार, एल्को-सेंसर, ब्लैक ग्लास डिटेक्ट सिस्टम, फ्लैशर डिटेक्टर, जीपीएस और सीसीटीवी जैसी उन्नत तकनीकें मौजूद हैं, जिनकी मदद से पुलिस अब रात में भी सटीक निगरानी और त्वरित कार्रवाई कर पा रही है। गांधी ने कहा कि इन इंटरसेप्टर वाहनों के माध्यम से यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने, सड़क हादसों को कम करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने में मदद मिली है।

आठ और 10 दिसंबर को बिजली आपूर्ति रहेगी ठप

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। विद्युत उपमंडल मशोबरा और जुब्बल के तहत आवश्यक रखरखाव तथा मुरम्मत कार्य के कारण 8 और 10 दिसंबर को शिमला जिला के अनेक इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग के अनुसार क्रैगनैनो-एआईआर फीडर के रखरखाव कार्य के चलते बागी जुब्बड़, जबलांदा-1 व 2, शेनाल, गोल्फ लिंक, शाली, डोबा, कोगी शाली 1 व 2, भरत गोशाला, बाग, शैशर, टिक्कर, सौंथल, कोगी, पारनी, जखलयाणा, दगोग, अरोमा वैली तथा आसपास के क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली बंद रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है ताकि यह कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सके। इसी प्रकार विद्युत मंडल जुब्बल द्वारा 22 केवी मंडोल फीडर के रखरखाव के चलते शीलघाट क्षेत्र में भी 8 दिसंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम पंचायत मढोल, शील तथा कोट काइना शामिल हैं।

कांग्रेस की सरकार नहीं, अब केवल गुटों की लड़ाई चल रही है: भाजपा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

भाजपा के उपाध्यक्ष एवं सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज व वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने आरोप लगाया कि हिमाचल में कांग्रेस सरकार अब शासन नहीं, बल्कि गुटों की लड़ाई में उलझ चुकी है। धर्मशाला में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में केवल 15 विधायक और 2 मंत्री ही पहुंचे, जिसे दोनों नेताओं ने सरकार की कमजोरी और नेतृत्व पर अविश्वास का खुला संकेत बताया।

उनका कहना है कि मुख्यमंत्री को अपने ही विधायक सर्वमान्य नेता मानने को तैयार नहीं हैं और दिल्ली से भेजे गए दो पर्यवेक्षकों की मौजूदगी भी कांग्रेस में बढ़ती दरारें नहीं भर सकी। भाजपा नेताओं के अनुसार यह हालात दर्शाते हैं कि सरकार भीतर से खोखली हो चुकी है और कोरम पूरा न होना सत्ता पक्ष के इतिहास का सबसे शर्मनाक क्षण बन गया।

त्रिलोक कपूर ने उपमुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की लगातार अनुपस्थिति को सरकार के पंगु होने का प्रमाण बताया और कहा कि विधानसभा के दौरान एक मंत्री के जवाब न देने पर अध्यक्ष को हस्तक्षेप करना पड़ा।

भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस सरकार दिशाहीन, बिखरी और अव्यवस्थित हो चुकी है तथा जनता इसके दुष्परिणाम भुगत रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता कांग्रेस की अंदरूनी कलह को देख रही है और आने वाले समय में इसे करारा जवाब देगी, जबकि भाजपा सड़क से सदन तक सरकार की विफलताओं को उजागर करती रहेगी।

मीठा पत्ता : सेहत का खजाना

पश्चिमी हिमालय की पर्वतमालाओं में सदियों से एक सुगंधित और सदाबहार पौधा लोगों के जीवन, भोजन, घरेलू उपचार और आजीविका का हिस्सा रहा है और वह है-मीठा पत्ता, जिसका अर्थ है मीठी सुगंध वाला पत्ता, इसे कई जगहों पर तेज पत्ता भी कहा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम सिनेमोमुम तमाला है और यह लॉरेएसी कुल से संबंधित है। मीठा पत्ते का पौधा, पहाड़ों की धूप, अर्ध-छायादार ढलानों, सड़क किनारों और जलनिकासी वाली पथरीली या रेतीली मिट्टी में प्राकृतिक रूप से उगता है। हिमाचल प्रदेश में यह लगभग 2,400 मीटर की ऊंचाई तक मिलता है। इसके छोटे पौधे छांव में तेजी से बढ़ते हैं, जबकि बड़े होने पर ये खुली धूप में खूब फलते-फूलते हैं। कई प्राकृतिक आवासों में तो इसके जंगल भी देखने को मिलते हैं, लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है कि जहां यह पौधा बहुतायत में मिलता है। वहीं, स्थानीय लोग इसका उपयोग बहुत कम या न के बराबर करते हैं।

इसके विपरीत, बाजारों में इसकी औषधीय और मसालेदार उपयोगिता के कारण इसकी अच्छी-खासी मांग है। स्थानीय उपेक्षा और बढ़ती बाजार मांग के बीच का यह अंतर मीठा पत्ता की असली महत्ता को और भी अधिक उजागर करता है, क्योंकि हमारा शरीर उन्हीं पांच तत्वों से बना है, जिनसे पौधों का अस्तित्व बना है। इसलिए किसी भी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए सबसे प्रभावी और सुरक्षित औषधि वही स्थानीय वनस्पतियां होती हैं जो उनके आस-पास उगती हैं-न कि वे जड़ी-बूटियां जिन्हें हम बाजार से दूरदराज से मंगाते हैं। प्रकृति हमेशा उसी भूमि पर रहने वालों के लिए उपयुक्त उपचार स्वयं तैयार करती है और किसी क्षेत्र की सबसे सच्ची दवा वही होती है, जो उसी मिट्टी में सहज रूप से उगी हो।

पारंपरिक मसाला, औषधीय गुणों का अनमोल स्रोत

मीठा पत्ता की पत्तियां सदियों से मसाले और औषधि के रूप में उपयोग होती रही हैं। स्थानीय लोग पत्तियों को ताजा या सुखाकर चाय, सब्जियों, सेपुबडी या दूसरे दम, पुलाव, विरयानी, दालों और अन्य व्यंजनों में स्वाद के लिए डालते हैं। इसकी सुगंध भोजन को विशेष स्वाद और औषधीय गुण प्रदान करती है, इसलिए यह रेस्तरों एवं होटलों में भी मुख्य रूप से उपयोग होता है । स्थानीय लोगों के अनुसार मीठा पत्ता की चाय- सर्दी-जुकाम, खांसी, पेट में गैस, दर्द, मतली, मधुमेह तथा हृदय संबंधी रोग में निम्न प्रकार से अत्यन्त लाभकारी है।

मीठा पत्ता के लाभ

* **हाइपोग्लाइसीमिक** (रक्त शर्करा कम करने वाला) * हाइपोलिपिडेमिक (खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने वाला) * कार्मिनेटिव (अपच दूर करने वाला) * एंटी-इन्फ्लेमेटरी * एंटी-ऑक्सीडेंट * एंटी-बैक्टीरियल * एंटी-फंगल आदि गुणों से भरपूर है।

इसलिए इसका उपयोग मुख्यतः

* भूख न लगना * मूत्राशय विकार * दस्त उल्टी * श्वसन रोग * हृदय की कमजोरी * मानसिक तनाव * सूजन-रोधी, पाचन-सुधारक और चयापचय बढ़ाने वाली गुणों के कारण थायरॉयड संतुलन में सहायक है।

अन्य उपयोग

* पत्तों का धुआं मच्छरों को दूर भगाने में प्रभावी है। * परफ्यूम, साबुन, तेल और कॉस्मेटिक उद्योग में इसकी सुगंध का प्रयोग होता है। * खाद्य उद्योग में इसे नेचुरल प्रिजर्वेटिव के रूप में अपनाया गया है- खासकर अनानास जूस के संरक्षण में। * फास्ट फूड और मसाला उद्योग में इसका सुगंधित तेल अत्यंत लोकप्रिय है।

डॉ. तारा देवी सेन, विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, वल्लभ राजकीय महाविद्यालय, मंडी

सतत उपयोग और संरक्षण की आवश्यकता

आज मीठा पत्ता की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन बेतहाशा दोहन के कारण इसका प्राकृतिक भंडार घट रहा है, इसलिए आवश्यक है कि सतत तरीके से इसके पत्तों की कटाई की जाए। वन विभाग और स्थानीय समुदाय मिलकर इसके व्यापक रोपण को बढ़ावा दें। स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण देकर इसे आय का अतिरिक्त साधन बनाया जाए। मीठा पत्ता केवल एक मसाला नहीं, बल्कि हिमालय की सांस्कृतिक विरासत, स्वास्थ्य का प्राकृतिक खजाना और महिलाओं के लिए आजीविका का सरल माध्यम है। मंडी शहर में महिलाएं घर पर ही पत्तियों को इकट्ठा कर, सुखाकर और पैक कर सेरी मंच पर बेचती हैं। 10 ग्राम का पैक 20 से 50 रुपए में उपलब्ध होता है, जिससे उन्हें अच्छा लाभ प्राप्त होता है। इस पहल ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है और उन्हें अपने परिवार की आय में सार्थक योगदान देने का अवसर प्रदान किया है। इसके संरक्षण और प्रचार से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए यह सुगंधित वनसंपदा सुरक्षित रह सकेगी।

रासायनिक संघटन

आधुनिक विश्लेषणों के अनुसार मीठा पत्ता में पाए जाने वाले प्रमुख घटक और उनका औसत प्रतिशतः

रसायन	औसत मात्र (%)
सिनामिक एल्डिहाइड	45-55%
लिनालूल	8-12%
यूजेनॉल	2-4%
यूजेनॉल एसीटेट	1-2%
बीटा-कैरियोफाइलीन	3-6%
कैंफर	1-3%
अल्फा-टर्पिनियोल	1-2%
सिट्रल और लिमोनीन	1-2%
बेंजिल एसीटेट	1%

ये रसायन इसके सुगंधित, औषधीय और रोगाणुरोधी गुणों के लिए जिम्मेदार हैं।

पोषक तत्व	मात्रा
ऊर्जा	310 kcal
कार्बोहाइड्रेट	72 g
आहार फाइबर	26 g
प्रोटीन	8-10 g
वसा	1.7 g
कैल्शियम	830 mg
आयरन	43-50 mg
मैग्नीशियम	150 mg
फॉस्फोरस	110 mg
विटामिन सी	18 mg
विटामिन ए	618 IU
फोलेट	35 μg

औषधीय उपयोग : किस रूप में उपयोग, लाभ/प्रभाव

सर्दी-जुकाम
पत्ती की चाय/काढ़ा
ठंड का असर कम करता है और शरीर को गर्माहट देता है।

खांसी
चाय/पत्ती का काढ़ा
कफ कम करता है और गले को आराम देता है।

पेट की गैस व अपच
चाय/मसाले के रूप में
गैस, पेट फूलना, अपच में राहत पाचन शक्ति बढ़ाता है।

मतली
हल्की चाय
उल्टी और मतली को शांत करता है।

सिरदर्द
पत्तियों का काढ़ा/लेप
काढ़ा पीने से आराम, लेप लगाने से त्वरित राहत।

बालों की मजबूती
पत्ती का लेप
बालों को मजबूत करता है व जुओं को खत्म करता है।

नाक से खून बहना
पत्ती रस का सेवन
रक्तस्राव रोकने में सहायक।

मधुमेह
चाय नियमित सेवन
रक्त शर्करा नियंत्रित करने में सहायक (हाइपोग्लाइसीमिक प्रभाव)।

हृदय स्वास्थ्य
चाय/मसाला
हृदय को मजबूत करता है, खराब कोलेस्ट्रॉल घटाता है।

श्वसन संक्रमण
काढ़ा
सांस लेने में तकलीफ व जमाव को कम करता है।

दस्त व पेट दर्द
काढ़ा
एंटी-माइक्रोबियल गुण से दस्त और इंफेक्शन में राहत।

मूत्रवर्धक
काढ़ा
शरीर से विषैले पदार्थ बाहर निकालता है।

तनाव व मानसिक थकान
सुगंधित चाय
मन को शांत करता है, तनाव कम करता है।

त्वचा संक्रमण
लेप
जीवाणुरोधी गुणों से त्वचा के संक्रमणों में राहत।

जूं
पत्ती का लेप
जूं और सर की खुजली समाप्त करता है।

स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में असंख्य चुनौतियां

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में स्वास्थ्य व चिकित्सा क्षेत्र में असंख्य चुनौतियां हैं। भले ही केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निचले स्तर तक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जिसके तहत देश के विभिन्न राज्यों में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अुनसार, भारत सरकार केवल अंग्रेजी पद्धति (एलोपैथिक चिकित्सा पद्धति) को बढ़ावा देने में स्वास्थ्य व चिकित्सा क्षेत्र का अधिकांश बजट खर्च करती है, जबकि स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों के लिए मात्र 5 प्रतिशत अनुदान ही मिलता है, जो स्वतः ही सरकारी भेदभाव की पोल खोल देता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत देशभर में स्वास्थ्य कर्मियों को शिक्षित-प्रशिक्षित करने अथवा उच्चाधिकारियों के वेतन-भत्तों व अन्य साजोसामान की खरीद फरोख्त पर व्यय किया जाता है। नतीजतन आम जनता को कोई राहत नहीं मिलती है। अस्पतालों में कहीं चिकित्सकों की कमी तो कहीं कर्मचारियों के पद रिक्त होने से करोड़ों रुपए की लागत से खरीदे गए उपकरण और दवाएं धूल फांक रहे हैं।

सर्दियों में बढ़ जाता वायरल इन्फेक्शन व रोगों का जोखिम

सर्दियों में सेहत के लिए कई तरह के उपाय अपनाए जाते हैं, ताकि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सके । इन दिनों मौसम के शुष्क रहने और ठंडी बढ़ने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, जिससे वायरल इंफेक्शन और विभिन्न रोगों का जोखिम बढ़ जाता है, जिससे बचाव के लिए खानपान का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। मौसम के अनुसार, फलों व सब्जियों को अधिक मात्रा में सेवन करने की सलाह दी जाती है। प्राकृतिक चिकित्सा के साथ-साथ आप अपने नजदीकी किसी इलेक्ट्रो-होम्योपैथी सेंटर में जाकर बहुत ही उपयोगी दवा फ्लूनिल-सन व इलेक्ट्रो-इम्यूनिटी जरूर ले सकते हैं। इसके सेवन से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और स्वास्थ्य पैरामीटर भी बेहतर हो जाते हैं ।

-डॉ. सुरेंद्र ठाकुर
निदेशक, सर्वोदय इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी बगली

प्रस्तुतिः राजेश कुमार, धर्मशाला

हर्बल चिकित्सा पद्धति की तरफ बढ़ रहा रुझान

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सूचकांक के अनुसार, देश के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी है। ऐसे में निजी क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों में शिक्षित और प्रशिक्षित लोगों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। विभिन्न राज्यों में स्वदेशी चिकित्सा पद्धति के तहत इलाज करने वाले चिकित्सकों को विभागीय स्तर पर प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए और उन्हें प्रत्येक राज्य के स्वास्थ्य विभाग में पंजीकृत करना अनिवार्य किया जाए तो संभवतः इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। वेलनेस सेंटर में कार्यरत चिकित्सकों व कर्मचारियों को हॉलिस्टिक एप्रोच टू हेल्थ केयर के तहत प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। पिछले पांच दशकों से देशभर में हर्बल चिकित्सा पद्धति की तरफ रुझान बढ़ रहा है। ऐसे में शत-प्रतिशत वनस्पति जगत पर आधारित इलेक्ट्रो-होम्योपैथी इन दिनों काफी लोकप्रिय हो रही है । भारत सरकार ने इस पद्धति को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञ समिति से रिपोर्ट मांगी है ताकि इस चिकित्सा पद्धति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके ।

हाई ब्लड शुगर दिल और किडनी को नहीं शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी को भी करता कम

हाई ब्लड शुगर सिर्फ एक संख्या नहीं, यह शरीर की हड्डियों, मांसपेशियों, लिगामेंट और मूवमेंट की क्षमता को धीरे-धीरे कमजोर करने वाली प्रक्रिया है। सही समय पर नियंत्रण और जीवनशैली में छोटे बदलाव न सिर्फ शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं, बल्कि शरीर को लचीला, सक्रिय और स्वस्थ भी बनाए रख सकते हैं। डॉ. तेज प्रताप पांडेय बताते हैं कि भारत में डायबिटीज का बढ़ता बोझ अब देश की स्वास्थ्य चिंताओं में सबसे ऊपर है। यह बीमारी वर्षों से आंखों, किडनी, नसों और दिल को नुकसान पहुंचाने के लिए जानी जाती है, लेकिन विशेषज्ञों की ताजा रिपोर्ट बताती है कि हाई ब्लड शुगर का असर शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी और मूवमेंट पर भी गहराई से पड़ने लगा है यानी डायबिटीज अब सिर्फ एक मेटाबॉलिक बीमारी नहीं रही, बल्कि पूरे शरीर की संरचना को प्रभावित करने वाली स्थिति बन चुकी है।

युवा भी तेजी से आ रहे चपेट में

पहले डायबिटीज को उम्रदराज लोगों की बीमारी माना जाता था, लेकिन आज इसका असर युवाओं और कामकाजी लोगों में तेजी से देखा जा रहा है। कम नींद, तनाव, लंबे समय तक बैठकर काम करना, प्रोसेस्ड फूड और घटती शारीरिक गतिविधि-ये कारण बीमारी को नई दिशा दे रहे हैं। जिस तेजी से युवा डायबिटीज की ओर बढ़ रहे हैं, भविष्य में यह मोबाइलिटी आधारित बीमारियों का बड़ा कारण बन सकता है।

-डॉ. तेज प्रताप पांडेय

रीढ़ हड्डी और जोड़ों पर बढ़ता खतरा

हाई ब्लड शुगर का पहला प्रभाव रीढ़ की हड्डी पर पड़ता है। जब रक्त में ग्लूकोज सामान्य से अधिक रहता है, तो रीढ़ की डिस्क को पोषण देने वाली छोटी रक्त वाहिकाएं संकुचित होने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप डिस्क की मजबूती तेजी से घटती है। कुशनिंग क्षमता कम हो जाती है। कमर में अकड़न और दर्द बढ़ता है। ज्यादा देर बैठने या झुकने पर असहजता महसूस होती है। स्पाइन डीजेनेरेशन तेजी से होता है। अनियंत्रित डायबिटीज वाले मरीजों में स्लिप डिस्क, सर्वाइकल और लम्बर समस्या जल्दी विकसित होती है।

कोलेजन पर असरः शरीर की लचक को करता है कम

कोलेजन वह प्रोटीन है, जो त्वचा, मांसपेशियों, जोड़ों और लिगामेंट को मजबूती और लचीलापन देता है। लेकिन जब शुगर लंबे समय तक बढ़ी रहती है, तो यह कोलेजन को कठोर कर देती है। इसे वैज्ञानिक भाषा में ग्लाइकेशन कहा जाता है। इसके परिणामस्वरूप शरीर पहले जैसी लचक नहीं दिखाता। स्ट्रेचिंग मुश्किल होती है। मांसपेशियां जल्दी थकती हैं। जोड़ों में सूजन या जकड़न महसूस होती है। रोजमर्रा के कामों में सुस्ती आने लगती है। यह प्रक्रिया धीरे-धीरे होती है, इसलिए मरीज को शुरुआत में इसका एहसास भी नहीं होता।

मीठा न खाने पर भी क्यों बढ़ती है शुगर?

एक आम सवाल है कि 'मैं मिठाई नहीं खाता, फिर भी शुगर क्यों बढ़ जाती है?' डॉक्टरों का कहना है कि ब्लड शुगर कई आंतरिक कारणों से भी बढ़ती है, जिनका मिठाई या मीठे से कोई संबंध नहीं। इन कारणों से भी शुगर बढ़ जाती है–

- **सुबह का हार्मोनल शुगर बूस्ट** : शरीर सुबह खुद ग्लूकोज रिलीज करता है।
- **रात में शुगर लो होना** : शरीर इसे पूरा करने के लिए सुबह शुगर बढ़ाता है।
- **सर्दी-जुकाम या वायरल** : स्ट्रेस हार्मोन बढ़कर शुगर ऊपर ले जाते हैं।
- **तनाव और नींद की कमी** : कॉर्टिसॉल बढ़ता है, जिससे शुगर स्वतः बढ़ती है।
- **डिहाइड्रेशन** : खून गाढ़ा हो जाता है, शुगर बढ़ी दिखती है।
- **महिलाओं में हार्मोनल बदलाव** : पीरियड्स, प्रेग्नेंसी, मेनोपॉज में असर दिखता है।
- **स्टेरॉयड या कुछ दवाएं** : ग्लूकोज उत्पादन बढ़ाती हैं।
- **दवाई देर से लेना** : दवा में देरी शुगर को तुरंत बढ़ा देती है।

हाथों और अंगुलियों को प्रभावित करती डायबिटीज

डायबिटीज हाथों और अंगुलियों को भी प्रभावित करती है। कई मरीजों में देखा गया है कि अंगुलियां सीधी या मुड़ी हुई स्थिति में फंस जाती हैं। हथेलियों की त्वचा सख्त हो जाती है। मुट्ठी बनाना मुश्किल हो जाता है। पकड़ी चीजें जल्दी छूटती हैं व हल्का काम करते हुए भी दर्द बढ़ने लगता है। विशेषज्ञ इसे 'डायबिटिक स्टिफ हैंड सिंड्रोम' या लिमिटेड ज्वाइंट मोबिलिटी कहते हैं। यह स्थिति आगे चलकर कंधे, गर्दन और कोहनी तक असर छोड़ सकती है।

मोबिलिटी और फ्लेक्सिबिलिटी कैसे बचाएं?

नियमित व्यायाम, तेज चलना, योग, स्ट्रेचिंग और स्विमिंग सबसे प्रभावी तरीके हैं। शरीर की जकड़न कम होती है और शुगर नियंत्रण में रहती है। संतुलित आहार, कम ग्लाइसेमिक फूड, पर्याप्त फाइबर, कम नमक, कम प्रोसेस्ड फूड यह डायबिटीज और सूजन दोनों को नियंत्रित रखते हैं। प्रस्तुति : अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर।

थकान, दिल की धड़कन बढ़ना और त्वचा का पीला होना एनीमिया के लक्षण

एनीमिया एक रक्त विकार है, जो तब होता है जब आपके शरीर में पर्याप्त लाल रक्त कोशिकाएं नहीं होती हैं या आपकी लाल रक्त कोशिकाएं ठीक से काम नहीं करती हैं। कुछ प्रकार के एनीमिया वंशानुगत होते हैं, लेकिन लोग अपने जीवनकाल में भी इस स्थिति को प्राप्त या विकसित कर सकते हैं। यदि आपको एनीमिया है, तो आपको थकान, दिल की धड़कन बढ़ना, त्वचा का पीला पड़ना या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण हो सकते हैं, जो दो सप्ताह तक ठीक नहीं होते।

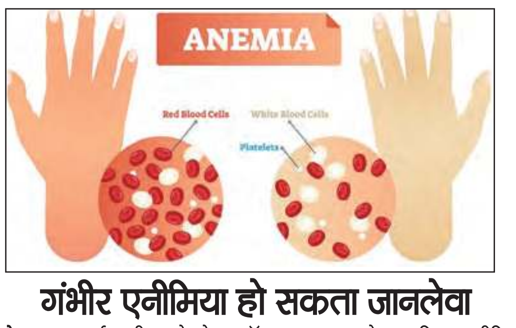

गंभीर एनीमिया हो सकता जानलेवा

हेल्थ एक्सपर्ट व सीएमओ सोलन डॉ. अजय पाठक के मुताबिक, एनीमिया आपके जीवन को कई तरह से प्रभावित कर सकता है। इस स्थिति के कुछ प्रकारों में हल्के लक्षण होते हैं, जो इलाज से ठीक हो जाते हैं। कुछ अन्य प्रकार ज्यादा गंभीर होते हैं, जैसे कि कुछ ऐसे रोग जो लोगों को विरासत में मिलते हैं और जीवन भर के लिए स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करते हैं। गंभीर एनीमिया जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का लक्षण भी हो सकती है।

-डॉ. अजय पाठक, हेल्थ एक्सपर्ट व सीएमओ, सोलन।

एनीमिया के लक्षण

थकान अपनी गतिविधियों को नियंत्रित करने में असमर्थ महसूस करना एनीमिया का सबसे प्रमुख लक्षण है। इसके अलावा छाती में दर्द, चक्कर आना, बार-बार संक्रमण होना, दिल की धड़कन तेज होना, सिरदर्द, पीलापन (त्वचा का रंग सामान्य से अधिक पीला) स्पंदनशील टिनिटस, सांस लेने में तकलीफ (डिस्पेनिया के भी लक्षण हैं। इस प्रकार के लक्षण हों, तो तुरंत चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए।

एनीमिया का कारण क्या है

एनीमिया के कई कारण हो सकते हैं। उदाहरण के लिए आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया एनीमिया का सबसे आम प्रकार है। अगर आपको अपने खाने से पर्याप्त आयरन नहीं मिलता है या किसी चोट या बीमारी के कारण आपको खून की कमी हो जाती है, तो आपको यह प्रकार हो सकता है। स्वास्थ्य सेवा प्रदाता एनीमिया को अर्जित या वंशानुगत के रूप में वर्गीकृत करते हैं

दीर्घकालिक रोग से होने वाला एनीमिया

यदि आपको कोई ऐसी बीमारी है, जो दीर्घकालिक सूजन का कारण बनती है, तो आपमें यह स्थिति विकसित हो सकती है, जिससे आपके शरीर के लिए लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण हेतु आवश्यक लौह का उपयोग करना कठिन हो जाता है।

ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया : इस स्थिति में, आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली आपकी लाल रक्त कोशिकाओं पर हमला करती है।

घातक एनीमिया : यह स्थिति जो विटामिन बी 12 की कमी के कारणों में से एक है, एक स्वप्रतिरक्षी स्थिति है, जो आपके शरीर को विटामिन बी-12 को अवशोषित करने से रोकती है। अगर आपको कुछ पुरानी बीमारियां हैं, तो भी आपको एनीमिया हो सकता है।

प्रस्तुतिः आर मोहन चौहान, सोलन

बचाव और सावधानी

हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. अजय पाठक के मुताबिक, एनीमिया से बचने के लिए आयरन, विटामिन बी-12, और फोलिक एसिड से भरपूर संतुलित आहार लें (जैसे हरी पत्तेदार सब्जियां, चुकंदर, अनार, दालें, खजूर, किशमिश, अंडे, मांस) और विटामिन सी (नींबू, संतरा) युक्त फल खाएं जो आयरन अवशोषण में मदद करते हैं, चाय-कॉफी का सेवन सीमित करें और नियमित व्यायाम व स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। डॉक्टर की सलाह पर सप्लीमेंट्स भी ले सकते हैं और भारी मासिक धर्म जैसी समस्याओं के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलें।

आयरन युक्त भोजनः पालक, मेथी, चुकुंदर, अनार, खजूर, किशमिश, दालें (चना, मूंग), अंकुरित अनाज, अंडे, मछली, नट्स (बादाम, कद्दू के बीज) और साबुत अनाज।

विटामिन सी युक्त फलः संतरा, नींबू, अमरूद, आंवला, टमाटर (ये आयरन के अवशोषण को बढ़ाते हैं)।

विटामिन बी-12 और फोलेटः दूध, दही, अंडे, पत्तेदार सब्जियां का सेवन लाभकारी है।

न्यूज ब्रीफ

अभिमन्यु बने धर्मशाला स्वर्णकार संघ के प्रधान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। स्वर्णकार संघ धर्मशाला की बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। पूर्व प्रधान अनिल जोड़ा व सेक्रेटरी एवं कैशियर संजीव वर्मा सहित स्वर्णकार संघ के सदस्य राजेश वर्मा, विनोद निश्चल, नीरज नंदा, रमेश वर्मा और सभी सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित बैठक गठित नई कार्यकारिणी में अभिमन्यु वर्मा को प्रधान, अंकुश वर्मा को उप प्रधान, अनिक वर्मा को कैशियर व गौरव वर्मा को जनरल सेक्रेटरी का कार्य भार सौंपा गया।

गाहलियां स्कूल में होनहार किए सम्मानित

अनंत ज्ञान, कांगड़ा। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गाहलियां में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बड़ी धूमधाम से आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि कमांडर कुलदीप सिंह सहित पंचायत प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रधानाचार्य अजय कुमार ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और बच्चों की शिक्षा व गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने की बात कही। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा, जबकि पूरे वर्ष विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मोमेंटो और शैक्षणिक सामग्री देकर सम्मानित किया गया।

महेवा स्कूल में वार्षिक पारितोषिक समारोह आयोजित

शिवम शर्मा, अनंत ज्ञान, परागपुर। राजकीय उच्च विद्यालय महेवा में आयोजित वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि कैप्टन उपविंदर चंद गुलेरिया रहे, जबकि अध्यक्ष राकेश शर्मा भी उपस्थिति रहे। विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोकनृत्यों और नशा निवारण आधारित कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया, जबकि मुख्याध्यापक ने विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

शिक्षा निदेशक ने किया स्कूल का निरीक्षण

सालविया शर्मा, अनंत ज्ञान, गरली। स्कूल शिक्षा निदेशक आशीष कुमार कोहली ने राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गरली में अचानक निरीक्षण किया। निदेशक ने प्राचार्य अनिरुद्ध कुमार शर्मा और स्टाफ की व्यवस्थाओं की सराहना की। कक्षाओं का निरीक्षण कर उन्होंने विद्यार्थियों की तैयारी और आत्मविश्वास को उत्कृष्ट बताया। बैठक में सीबीएसई बोर्ड, क्लस्टर प्रणाली और शिक्षण गुणवत्ता पर चर्चा हुई। स्वच्छता, अनुशासन और शिक्षण स्तर से प्रभावित होकर निदेशक ने विद्यालय को मॉडल स्तर का करार दिया।

इंदौरा में मेगा विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

अनंत ज्ञान, इंदौरा। उपमंडल विधिक साक्षरता समिति इंदौरा ने ग्राम पंचायत डमटाल में मेगा विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया। शिविर की अध्यक्षता सिविल जज प्रवीण खड़वाल ने की और नशा मुक्त समाज, पर्यावरण संरक्षण तथा कानूनी अधिकारों पर जागरूकता दी। अधिवक्ता, पुलिस एवं ड्रग एडिक्शन सेंटर के काउंसलरों ने महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी साझा की। स्कूली बच्चों ने नशा विरोधी भाषण और प्रेरणादायक स्किट प्रस्तुत की। स्वयं सहायता समूहों व विभागीय स्टॉल का अवलोकन भी किया गया।

निचला सकोह में हिंदू सम्मेलन का आयोजन

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। धर्मशाला स्थित शिव मंदिर परिसर में हिन्दू सम्मेलन समिति निचला सकोह द्वारा पोष मास की तृतीया कृष्ण पक्ष, रविवार को भव्य हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 450 महिलाएं, पुरुष और बच्चे उपस्थित रहे। हवन, भजन और कीर्तन से शुभारंभ हुआ। वक्ताओं ने हिन्दू संस्कृति, समाज और वर्तमान चुनौतियों पर विचार साझा किए। लोकगायक करनैल राणा ने नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाते हुए गीत प्रस्तुत किए। पंच परिवर्तन और स्वदेशी विचार पर भी मार्गदर्शन दिया गया।

थलयाल में 9000 मिलीलीटर देसी शराब बरामद

राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह। पुलिस थाना भवारना के तहत थलयाल में भगवान दास निवासी क्यारवां तहसील धीरा के पास से 9,000 मिलीलीटर देसी शराब बरामद की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

वेस्ट वॉरियर्स ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। वेस्ट वारियर्स ने टेट्रा पैक के सहयोग से श्री बालाजी अस्पताल के साथ मिलकर सफाई की और बच्चों के लिए हेल्थ कैंप आयोजित किया। यह कैंप फुटबाल स्टेडियम आवास योजना के पास लगाया गया, जिसमें 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यक परामर्श और दवाइयां दी गईं। वेस्ट वारियर्स और टेट्रा पैक का उद्देश्य सफाई साथियों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना और उन्हें जागरूक करना है। संस्था ने इस सहयोग के लिए श्री बालाजी अस्पताल और सभी समर्थकों का आभार व्यक्त किया।

देहरा पुलिस ने चार तस्कर किए गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, देहरा। मुख्यमंत्री के नशा-मुक्त हिमाचल अभियान के तहत देहरा पुलिस ने चार आदतन नशा तस्करों को एनडीपीएस के तहत गिरफ्तार कर जिला कारागार धर्मशाला में तीन महीने के लिए बंद किया। यह कार्रवाई महीनों की खुफिया जानकारी और गहन जांच के बाद की गई। आरोपी अंतर-जिला और अंतर-राज्य नशा सप्लाई में सक्रिय थे। पुलिस ने नशा तस्करी पर जीरो टॉलरेंस की नीति दोहराई और जनता से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की।

महादेव जन कल्याण ट्रस्ट की 37वीं बैठक आयोजित

अनंत ज्ञान, परागपुर। बणी के शिव मंदिर में महादेव जन कल्याण ट्रस्ट गरली की 37वीं त्रैमासिक बैठक हुई। बैठक में निराश्रित महिलाओं को पेंशन और दैनिक उपयोगी सामान वितरित किया गया। ट्रस्ट हर तीसरे महीने के पहले रविवार को लगभग 45 महिलाओं को सहायता प्रदान करता है। रिटायर्ड उपायुक्त मदन लाल शर्मा, हेमराज शर्मा, सेवानिवृत्त अधिकारी एवं अन्य सदस्यों ने इस नेक कार्य में योगदान दिया। सभी ने कहा कि यह सेवा समाज के लिए गर्व का अवसर है और इसे सहयोग देने वाले दानी सज्जनों का आभार व्यक्त किया।

पृथी करोटी गद्दी कल्याण बोर्ड के सदस्य मनोनीत

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। प्रदेश सरकार ने हाल ही में पृथी करोटी को गद्दी कल्याण बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया है। इस बारे में बाकायदा अधिसूचना जारी कर दी गई है। करोटी ने उन्हें सदस्य मनोनीत करने पर स्थानीय विधायक किशोरी लाल और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार जताया है। वह कुछ वर्ष पहले ही हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग से बतौर सब इंस्पेक्टर सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह समुदाय के हितों के रक्षा करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

जयपुर की नेवल ऑफिसर बनी सकोह की बहू

नरेंद्र डोगरा, अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर। जयसिंहपुर के सकोह गांव के लिए गर्व का अवसर है कि जयपुर की नेवल ऑफिसर प्रेरणा शर्मा अब गांव की बहू बनकर आई हैं। 3 व 4 दिसंबर को हिमाचली और राजस्थानी परंपराओं के अनुसार संपन्न विवाह में सकोह के ऋषि डोगरा और प्रेरणा शर्मा ने जीवनसाथी के रूप में प्रवेश किया। ऋषि लुफ्थांजा एयरवेज में अधिकारी हैं, जबकि प्रेरणा नेवल हेडक्वार्टर दिल्ली में तैनात हैं। दोनों परिवार सैन्य और सरकारी सेवाओं से जुड़े रहे हैं। ऋषि ने कहा कि उनके दिवंगत दादा इस रिश्ते से अत्यंत प्रसन्न होते।

विधायक कमलेश ने चनौर पंचायत में सुनी जनसमस्याएं

अनंत ज्ञान, देहरा

विधायक कमलेश ठाकुर नेचनौर पंचायत में आयोजित 'विधायक आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्राम स्तर पर सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

इस दौरान विधायक ने लक्ष्मी नारायण मंदिर ठाकुरद्वारा चनौर में टाइल लगाने के लिए 2 लाख, वेटरनरी डिस्पेंसरी निर्माण के लिए चार लाख व बेहड से थेडू रास्ते के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कुराल बेहड क्षेत्र में श्मशानघाट की समस्या को प्राथमिकता से हल करने का आश्वासन दिया।

साथ ही बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के अपग्रेडेशन के लिए भी आवश्यक कदम उठाने की बात कही। विधायक ने जल शक्ति विभाग को गुलेरिया बस्ती में पेयजल टैंक निर्माण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे से संबंधित किसी भी सूचना को साझा करने के लिए सरकार द्वारा 112 आपातकालीन नंबर आरंभ किया गया है।

भारत–दक्षिण अफ्रीका टी–20 मैच को एचपीटीडीसी तैयार

पिछले वर्ष से अधिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने का होगा प्रयास

राजेश कुमार, अनंत ज्ञान ब्यूरो

धर्मशाला। इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 14 दिसंबर को खेले जाने वाले भारत–दक्षिण अफ्रीका टी–20 को एचपीटीडीसी ने तैयारी कर ली है। निगम प्रबंधन का दावा है कि निगम होटलों में पिछले वर्ष से भी बेहतर सुविधाएं पर्यटकों को उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाएगा। यही नहीं निगम प्रबंधन का कहना है कि मैच के बाद क्रिसमस और फिर न्यू ईयर से दिसंबर माह में धर्मशाला में टूरिज्म को निश्चित तौर पर बूस्ट मिलेगा।

गौरतलब है कि धर्मशाला स्टेडियम में क्रिकेट मैच के दौरान देश–विदेश के क्रिकेट प्रेमी मैच देखने धर्मशाला पहुंचते हैं, जिसकी वजह से पर्यटन निगम के साथ निजी होटलों में कारोबार में इजाफा होता है। यही नहीं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों को भी मैच जैसे आयोजनों का लाभ मिलता है।

मैचों से मिलती है टूरिज्म को प्रमोशन

एचपीटीडीसी के एमडी डॉ. राजीव कुमार का कहना है कि शहर के लिए खुशी की बात है कि क्रिकेट के बड़े आयोजन यहां होते हैं। आईपीएल सहित क्रिकेट के इंटरनेशनल लेवल के मैच धर्मशाला में होते हैं। धर्मशाला स्टेडियम, विश्व के खूबसूरत स्टेडियमों में शुमार है। धर्मशाला में क्रिकेट आयोजन से धर्मशाला सहित जिला में पर्यटन निगम सहित निजी होटलों को प्रमोशन मिलती है और कारोबार में वृद्धि होती है। 14 दिसंबर को होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका टी-20 मैच के लिए एचपीटीडीसी पूरी तरह से तैयार है। निगम के होटलों में जिस तरह की सुविधाएं मैच के दौरान पर्यटकों को उपलब्ध करवाई गई थी, इस बार प्रयास रहेगा कि उससे भी बेहतर सुविधाएं पर्यटकों को उपलब्ध करवाई जाएं।

क्रिसमस, न्यू ईयर पर फुल होती है बुकिंग: डॉ. राजीव कुमार ने बताया कि क्रिसमस और न्यू ईयर के दौरान निगम के होटलों व निजी होटलों में बुकिंग फुल रहती है तथा कई पर्यटकों को कमरे तक नहीं मिल पाते। दिसंबर का पूरा महीना एक तरह से धर्मशाला के लिए पूरी तरह से कारोबार की दृष्टि से अच्छा रहने वाला है। टी–20 मैच के बाद क्रिसमस और फिर न्यू ईयर से निश्चित तौर पर धर्मशाला के टूरिज्म को बूस्ट मिलेगा।

एचपीसीए ने सीएम, राज्यपाल चीफ जस्टिस को भेजा निमंत्रण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में 14 दिसंबर को होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका टी-20 मैच के लिए एचपीसीए ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल और चीफ जस्टिस को आधिकारिक निमंत्रण भेजा है। एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने कहा कि इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले की मेजबानी गर्व की बात है और शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा।

शाहपुर में दो सगे भाइयों से किया 9.44 ग्राम चिट्टा बरामद

कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर। पुलिस की विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दो सगे भाइयों को 9.44 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) सहित रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसपी कांगड़ा अशोक रत्न ने बताया कि पुलिस की विशेष टीम कांगड़ा क्षेत्र में नियमित गश्त पर थी, इसी दौरान सूचना मिली कि दो युवक मोटरसाइकिल केटीएम (नंबर एचपी–40एफ–2643) पर सवार होकर छड़ोल (हरचक्कियां) के पास नशे का अवैध कारोबार कर रहे हैं। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी और 24 वर्षीय अभिषेक व 29 वर्षीय विक्रम मसिहा निवासी गांव व डाकघर सलोल को काबू कर लिया। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से कुल 9.44 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया गया। पुलिस थाना शाहपुर में मामला दर्ज कर गहन जांच जारी है। आरोपियों को गिरफ्तार कर सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही हैं।

सालगिरह मुबारक

घालुवाल (ऊना) के सुशांत पुरी और रतिका पुरी को शादी की सालगिरह पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

जयसिंहपुर के परवीन मिश्रा और सविता मिश्रा को शादी की 22वीं सालगिरह पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

एक करोड़ की ठगी का आरोपी दिल्ली से दबोचा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

एक करोड़ की ठगी के आरोपी को साइबर टीम ने दिल्ली से दबोचा है। आरोपी ने रिटायर्ड बैंक अधिकारी को ठगी का शिकार बनाया था। सितंबर माह में जिला मुख्यालय धर्मशाला में एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी से ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर एक करोड़ की ठगी के मामले में साइबर थाना नॉर्थ जोन धर्मशाला की टीम ने आरोपी को नई दिल्ली से पकड़ा है। आरोपी से मौके पर 6 लाख रुपए भी रिकवर किए गए हैं और उसे नोटिस जारी किया गया है।

रिटायर्ड बैंक अधिकारी को बनाया था ठगी का शिकार

साइबर थाना नॉर्थ जोन धर्मशाला के एएसपी प्रवीण धीमान ने बताया कि मामले से संबंधित क्षेत्र से तार जुड़ने के बाद इंस्पेक्टर कमलेश टीम की अगुवाई में शातिरों की तलाश को एक टीम नई दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। जहां तलाश के बाद टीम ने मामले से जुड़े आरोपी अरविंद्र को नई दिल्ली के खेरा कलां नामक स्थान से गिरफ्तार किया और मौके पर नगदी भी रिकवर की। गौरतलब है कि सितंबर माह में जिला मुख्यालय धर्मशाला में एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी से ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर एक करोड़ की ठगी का मामला सामने आया था। इसके तहत शातिरों ने अधिकारी को दोगुने मुनाफे का झांसा देकर एक ट्रेडिंग प्लेटफार्म से जोड़ लिया था। इस पर उन्होंने एक लाख रुपए से ही प्लेटफार्म पर ट्रेडिंग की शुरुआत की, जिसकी एवज में उन्हें डेढ़ लाख रुपए की राशि दिखाई दी। अधिकारी ने दिखाई राशि वापस नहीं निकाली, बल्कि 15 ट्रांजेक्शन के माध्यम से एक करोड़ रुपए निवेश कर दिए। जब अधिकारी ने राशि निकालने की बात की तो शातिरों ने 25 लाख रुपए टैक्स भरने को कहा। अधिकारी ने उनके ट्रेडिंग खाते में मौजूद पैसों से टैक्स राशि काटने के लिए कहा, जिस पर शातिरों ने मना कर दिया था। इस पर उन्हें ठगी का अहसास हुआ और उन्होंनें साइबर थाना में इसकी शिकायत दर्ज करवाई थी। इसके बाद इसकी जांच करते हुए साइबर थाना की टीम ने मामले से जुड़े आरोपी को धरने में सफलता हासिल की है।

प्रो. मनोज दूसरी बार यूजीसी राष्ट्रीय स्थायी समिति के सदस्य नामित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा स्कूल के वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार सक्सेना को पुन: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की राष्ट्रीय स्थायी समिति का सदस्य नामित किया गया है। इससे पहले भी वह समिति के सदस्य रह चुके हैं और लगातार दूसरी बार इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए चुने गए हैं। कुपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। यूजीसी की राष्ट्रीय स्थायी समिति केंद्र विश्वविद्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों का मूल्यांकन करती है, जिसमें नए विभागों/केंद्रों की स्थापना, शैक्षणिक व प्रशासनिक पदों का सृजन जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। देशभर से केवल आठ विद्वानों को इस समिति में स्थान मिलता है, जिनमें प्रो. सक्सेना को पुन: चुना गया है। साथ ही जेएनयू की डॉ. वंदना मिश्रा को भी फिर से नामित किया गया है।

कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार में देरी व सीयू की राह में कांग्रेस सरकार ही रोड़ा: जयराम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार को घेरते हुए कहा कि तीन वर्ष पूरे होने को है और अभी तक कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार को मौजूदा सरकार धरातल पर नहीं उतार पाई है। इनकी लेटलतीफी से न केवल हवाई अड्डा विस्तार में देरी हुई है, बल्कि यही हाल सेंट्रल यूनिवर्सिटी का हुआ है, जिसकी राह में कांग्रेस सरकार ही रोड़ा बनी हुई है। इतना समय निकल चुका है, लेकिन मात्र 30 करोड़ रुपए भी राज्य सरकार जारी नहीं कर रही है। रविवार को धर्मशाला से जारी बयान में जयराम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की इस सरकार को विकास कार्य लटकाने और लोगों का ध्यान भटकाने में ही महारत हासिल है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुक्खू की लोकप्रियता की हवा तो कांगड़ा में विधानसभा सत्र के दौरान ही निकल गई, जब जनता उनसे मिलने ही नहीं आई। मजबूरन मुख्यमंत्री को सुबह सैर के बहाने स्कूलों के आसपास चक्कर काटने पड़े। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इतना लंबा शीतकालीन सत्र धर्मशाला में हुआ, लेकिन बाबजूद इसके जनता मुख्यमंत्री के पास आखिर क्यों नहीं पहुंची। इस पर उन्हें मंथन अवश्य करना चाहिए। हमारा दावा है कि जनता को उनके रवैये और काम करने के तरीके से ही नाराजगी है। आज से पहले कभी ऐसा नहीं हुआ कि मुख्यमंत्री इतने दिन कांगड़ा प्रवास पर रहे हो और जनता ने इतनी दूरी बना ली हो।

सीएम यहां एक भी प्रोजेक्ट की नहीं रख पाए आधारशिला

मुख्यमंत्री ने अभी तक एक भी प्रोजेक्ट की आधारशिला यहां नहीं रखी है जो दर्शाता है कि इनकी कथनी और करनी में कितना अंतर है। कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार इस क्षेत्र के पर्यटन को एक नया आयाम देगा, जिससे यह राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में उभरेगा, लेकिन कांग्रेस सरकार की लेटलतीफी और विकास कार्यों को लेकर अनदेखी से ये सपना धूमिल होता दिखाई दे रहा है। कांग्रेस सरकार मात्र मंचों से कांगड़ा को पर्यटन राजधानी का नाम दे रही है, जबकि हमने कांगड़ा में इन्वेस्टर मीट करवाकर निवेश की राजधानी बनाया। उन्होंने कहा कि हमारे सांसद मजबूती के साथ यहां के मुद्दों को केंद्र में उठा रहे हैं और आने वाले समय में बहुत सारे प्रोजेक्टस केंद्र सरकार के माध्यम से यहां धरातल पर उतरेंगे, लेकिन इस सुक्खू सरकार से इन बड़े प्रोजेक्ट को लेकर उम्मीद करना ही बेकार है, जिन्होंने सत्ता में आते ही 2000 चले हुए संस्थान बंद करवा दिए और विकास कार्यों पर विराम लगा दिया।

डीएफएस को एक्सीलेंस अवार्ड्स में मिली नेशनल फाइनालिस्ट के रूप में मान्यता

नई दिल्ली में आयोजित एनुअल इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी समिट में पुरस्कार मिला।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

डायरेक्टरेट ऑफ फोरेंसिक सर्विसेज (डीएफएस), हिमाचल प्रदेश को प्रतिष्ठित डीएससीआई (डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया) एक्सीलेंस अवार्ड्स 2025 में बेस्ट कैपेसिटी बिल्डिंग इन डिजिटल फोरेंसिक्स–सरकारी संस्था श्रेणी के लिए राष्ट्रीय अंतिम चयन (नेशनल फाइनालिस्ट) के रूप में मान्यता मिली है।

यह पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित एआईएसएस (एनुअल इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी समिट) 2025 के दौरान नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनिज द्वारा प्रदान किया गया। यह पुरस्कार डॉ. मीनाक्षी महाजन, निदेशक, डायरेक्टरेट ऑफ फोरेंसिक सर्विसेज, हिमाचल प्रदेश ने प्राप्त किया। देशभर की लगभग 60 फोरेंसिक संस्थाओं ने इस कठोर राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रक्रिया में भाग लिया। अंतिम परिणामों में, एनएफएसयू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सीएफएसल पुणे और डायरेक्टरेट ऑफ फोरेंसिक सर्विसेज, हिमाचल प्रदेश को राष्ट्रीय फाइनलिस्ट घोषित किया गया। यह उपलब्धि डीएफएस हिमाचल के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है, जो इसे देश की शीर्ष राज्य स्तरीय फोरेंसिक प्रयोगशाला प्रणालियों में अग्रणी स्थान पर स्थापित करती है और डिजिटल फोरेंसिक क्षमता निर्माण में इसके तीव्र विकास को दर्शाती है। डीएफएसहिमाचल की मजबूती इसके सुदृढ़ गुणवत्ता मानकों में निहित है।

विकास और मीनाक्षी बने सर्वश्रेष्ठ एथलीट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। रिड़कमार कॉलेज में आयोजित चौथी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हो गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. युवराज सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय चंबा के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. एम.एल. शर्मा उपस्थित रहे। स्पोर्ट्स इंचार्ज प्रो. भूपेंद्र सिंह ने खिलाड़ियों को निष्पक्ष खेल की शपथ दिलाई। लंबीकूद में लड़कों में राजीव तीसरे स्थान पर रहे, जबकि लड़कियों में अवंतिका, शबनम और अंशिका क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहीं। शॉटपुट में विकास, निखिल और रोहित ने लड़कों में शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। वहीं लड़कियों में अनु, सिमरन और मीनाक्षी विजेता रहीं। ऊंची कूद में मनोज, निखिल और राजीव ने लड़कों में बाजी मारी और लड़कियों में मीनाक्षी, पायल तथा सिमरन ने क्रमश: स्थान प्राप्त किए। 100 मीटर दौड़ में मनोज और मीनाक्षी ने पहला स्थान हासिल किया। रस्साकशी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। सर्वश्रेष्ठ एथलीट का खिताब लड़कों में विकास और लड़कियों में मीनाक्षी को मिला।

शिव मंदिर बैजनाथ में भक्तों की श्रद्धा के साथ हो रहा खिलवाड़

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान

बैजनाथ। शिव मंदिर बैजनाथ में लोगों की श्रद्धा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। मंदिर में लोग सुबह–सुबह यहां विराजमान शिव–पार्वती के अर्धनारीश्वर रूप में दूध और जल अर्पित करते हैं, ताकि सुख–समृद्धि तथा भोले शंकर की कृपा दृष्टि उन पर बनी रहे। इस जल और दूध को जलहरी में अर्पित करने के बाद इसे आंखों में औषधि की तरह लगते हैं और घर की सुख–शांति के लिए साथ में ले जाते हैं। जिस जल और दूध को लोग श्रद्धा के साथ शिवलिंग पर अर्पित करते हैं, उसे दूध में आजकल राह चलते लोगों के पांव लग रहे हैं।

गर्भ गृह के अंदर शिवलिंग में चढ़ने वाले दूध में राह चलते लोगों के लग रहे हैं पांव।

जहां से शिवलिंग पर चढ़ाए हुए इस दूध और जल की निकासी होती है, वहां पर कोई भी उचित व्यवस्था न होने की वजह से यह मंदिर के साथ लगते पुरातत्व विभाग के अधीन आने वाले पार्क में बिखर कर रह जा रहा है। यहां पर आने जाने वाला हर राहगीर इस पवित्र दूध के ऊपर पांव रख कर जा रहे हैं। मंदिर ट्रस्ट के करोड़ों रुपए बैंक में पड़े हुए हैं, पर पुरातत्व विभाग के अधीन आने की वजह से स्थानीय मंदिर ट्रस्ट यहां पर किसी भी प्रकार का कार्य नहीं करवा सकता। जहां तक पुरातत्व विभाग का प्रश्न है, उनकी मंजूरी मिलने के लिए तो समयसीमा हर किसी की समझ से ही परे हैं। वहीं, मंदिर परिसर में सालों पुरानी मूर्तियों की भी दुर्दशा का आलम इस कदर है कि कई मूर्तियां रखरखाव के अभाव के चलते खंडित हो चुकी हैं। मंदिर ट्रस्टी रमेश चड्ढा तथा मुकेश शर्मा ने कहा कि उनके ध्यान में यह मामला आया है, जल्द ही पाइप डालकर इस समस्या का हल कर दिया जाएगा।

करोड़ों की विकास परियोजनाओं से बदल रहा जवाली विस क्षेत्र का स्वरूप: चंद्र

अनंत ज्ञान, ज्वाली। कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने जवाली रेस्ट हाउस पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। कृषि मंत्री ने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनसमस्याओं के त्वरित और स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि आम जनता को प्रशासनिक कार्यों के लिए भटकना न पड़े, बल्कि अधिकारी स्वयं लोगों के बीच जाकर उनकी शिकायतें सुनें और उनका समाधान करें। उन्होंने कहा कहा करोड़ों रुपए की विकास परियोजनाओं से ज्वाली विधानसभा क्षेत्र का स्वरूप बदल रहा है। क्षेत्र का वास्तविक विकास हमेशा कांग्रेस सरकारों में हुआ है और वर्तमान सरकार इस विकास यात्रा को और गति देने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि मंत्री ने बताया कि ज्वाली विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार तेजी से कार्य कर रही है। गज्ज खड्ड पर 87 करोड़ रुपए की लागत से पुल का निर्माण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह पुल क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों में अभूतपूर्व बढ़ोतरी लाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए 5.36 करोड़ रुपए की लागत से नगरोटा सूरियां अस्पताल तथा जवाली सिविल अस्पताल में 6.42 करोड़ रुपए की लागत से 50 बिस्तरों के अतिरिक्त ब्लॉक का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बेहतर परिवहन सुविधा के लिए सड़कों के चौड़ीकरण और सुधारीकरण पर करोड़ों रुपए व्यय किए जा रहे हैं। जवाली शहरी क्षेत्र में 24 घंटे पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अमृत–2 योजना के तहत 15.50 करोड़ रुपए की लागत से ट्यूबवेल, स्टोरेज टैंक व पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी पर है। वहीं, नगरोटा सूरियां में 34 करोड़ रुपए की लागत से सीवरेज प्रणाली का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

नशा कारोबार व अवैध गतिविधियों पर रखें कड़ी निगरानी: कुलभूषण

पुलिस जिला नूरपुर में अपराध नियंत्रण समीक्षा बैठक आयोजित

अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान

इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर में एसपी कुलभूषण वर्मा की अध्यक्षता में अपराध नियंत्रण एवं कानून–व्यवस्था की समीक्षा के लिए मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी पुलिस अधिकारी, थाना और चौकी प्रभारी तथा एसपी कार्यालय के शाखा प्रभारी शामिल हुए। एसपी वर्मा ने सक्रिय अपराधियों, नशा कारोबार और अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

बैठक में महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत करने व साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए के लिए ठोस रणनीति बनाने पर जोर दिया।

बीट पेट्रोलिंग, रात्रि गश्त बढ़ाने, महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत करने तथा बढ़ते साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस रणनीति बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही 112 पर आने वाली शिकायतों पर त्वरित और संवेदनशील प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। बैठक में लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे, अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने तथा सीसीटीवी को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया। विशेष रूप से चिट्टा (हेरोइन) की तस्करी और इसके फैलाव पर रोक लगाने के लिए सभी थाना और चौकी स्तर पर कड़े कदम उठाने के आदेश दिए गए। सभी शैक्षणिक संस्थानों में चिट्टा विरोधी जागरूकता अभियान चलाने के भी निर्देश जारी हुए, ताकि युवा वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों से बचाया जा सके। जिला पुलिस ने कानून–व्यवस्था बनाए रखने और जनता के विश्वास को मजबूत करने के लिए सतत और प्रभावी प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराया।

आयुष मंत्री गोमा ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर। धार पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कैलाशपुर में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। इसमें आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने शिक्षा, खेल, कला और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। संबोधन में मंत्री गोमा ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध का आधार है।

उन्होंने छात्रों को नशे (चिट्टा) के दुष्प्रभावों से सचेत करते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। मंत्री ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज को खोखला कर देता है, इसलिए युवा पीढ़ी को इससे दूर रहना होगा। उन्होंने छात्रों से विभिन्न क्षेत्रों–शिक्षा, खेल, विज्ञान, कला और सामाजिक सेवा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन की सराहना करते हुए 31 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोहा। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य सुनील कुमार ने मुख्य अतिथि का स्वागत और सम्मान किया। समारोह के अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रही। स्कूल के अध्यापक, अभिभावक, छात्र और स्थानीय लोग इस दौरान उपस्थित रहे।

न्यूज़ ब्रीफ

रामानुज के दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान

अनंत ज्ञान, बरमाणा। श्री रामानुज संस्कृत महाविद्यालय पंजगाईं में रामानुज की 38वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्री राधा-कृष्ण मंदिर व संस्कृत महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ, भक्ति कीर्तन तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। अखंड रामायण पाठ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ चिंत राम शर्मा, आचार्य प्रवीण कुमार शर्मा तथा संस्कृत महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा संपन्न करवाया गया। इस दौरान हवन-यज्ञ एवं विशेष विधियों के माध्यम से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की गई। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने देर शाम तक भजनों से सभी को बांधे रखा। भंडारे में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद रूपी भोजन ग्रहण कराया गया। सभी ने रामानुज महाराज के आदर्शों, समाज सेवा और धर्म के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए युवाओं से उनके मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

धाली के बच्चों ने जाना रेणुका झील का इतिहास

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। शिमला की कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र की पश्चिमी छोर पर स्थित पीरन पंचायत की मनोरम पहाड़ी धाली पर स्थित राजकीय उच्च पाठशाला धाली के बच्चों को स्कूल प्रबंधन द्वारा रविवार को शैक्षणिक भ्रमण के तहत सिरमौर जिला एवं प्रदेश के ऐतिहासिक एवं रमणीय स्थल रेणुका जी भ्रमण करवाया गया। इस अवसर पर रंग बिरंगे परिधानों में सजे बच्चे सुबह सात बजे शिल्ली से रेणुका जी के लिए रवाना हुए। जब शिक्षकों के साथ बस में खूब मस्ती करते हुए बच्चे जब रेणुका पहुंचे तो उन्होंने रेणुका झील, मंदिर और आसपास के वातारण का अवलोकन किया। इस अवसर पर राजकीय उच्च पाठशाला धाली के मुख्य शिक्षक राकेश वर्मा ने बताया कि भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम की माता रेणुका का इतिहास इस क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। यह हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत झीलों में से एक है। इस दौरान बच्चों ने मिनी चिड़ियाघर का भी दौरा किया तथा वहां पर रह रहे विभिन्न प्रजातियों के जानवरों को दूर से निहारा। बच्चों ने यहां की अद्भुत सौंदर्य की प्रतीक झील में नौकायन भी किया तथा गगनचुंबी पहाड़ियों के साथ जलप्रपात के बारे में जानकारी हासिल की।

वार्षिक एथलेटिक मीट की सभी तैयारियां पूरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के 48वें वार्षिक एथलेटिक मीट के आयोजन की सभी तैयारियों के साथ बिलासपुर महाविद्यालय में खबर लिखे जाने तक 25 टीमें के लगभग 250 खिलाड़ी महाविद्यालय पहुंच चुके हैं। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ पीएस कटवाल ने कहा कि एथलेटिक मीट का आयोजन खेल परिसर लुहणू में किया जाएगा। एथलेटिक मीट 8 से 10 दिसंबर 2025 तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में लगभग 600 एथलीट के भाग लेने की संभावना है जो हिमाचल प्रदेश के 9 ज़िलों के करीब 60 कॉलेजों से आयेंगे। खिलाड़ियों की प्रतिस्पर्धा कई प्रकार की होंगी – जैसे लॉन्ग जंप, हाई जंप, ट्रिपल जंप, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, जेवलिन थ्रो, और विभिन्न दौड़ आदि। महाविद्यालय प्राचार्य ने यह भी कहा कि महाविद्यालय बिलासपुर एथलेटिक मीट को लेकर काफी उत्साहित है और इससे संबंधित महाविद्यालय द्वारा गठित सभी कमेटियाँ अपने- अपने कार्यों में जोरशोर से लगी हैं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन ने खेल परिसर में एथलेटिक मीट से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं। टीमों के खाने और रहने की व्यवस्था महाविद्यालय में की गई है जबकि खेल प्रतियोगिताएँ खेल परिसर लुहणू में आयोजित की जाएगी।

पेंशनरों ने सरकार के खिलाफ जताया रोष

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। पथ परिवहन पेंशनर्स कल्याण संगठन की बिलासपुर इकाई की मासिक बैठक रविवार को घुमारवीं में हुई, जिसमें पेंशनरों ने अपने अधिकारों के लिए सरकार के प्रति कड़ा रोष व्यक्त किया। बैठक की अध्यक्षता इकाई प्रधान नरुतुराम ने की। संगठन महासचिव सरवन कुमार गौतम ने बताया कि पेंशनरों की पेंशन का स्थाई समाधान अब तक नहीं हुआ है और भत्तों का भी भुगतान रुका हुआ है। इसके विरोध स्वरूप सभी पेंशनरों ने काले बिल्ले लगाकर बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार का पेंशनरों के प्रति अन्यायपूर्ण रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सरकार को शीघ्र ही इसके समाधान के लिए कदम उठाने होंगे। पेंशनरों ने सरकार से मांग की है कि पथ परिवहन के स्थाई कर्मचारियों को जो डीए का भुगतान किया गया है, वह पेंशनरों को भी तुरंत जारी किया जाए। साथ ही उच्च न्यायालय के परिचालकों के हक में लिए गए वेतन विषमता दूर करने वाले फैसले को तत्काल लागू किया जाए।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष के चयन को लेकर हलचल तेज

हीना कावरे ने 20 दावेदारों से वन-टू-वन की बात, जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में गतिविधियां बढ़ीं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की पर्यवेक्षक हीना लिखीराम कावरे के बिलासपुर दौरे के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया में तेजी आ गई है। कावरे ने बिलासपुर जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों—सदर, नयना देवी, झंडूता और घुमारवीं—का विस्तृत दौरा कर लगभग बीस दावेदारों से वन-टू-वन बातचीत की है। उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्ष पद के लिए आए सभी नामों की गहन समीक्षा की गई है और हाईकमान को भेजने के लिए छह नामों का पैनल तैयार किया जा रहा है। बातचीत के दौरान कावरे ने सभी दावेदारों से यह महत्वपूर्ण प्रश्न भी पूछा कि यदि उन्हें अध्यक्ष न बनाया जाए तो उनकी नज़र में इस पद के लिए सबसे उपयुक्त कौन हो सकता है। इस सवाल के बाद कई नेताओं ने दूसरा नाम सुझाकर अपने-अपने समर्थन की दिशा भी स्पष्ट कर दी।

सदर विधानसभा की बैठक राजनीतिक रूप से सबसे गर्म रही, जहां पूर्व विधायक बंबर ठाकुर के समर्थकों ने उनके पक्ष में जोरदार नारेबाजी की और पूरे माहौल को अपने समर्थन का रंग देने का प्रयास किया। इसके जवाब में आशीष ठाकुर के समर्थक भी बड़ी संख्या में पहुंचे और उन्होंने भी हीना कावरे के सामने अपनी उपस्थिति को मजबूती से दर्ज कराया। इस शक्ति-प्रदर्शन ने स्पष्ट कर दिया कि सदर विधानसभा क्षेत्र में जिला अध्यक्ष की दौड़ बेहद प्रतिस्पर्धी और गुटीय समीकरणों से भरी हुई है। वहीं, नयना देवी विधानसभा क्षेत्र में स्थिति अपेक्षाकृत संयमित दिखी, लेकिन बातचीत के दौरान विकास ठाकुर का नाम सबसे मजबूत विकल्प के रूप में उभर कर सामने आया। स्थानीय कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उन्हें एक ऐसे उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत किया जो गुटबाज़ी से दूर, स्वीकार्य और संगठनात्मक रूप से सक्रिय है।

उधर, झंडूता विधानसभा क्षेत्र की बैठक बेहद शांतिपूर्ण रही और वहां से विवेक कुमार को जिला अध्यक्ष पद के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है। झंडूता के प्रतिनिधियों ने कावरे के सामने संदेश दिया कि संगठन के लिए ऐसा अध्यक्ष चुना जाना चाहिए जो अनुभव, संयम और सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता रखता हो।

घुमारवीं की बैठक में किसी भी पक्ष की जोरदार नारेबाजी नहीं हुई, लेकिन कई नेताओं ने अपने-अपने सुझाव रखकर यह संकेत दिया कि वे संतुलित और परिपक्व नेतृत्व को प्राथमिकता देना चाहते हैं। हीना कावरे ने सभी बैठकों से मिले फीडबैक, कार्यकर्ताओं की राय और नेताओं से हुई व्यक्तिगत बातचीत के आधार पर रिपोर्ट तैयार कर ली है और जल्द ही इसे कांग्रेस हाईकमान को भेजने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मास्टर सलीम नयना देवी में 16 को देंगे प्रस्तुति

अनंत ज्ञान, श्री नयना देवी। नयना देवी मंदिर न्यास के 40वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर माता नयना देवी जी के भव्य स्टेडियम में रात्रि जागरण का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर पंजाब के प्रसिद्ध गायक मास्टर सलीम और रोशन प्रिंस अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे। यह जानकारी देते हुए मंदिर न्यास के अध्यक्ष एवं एसडीएम धर्मपाल ने बताया कि 16 को मशहूर गायक मास्टर सलीम प्रस्तुति देंगे, जबकि 17 दिसंबर को लोकप्रिय गायक रोशन प्रिंस अपनी भेंटों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

बच्चों की प्रतिभा निखारने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका : राजेश धर्माणी

भराड़ी स्कूल में क्लस्टर स्तरीय वार्षिक समारोह में बतौर मुख्यातिथि की शिरकत

अनंत ज्ञान, भराड़ी/बिलासपुर

नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को निखारने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास को केन्द्रित करते हुए गतिविधि-आधारित अधिगम, रचनात्मक कार्यक्रमों और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण और प्रतिस्पर्धी शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकारी स्कूलों में भी अंग्रेजी माध्यम शिक्षा की शुरुआत की है। राजेश धर्माणी रविवार को पीएम श्री मुख्यमंत्री आदर्श राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भराड़ी में आयोजित क्लस्टर स्तरीय वार्षिक समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस

भराड़ी स्कूल में क्लस्टर स्तरीय वार्षिक समारोह में बच्चों के साथ मंत्री धर्माणी।

समारोह में भराड़ी क्षेत्र के 23 विद्यालयों के लगभग 1100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चे पियर लर्निंग यानी साथियों के साथ मिलकर सीखने की प्रक्रिया से अधिक प्रभावी ढंग से ज्ञान अर्जित करते हैं। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों में प्रश्न करने की स्वाभाविक जिज्ञासा होती है, ऐसे में उनके प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी सीखने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। धर्माणी ने कहा कि क्लस्टर स्तर पर आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों से छोटे स्कूली बच्चों को प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है, जो सामान्य परिस्थितियों में उन्हें आसानी से नहीं मिल पाता। मंच पर आकर गीत, नृत्य, अभिनय, खेलकूद या अन्य गतिविधियों में भाग लेने से उनके अंदर आत्मविश्वास विकसित होता है और वह बिना झिझक स्वयं को अभिव्यक्त करना सीखते हैं। साथ ही कहा कि क्लस्टर स्तरीय कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में मित्रता, सहयोग और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिलता है। विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों के साथ बातचीत और सहभागिता से उनका सामाजिक दायरा भी बढ़ता है। मुख्यातिथि ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार भी वितरित किए।

भराड़ी स्कूल में भी होगा सीबीएसई पाठ्यक्रम

मंत्री ने कहा कि घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में सीबीएसई आधारित 4 स्कूलों को मान्यता प्रदान की जा रही है, जिनमें भराड़ी स्कूल भी शामिल है। इसके अतिरिक्त हटवाड़ में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल स्थापित किया जा रहा है, जिसके लिए विभाग के नाम भूमि हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के इन सभी कदमों से जहां घुमारवीं विस क्षेत्र में शिक्षा गुणवत्ता में निखार आएगा तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी बेहतर शिक्षा हासिल करने के अवसर उपलब्ध होंगे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

कैंपस सिस्टम से शिक्षकों छात्रों का हो रहा नुकसान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिला बिलासपुर का प्रतिनिधिमंडल जिला प्रधान राकेश पटियाल की अध्यक्षता में तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी से लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह घुमारवीं में मिला। इस दौरान संघ ने मंत्री को परिसर प्रणाली (कैंपस सिस्टम) से प्राथमिक शिक्षा व संपूर्ण शिक्षा व्यवस्था को हो रहे नुकसान के संबंध में ज्ञापन सौंपा, जिसे मंत्री द्वारा मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया गया।

मंत्री ने शिक्षकों की मांगों को सीएम तक पहुंचाने का दिया आश्वासन

जिला प्रधान राकेश पटियाल ने मंत्री के समक्ष कहा कि परिसर प्रणाली के कारण प्रदेश के लगभग 22,000 प्राथमिक शिक्षकों और 23,000 सेवानिवृत्त शिक्षकों में भारी रोष है। विभाग द्वारा ऐसे आदेश जारी किए जा रहे हैं जो प्राथमिक शिक्षक विरोधी हैं और शिक्षकों को प्रताड़ित करने वाले सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा मध्याह्न भोजन को सामूहिक रूप से एकत्र करने का अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है, जिससे स्व्हरू वर्कर्स अपनी नौकरी को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। वहीं, पिछले दो वर्षों से छोटे बच्चों की खेलकूद गतिविधियां बंद करने से अभिभावकों में भी गहरा असंतोष है।

मंत्री राजेश धर्माणी ने संघ की सभी बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से वार्ता करेंगे और प्राथमिक शिक्षकों व नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के हितों की पूरी तरह से पैरवी करेंगे। बैठक में संघ के मुख्य संरक्षक यशवंत ठाकुर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजेव शर्मा, महासचिव बाबू लाल भारद्वाज, जिला प्रतिनिधि जोगिंदर सिंह, खूब सिंह ठाकुर, राजीव शांडिल, संतोष ठाकुर, अरुण कुमार, नरेंद्र ठाकुर, दीप शर्मा, मान सिंह सहित लगभग 40 प्राथमिक शिक्षक उपस्थित रहे।

क्षेत्र का विकास शुरू से ही मेरी प्राथमिकता: त्रिलोक

सदर विधायक ने बैरी रजादयां में 5 लाख रुपए की लागत से निर्मित पशु औषधालय का किया लोकार्पण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

सदर विधानसभा क्षेत्र की बैरी रजादयां पंचायत में स्थानीय स्तर के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए अब जगह की तंगी आड़े नहीं आएगी। पंचायत में बनाए गए जंजघर की दूसरी मंजिल का काम पूरा हो गया है। 3 लाख रुपए की लागत से निर्मित दूसरी मंजिल का उद्घाटन रविवार को सदर के विधायक त्रिलोक जम्वाल ने किया। उन्होंने बैरी रजादयां में ही 5 लाख रुपए की लागत से निर्मित पशु औषधालय का लोकार्पण भी किया। बैरी रजादयां पंचायत प्रधान निशा चंदेल समेत कई लोग उनके साथ रहे। अपने

पशु औषधालय का शुभारंभ करते हुए विधायक।

संबोधन में त्रिलोक जमवाल ने कहा कि सदर विधानसभा क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और लोगों की समस्याओं का समाधान शुरू से ही उनकी प्राथमिकता रही है। केंद्र सरकार और भाजपा सांसदों के सहयोग के साथ ही वह विधायक निधि से हर पंचायत में विकास कार्यों को अमलीजामा पहनाने के लिए ईमानदारी से काम कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश की कांग्रेस सरकार को यह रास नहीं आ रहा है। वह न केवल भाजपा विधायकों के विधानसभा क्षेत्रों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है, बल्कि केंद्र के सहयोग से करवाए जा रहे कार्यों में भी रोड़े अटका रही है। कदम-कदम पर वित्तीय संकट का रोना रोने वाली मित्रों की यह सरकार पैसे का जमकर दुरुपयोग कर रही है। भ्रष्टाचार चरम पर है। सरकारी खजाना चहेतों के ऐशोआराम पर लुटाया जा रहा है। अब तो कांग्रेस सरकार ने विधायक क्षेत्रीय विकास निधि पर भी अघोषित रोक लगा दी है। इसके चलते विधायक अपने क्षेत्रों में विकास कार्य करवाने में असमर्थ होने लगे हैं।

त्रिलोक जम्वाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में पंचायती राज संस्थाएं अहम भूमिका निभाती हैं। इन संस्थाओं का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है, लेकिन प्रदेश सरकार उनके चुनाव करवाने से टालमटोल कर रही है। आलम यह है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था के आदेशों को भी दरकिनार किया जा रहा है।

झंडूता में हर रविवार बसों की कमी से लोग परेशान

गोपाल कपिल , अनंत ज्ञान

झंडूता। मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में हर रविवार को बसों की भारी कमी के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोग बताते हैं कि रविवार के दिन एचआरटीसी और निजी बसें या तो नहीं चलतीं या बहुत कम संख्या में चलती हैं, जिससे बाजार आने-जाने, अस्पताल जाने और अन्य जरूरी कामों के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है।

सरकार व परिवहन निगम से रविवार को भी तय रूट पर बसें चलाने की मांग

दिनेश चंदेल ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, 'हर रविवार को बसों की आवाजाही लगभग ठप हो जाती है। इससे आम राहगीरों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को एक जगह से दूसरी जगह जाने में भारी दिक्कत होती है। बसें गरीबों का मुख्य साधन हैं, लेकिन रविवार को यह सुविधा भी छिन जाती है। दिनेश चंदेल ने हिमाचल सरकार और परिवहन विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि एचआरटीसी और निजी बस ऑपरेटरों को सख्त निर्देश दिए जाएं कि रविवार के दिन भी बसें निर्धारित समय पर और पर्याप्त संख्या में चलें, ताकि गरीब तबके को इस परेशानी से निजात मिल सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि त्योहारों और छुट्टी के दिनों में भी यही हाल रहता है, लेकिन रविवार को समस्या सबसे ज्यादा गंभीर हो जाती है। कई लोग मजबूरी में महंगी प्राइवेट टैक्सी का सहारा लेने को विवश हैं, जो उनकी जेब पर भारी पड़ता है। लोगों ने सरकार से अपील की है कि जल्द से जल्द इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए, ताकि रविवार को भी बस सेवा सामान्य दिनों की तरह सुचारु रहे।

25 हजार श्रद्धालु नयना देवी माता के दरबार में नतमस्तक

अनंत ज्ञान, श्री नयना देवी

विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नयना देवी में रविवार की छुट्टी के चलते भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने माता जी के दर्शन किए लगभग 25हजार के करीब श्रद्धालु माता के दरबार में नतमस्तक हुए। हालांकि मंदिर के द्वार सुबह 4 बजे दर्शनार्थ खोल दिए गए थे, लेकिन हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और अन्य राज्यों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। दोपहर की आरती तक श्रद्धालुओं की भीड़ फ्लाइ ओवर को पार कर गई। मंदिर के अंदर एक्स सर्विसमैन फौजियों और मंदिर के बाहर होमगार्ड के जवानों ने भीड़ पर नियंत्रण बनाए रखा और लाइनों में ही श्रद्धालुओं को माता जी के दर्शन करवाएं। माता के निकासी और मुख्य द्वार पर पंजाब की समाजसेवी संस्थाओं के द्वारा चाय-पानी की व्यवस्था भी की गई थी जिसे श्रद्धालुओं ने खूब सराहा

समाजसेवी संस्थाओं ने की चाय-पानी की व्यवस्था

कटवाल ने पेश किया विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड

झंडूता के विधायक ने गेहड़वीं और नेरस बूथ पर टिफिन बैठकों में लोगों को बताए अपने काम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

विधानसभा का शीतकालीन सत्र संपन्न होते ही झंडूता के विधायक जीतराम कटवाल ने आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत संकल्प ग्राम केंद्र पदयात्रा के माध्यम से क्षेत्र का प्रवास फिर से शुरू कर दिया है। रविवार को पदयात्रा के चौथे चरण की शुरुआत ग्राम केंद्र गेहड़वीं से की गई। झंडूता भाजपा मंडल अध्यक्ष रसम सिंह चंदेल की अध्यक्षता में गेहड़वीं व नेरस बूथ पर आयोजित टिफिन बैठकों में जीतराम कटवाल ने लोगों से जहां आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प पूरा करने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया, वहीं क्षेत्र में करवाए गए विकास कार्यों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रस्तुत किया।

कटवाल ने कहा कि टिफिन बैठकें केवल साथ बैठकर भोजन करने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन का महत्वपूर्ण अंग हैं। यह बैठकें ऐसा प्रभावी मंच हैं, जहां बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के साथ ही केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी विस्तार से लोगों तक पहुंचाई जाती है। साथ ही भाजपा का हर कार्यकर्ता विकसित भारत के सपने को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित, आत्मनिर्भर और आधुनिक भारत के विजन में देश चार आधार स्तंभों पर आगे बढ़ रहा है। इसके तहत हर क्षेत्र में स्वदेशी क्षमता के निर्माण, देश को वर्ष 2047 तक विश्व की शीर्ष शक्ति के रूप में स्थापित करने, डिजिटल, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा और स्वास्थ्य में बड़े परिवर्तन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए रिकॉर्ड निवेश जैसे काम जमीनी स्तर पर हो रहे हैं। कटवाल ने कहा कि ग्रामोन्मुखी भारत के संकल्प में गांवों और पिछड़े क्षेत्रों के महत्व को समझते हुए मोदी सरकार ने बजट का रुख और विकास का मुख इन क्षेत्रों की ओर मोड़ा है। झंडूता विधानसभा क्षेत्र में पिछले 8 वर्षों में केंद्र तथा प्रदेश की पूर्व भाजपा सरकार के सहयोग से विकास के नए आयाम स्थापित हुए हैं।

भारत-पाक युद्ध की वर्षगांठ पर 16 को निकाली जाएगी शोभायात्रा

अनंत ज्ञान, बरठीं

पूर्व सैनिक कल्याण समिति हिमाचल प्रदेश की मासिक बैठक बरठीं में प्रदेशाध्यक्ष कैप्टन अमर नाथ धीमान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 16 दिसंबर को भारत-पाक युद्ध की वर्षगांठ पर वीर बलिदानी मिट्टी को चंगर स्थित वीर बलिदानी स्मारक में शोभायात्रा निकालकर कर स्थापित किया जाएगा। प्रदेशाध्यक्ष कैप्टन अमर नाथ धीमान और चेयरमैन कैप्टन संजय कुमार ने बताया कि पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सूबेदार स्व. प्रकाश चंद की अध्यक्षता में वर्ष 2017-18 में भारत – चीन युद्ध 1962 की वीर बलिदानी मिट्टी, कर्नल प्रणय संधू, कमान अधिकारी 8 डोगरा, भारत-पाक युद्ध 1965 की वीर बलिदानी मिट्टी, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 7 इंफेंट्री डिविजन, भारत पाक युद्ध 1971 की वीर बलिदानी मिट्टी, छंब ज्यौड़ियां, जम्मू-कश्मीर और भारत पाक युद्ध कारगिल 1999 की वीर बलिदानी मिट्टी सूबेदार मेजर सुरजीत सिंह, 12 बटालियन, जम्मू-कश्मीर राइफल से प्राप्त की है। वीर बलिदानी मिट्टी के चारों कलश पूर्व सैनिक कल्याण समिति के बरठीं कार्यालय में रखे हैं।

रणधीर शर्मा ने मंदिर न्यास नयना देवी के जश्न मनाने पर उठाए सवाल

अनंत ज्ञान, नयना देवी

श्री नयना देवी जी मंदिर न्यास 16 और 17 दिसंबर को अपना चालीस वर्ष पूरे होने पर अपना स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। जिस पर विधानसभा क्षेत्र श्री नयना देवी जी के विधायक रणधीर शर्मा ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश इस समय भारी आर्थिक तंगी से गुजर रहा है प्रदेश में प्राकृतिक आपदा से भारी नुकसान हुआ है अभी तक प्रभावितों का पुनर्वास नहीं हो पाया है ऐसे समय में जश्न मनाना वह चाहे प्रदेश सरकार के तीन वर्ष का हो या टेंपल ट्रस्ट के चालीस साल का हो ऐसे जश्न के कार्यकर्म करने की कोई आवश्यकता ही नहीं है ऐसे में जरूरत है। तो आपदा प्रभावितों को राहत पहुंचाने या आमजन के हित की योजनाएं चलाईं जाएं और जन-जन गांव-गांव तक आगे बढ़ाई जाएं, इसलिए ऐसे कार्यक्रमों का कोई भी औचित्य ही नहीं बनता है।

आपदा प्रभावितों का अभी तक नहीं हुआ पुनर्वास क्यों मनाया जा रहा जश्न

रणधीर शर्मा ने कहा कि जब से यह टेंपल ट्रस्ट बना है तब से आज तक कभी इस तरह का कार्यक्रम मनाया नहीं गया है। उन्होंने कहा कि या तो 25 साल के बाद सिल्वर जुबली मनाया जाता है और यह 50 वर्ष के बाद गोल्डन जुबली मनाया जाता है, लेकिन 40 वर्ष का स्थापना दिवस किस लिए मनाया जाता है इसका कोई औचित्य नहीं है सिर्फ मंदिर न्यास के पैसे का दुरुपयोग है।

स्वरोजगार सरकार की राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना युवाओं को दे रही रोजगार की गारंटी

ई-टैक्सी से शंकर और रमेश के सपनों को मिली उड़ान

अरुण डोगरा रीतू, अनंत ज्ञान ब्यूरो

बिलासपुर। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना (ई-टैक्सी) न केवल बेरोजगारी को कम करने में सहायक सिद्ध हो रही है, बल्कि वास्तविक रूप से ग्रामीण क्षेत्रों तक आर्थिक बदलाव का मार्ग प्रशस्त कर रही है। इस योजना ने बिलासपुर के शंकर सिंह और हमीरपुर के रमेश कुमार जैसी सैकड़ों जिंदगियों में स्थायी रोजगार की रोशनी जगाई है।

दोनों लाभार्थियों को उनके इलेक्ट्रिक वाहनों के बदले प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिमाह 59 हजार रुपए की निश्चित आय प्राप्त हो रही है, जिससे उनकी बैंक किश्तें भी समय पर अदा हो रही हैं और प्रत्येक माह 15-20 हजार की अतिरिक्त बचत भी हो रही है। इन दोनों की

राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना (ई-टैक्सी) के लाभार्थी शंकर सिंह और रमेश कुमार।

सफलता यह साबित करती है कि सरकारी योजनाएं यदि पारदर्शिता और संजीदगी के साथ लागू की जाएं तो वह लाभार्थियों के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकती हैं। विशेष रूप से इस योजना में सरकार द्वारा 50 प्रतिशत उपदान, वाहन को सीधे सरकारी विभागों के साथ अटैच करने की सुविधा, और स्थायी आय की गारंटी ने युवाओं में एक नई आशा पैदा की है।

क्या कहते हैं जिला रोजगार अधिकारी?

जिला रोजगार अधिकारी बिलासपुर राजेश मेहता का कहना है कि 'राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना ई-टैक्सी के रूप में प्रदेश की सबसे प्रभावशाली स्वयंरोजगार योजना बनकर उभरी है। अकेले बिलासपुर जिले में अब तक 16 लाभार्थियों को इस योजना के अंतर्गत वाहन उपलब्ध करवाए गए हैं। सरकार द्वारा 50 प्रतिशत सब्सिडी के रूप में लगभग 1 करोड़ 16 लाख 44 हजार 900 रुपए की सहायता दी गई है। सभी 16 इलेक्ट्रिक टैक्सियों को विभिन्न सरकारी कार्यालयों के साथ अटैच कर दिया गया है, जिससे लाभार्थियों को तुरंत और स्थायी आय का स्त्रोत मिल गया है। योजना युवाओं को न केवल आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है, बल्कि उन्हें पर्यावरण के अनुकूल परिवहन व्यवस्था से भी जोड़ रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग से प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण और हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

जिला प्रशासन का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समयबद्ध रूप से पात्र लोगों तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि 'ई-टैक्सी योजना भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इससे युवाओं को पांच वर्षों तक स्थायी रोजगार की गारंटी मिलती है और साथ ही प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है, जो पर्यावरण के लिए एक सकारात्मक कदम है।

-राहुल कुमार, उपायुक्त, जिला बिलासपुर

न्यूज ब्रीफ

पठानिया 8 से भटियात विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर

अनंत ज्ञान, चंबा। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया 8 व 9 दिसंबर को भटियात विधानसभा क्षेत्र के प्रवास पर रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विभागीय प्रवक्ता ने बताया कि कुलदीप सिंह पठानिया 8 दिसंबर को प्रातः 11:30 बजे एसएसआरबी नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान ककीरा के 13वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष 9 दिसंबर को प्रातः 11:30 बजे राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिहुंता के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्यातिथि सम्मिलित होंगे।

मृतका के पति को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत दो लाख का भुगतान

अनंत ज्ञान, धर्मपुर। ग्राम पंचायत भूर की निवासी अमन लता की मृत्यु होने पर उनके पति पाल को हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक मढ़ी शाखा द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत दो लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई। मृतका अमन लता ने ग्रामीण बैंक मढ़ी के माध्यम से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत मात्र बीस रुपये वार्षिक प्रीमियम पर बीमा करवाया था। अमन लता की मृत्यु 16 अगस्त को गिरने के कारण हुई थी। बीमा राशि प्रदान करते समय शाखा प्रबंधक रुपेन्द्र सिंह, सहायक प्रबंधक अमन कौशल, बैंक कर्मचारी तथा मृतका के परिजन उपस्थित रहे। सहायक प्रबंधक अमन कौशल ने सभी खाताधारकों से आग्रह किया कि वे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (वार्षिक किस्त मात्र चार सौ छत्तीस रुपये) तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (वार्षिक किस्त मात्र बीस रुपये) अवश्य करवाएं, ताकि किसी भी अनहोनी की स्थिति में आश्रितों को आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके।

एसएफआई ने एबीवीपी छात्रा के वीडियो पर उठाए सवाल, जनसहयोग पर विवाद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो में एबीवीपी से जुड़ी एक युवती छात्र सम्मेलन के लिए जनसहयोग एकत्र कर रहे कार्यकर्ताओं से सवाल पूछती दिखाई देती है। बातचीत को सामान्य दिखाने की कोशिश के बावजूद उसका तिरस्कारपूर्ण लहजा इस बात की ओर इशारा करता है कि इसका उद्देश्य संवाद नहीं, बल्कि छात्र संगठनों को बदनाम करना था। एसएफआई ने इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जनसहयोग जनता और छात्रों के बीच लोकतांत्रिक साझेदारी है, जिसे भीख बताना न केवल भ्रामक है, बल्कि उन संघर्षों का अपमान भी है जो सार्वजनिक शिक्षा, फीस कटौती और समान अवसरों के लिए वर्षों से चल रहे हैं।
एसएफआई ने यह भी सवाल उठाया है कि जनसहयोग को निशाना बनाने वाले लोग कॉरपोरेट घरानों से मिलने वाले करोड़ों रुपए के राजनीतिक चंदों पर पूरी तरह मौन क्यों रहते हैं। संगठन का कहना है कि उद्योगपतियों को दी जाने वाली नीतिगत रियायतों और उसके बाद होने वाली फंडिंग पर प्रश्न नहीं उठाना राजनीतिक पक्षधरता को दर्शाता है। लोकतंत्र का भविष्य विश्वविद्यालय परिसरों में ही आकार ले रहा है, जहां जनता से सहयोग लेकर मुद्दों की लड़ाई लड़ने वाले छात्रों और कैमरे के सामने अभिनय करके चर्चा बटोरने की कोशिश करने वालों के बीच फर्क साफ दिखाई देता है।

सलूणी कॉलेज की उपेक्षा पर विधायक डीएस ठाकुर सख्त

सीएम और शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर खाली पद भरने की मांग की

अनंत ज्ञान, चंबा

राजकीय महाविद्यालय सलूणी (जीडीसी सलूणी) में लगातार बढ़ रही शैक्षणिक व प्रशासनिक समस्याओं को लेकर डलहौजी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डीएस ठाकुर ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के सीएम एवं शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर को एक विस्तृत मांग-पत्र भेजकर कॉलेज की स्थिति सुधारने हेतु त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। इस मौके पर राजकीय महाविद्यालय सलूणी के पीटीए अध्यक्ष दिनेश राणा, मुख्य सलाहकार मदन ठाकुर एवं योग सिंह गौतम भी मौजूद थे,
विधायक ने बताया कि महाविद्यालय में शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के अनेक पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं, जिसके कारण छात्रों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने विशेष रूप से भूगोल, संगीत (I), अंग्रेजी, तथा सुपरिंटेंडेंट ग्रेड-II, सीनियर असिस्टेंट, क्लर्क, स्टोरकीपर, स्वीपर, लाइब्रेरियन, असिस्टेंट लाइब्रेरियन, लाइब्रेरी अटेंडेंट और रेस्टोरर जैसे महत्वपूर्ण पदों को तत्काल भरने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि समय-समय पर कॉलेज से सोशियोलॉजी, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, टूरिज्म, म्यूजिक (V), जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन जैसे विषय हटाए या स्थानांतरित कर दिए गए, जिससे छात्रों को सीमित विषय विकल्पों में पढ़ाई करनी पड़ रही है। विधायक ने इन विषयों को पुनः प्रारंभ करने की सिफारिश करते हुए इसे छात्रों के हित में अत्यंत आवश्यक बताया।
उन्होंने सीएम एवं शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया है कि वे इन मुद्दों पर संज्ञान लेकर संबंधित विभागों को उचित दिशा-निर्देश जारी करें, ताकि सलूणी के दूरदराज क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके। इस पत्र के बाद स्थानीय लोगों और छात्रों में उम्मीद जगी है कि लंबे समय से लंबित मांगों का समाधान शीघ्र होगा।

पांगी में विकास समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य-पोषण पर बड़ा फोकस

अनंत ज्ञान, पांगी

बीडीओ ने दिए कड़े निर्देश, डेटा सुधार और फील्ड समन्वय को बनाया प्राथमिकता

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के तहत रविवार को ब्लॉक विकास कार्यालय पांगी में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ पांगी ने की, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं मैदानी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, अवसंरचना और आजीविका से जुड़े प्रमुख प्रदर्शन सूचकांक की विस्तृत समीक्षा की गई।
बैठक के दौरान पोषण क्षेत्र को विशेष रूप से चिन्हित किया गया, जहां मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़े कुछ संकेतकों में और अधिक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया। बीडीओ ने इस संबंध में मैदानी स्तर पर समन्वय मजबूत करने और नियमित फॉलोअप की हिदायत दी।
बैठक में मास्टर डेटा में डुप्लिकेट प्रविष्टियों का मुद्दा भी गंभीरता से उठाया गया, जो नेटवर्क संबंधी तकनीकी समस्याओं के कारण सामने आए हैं। बीडीओ ने सीडीपीओ को निर्देश दिए कि राज्य या जिला स्तर पर हुई सभी दोहराव वाली प्रविष्टियों की तुरंत पहचान कर उन्हें हटाया जाए, ताकि डेटा की शुद्धता और निगरानी की प्रक्रिया सुदृढ़ हो सके। सभी विभागों को आपसी समन्वय बढ़ाने, समयबद्ध डेटा प्रविष्टि सुनिश्चित करने और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। बीडीओ ने स्पष्ट किया कि प्राथमिकता आधारित संकेतकों पर त्वरित और प्रभावी फील्ड हस्तक्षेप किए जाएं।
बैठक का समापन सभी अधिकारियों द्वारा पांगी ब्लॉक के समग्र विकास के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने के आश्वासन के साथ हुआ।

बयानबाजी नहीं, खुले मंच पर बहस से सच आएगा सामने : मनीष सरीन

अनंत ज्ञान, डलहौजी

विधानसभा क्षेत्र में विकास, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं को लेकर जारी राजनीतिक बयानबाजी के बीच कांग्रेस कार्यकर्ता मनीष सरीन ने स्पष्ट कहा है कि डलहौजी की जनता आरोपों या भ्रम की राजनीति नहीं, बल्कि तथ्यों पर आधारित चर्चा चाहती है।
भाजपा विधायक के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए सरीन ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदारी के साथ बोलना चाहिए और जनता को वास्तविक स्थिति बताना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, सड़क संपर्क, पेयजल और शिक्षा से जुड़े मुद्दे आज भी गंभीर चुनौती बने हुए हैं, जिन्हें बयानबाजी के सहारे नहीं छिपाया जा सकता। सरीन ने आरोप लगाया कि विधायक सदन में मौजूद रहते हुए भी क्षेत्रीय मुद्दों पर बोलने के बजाय प्रश्न लगाकर जिम्मेदारी से बचते दिखते हैं। उन्होंने कहा कि जनता को जानना चाहिए कि पिछले सत्रों में किए गए दावों का वास्तविक लाभ उन्हें मिला या नहीं।
सरीन ने भाजपा विधायक डीएस ठाकुर को खुले, सम्मानजनक और तथ्यों पर आधारित बहस का निमंत्रण दिया कि वे समय, तारीख और स्थान तय करें, मैं जनता के बीच बैठकर हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार हूं। उन्होंने कहा कि यह पहल राजनीतिक संघर्ष नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में उठाया गया कदम है। 'डलहौजी संवाद और प्रगति की राजनीति का प्रतीक रहा है। बहस मर्यादित, परिपक्व और जनता के हित पर केंद्रित होनी चाहिए,' उन्होंने कहा।

सरोआ में एक दिवसीय उपभोक्ता शिविर संपन्न

अनंत ज्ञान, पंडोह। जिला उपभोक्ता फोरम मंडी द्वारा ग्राम पंचायत सरोआ में एकदिवसीय उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला उपभोक्ता फोर्म के अध्यक्ष जस्टिस पुरेंद्र वैद्य द्वारा की गई। शिविर का शुभारंभ सरोआ पंचायत प्रधान पुरन चंद द्वारा स्वागत भाषण के साथ किया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि हमारी पंचायत में कानूनी जागरूकता की बहुत ज्यादा जरूरत है। इसलिए हमने जिला उपभोक्ता फोरम से इस शिविर के आयोजन का आग्रह किया था। इस अवसर पर अतिथि देवो भव परंपरा का निर्वहन करते हैं।
पंचायत प्रधान पूरन चंद ने वैद्य और उपस्थित अधिवक्ताओं को टोपी पहनाकर सम्मानित किया, जबकि पुर्व बीबीसी सदस्य लाल मन ने भी जस्टिस को शॉल-टोपी पहनाकर सम्मानित किया। उपप्रधान तादी देश राज वर्मा, प्रधान ग्राम पंचायत अणाह तारा चंद को जस्टिस ने सम्मानित किया गया।

चंबा में सेवा भारती ने शुरू किया सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र

अनंत ज्ञान, चंबा

सेवा भारती हिमाचल प्रदेश इकाई चंबा ने नगर चंबा में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया है। यह केंद्र छह माह की अवधि का प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिसका संचालन लता कुमारी, मोहल्ला चमेशनी द्वारा किया जाएगा। सेवा भारती चंबा के प्रधान संदीप कुमार ने बताया कि इस प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से महिलाओं और युवतियों को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया गया है, जिससे वे स्वावलंबन की ओर कदम बढ़ा सकेंगी। उन्होंने कहा कि आज की परिस्थितियों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऐसे कौशल विकास कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं।
प्रशिक्षण केंद्र का औपचारिक शुभारंभ नगर संघ चालक सुरेंद्र महाजन द्वारा भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद सेवा भारती चंबा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव महाजन ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।
कार्यक्रम में सेवा भारती के मुख्य संरक्षक मोहन लाल, सदस्य विरोक्त शर्मा, विशाल गुप्ता और बोधराज भी उपस्थित रहे। यह कदम चम्बा जिले में महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास की दिशा में एक मजबूत पहल के रूप में देखा जा रहा है।

डलहौजी पुलिस ने नशा माफिया के वांछित आरोपी को धर दबोचा

अनंत ज्ञान, डलहौजी

पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पीआईटी एनडीपीएस एक्ट 1988 के तहत वांछित अविनाश कुमार उर्फ परमाणु को पुलिस चौकी बनीखेत की टीम ने 7 दिसंबर 2025 की मध्यरात्रि को जीरो प्वॉइंट गोली क्षेत्र से गिरफ्तार किया।
जानकारी के अनुसार, थाना देहरा से 6 दिसंबर को सूचना मिली थी कि आरोपी की तलाश जारी है। डीएसपी डलहौजी मयंक शर्मा के निर्देश पर बनीखेत टीम ने तुरंत सघन दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी को आगामी कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस थाना देहरा के हवाले कर दिया गया। डीएसपी ने इस कार्रवाई की पुष्टि की और बताया कि यह गिरफ्तारी नशे के सौदागरों के खिलाफ अभियान को और मजबूती देती है। पुलिस की सतर्कता से क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर जनता का भरोसा बढ़ा है।

सप्त शक्ति संगम में महिलाओं ने बिखेरी प्रेरणा की रोशनी

अनंत ज्ञान, जोगिंदरनगर

सामूहिक चित्र में महिलाएं।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर उच्च विद्यालय एवं बालकरूपी में भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मेघना ठाकुर, पूर्व अध्यक्ष महिला मोर्चा, बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहीं, जबकि अधिवक्ता रमिता राही ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। सरस्वती विद्या मंदिर सुखबाग की प्रधानाचार्य सुमन कार्यक्रम की वक्ता रहीं।
कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा रीबन काटकर शिशु वाटिका की 12 व्यवस्थाओं के उद्घाटन से किया गया। इसके बाद विद्यालय परिसर में लगी साहित्य, प्रेरणादायी पुस्तकें, आचार, सिड्डू, बेकार सामग्री से निर्मित वस्तुएं तथा सिलाई-बुनाई की प्रदर्शनियों का अवलोकन किया गया। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक आरंभ किया। तत्पश्चात विद्यालय की आचार्य दीदियों एवं छात्र दीदियों द्वारा संस्कृत वंदना एवं हिंदी वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम प्रभारी तारकेश्वरी मंडयाल ने अतिथि परिचय के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके उपरांत विशिष्ट अतिथि मेघना ठाकुर का कार्यक्रम संयोजिका सीमा, मुख्य वक्ता रमिता राही को तारकेश्वरी मंडयाल एवं वक्ता सुमन को विद्यालय प्रबंध समिति की सदस्य अनीता वालिया द्वारा पुष्पगुच्छ, शाल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मीडिया प्रतिनिधि अमिता बंटा को भी सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम में बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं तथा प्रेरणादायी महिलाओं से जुड़े संदेशों का मंचन किया गया। मुख्य वक्ता रमिता राही ने कुटुंब प्रबोधन एवं पर्यावरण संरक्षण पर भारतीय दृष्टिकोण के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।
विद्यालय की आचार्य किरण ने महिलाओं से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया तथा विजेताओं को उपहार वितरित किए गए। वक्ता सुमन ने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विशिष्ट माताओं का सम्मान किया गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने उनके अनुभव भी साझा करवाए गए। विशिष्ट अतिथि मेघना ठाकुर ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संयोजिका सीमा ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार जताया।
अंतिम चरण में अर्पना सूद द्वारा उपस्थित माताओं को संकल्प करवाया गया तथा वंदे मातरम के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन उर्मिला सोनी ने किया। इस अवसर पर अभिभावक, पूर्व आचार्य, पूर्व छात्र, प्रबंध समिति की कार्यकारिणी सदस्याएं, स्वयं सहायता समूह एवं विभिन्न महिला मंडलों की सदस्याएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

मंडी कॉलेज में तैयार हो रहे वॉलीबाल के खिलाड़ी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

वल्लभ गवर्नमेंट कॉलेज मंडी के होनहार छात्र विकास, निखिल व आयुष का चयन सरदार पटेल यूनिवर्सिटी मंडी की वॉलीबॉल टीम में हुआ। ये प्रतियोगिता 9 दिसम्बर से 13 दिसंबर तक सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा महेंद्रगढ़ में खेली जानी है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का कोचिंग कैंप वल्लभ गवर्नमेंट कॉलेज मंडी में आयोजित किया जा रहा है । ये कोचिंग कैंप 2 से 8 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इस कैंप के बाद खिलाड़ी सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा के लिए प्रतियोगिता में भाग के लिए रवाना होंगे।
वहीं, दूसरी ओर महिला वॉलीबॉल टीम में वल्लभ गवर्नमेंट कॉलेज की तीन होनहार छात्राओं अल्पना,कोमल व निशा का ऐतिहासिक चयन भी वल्लभ गवर्नमेंट कॉलेज मंडी के लिए गर्व का पल है। पहली बार तीन छात्राओं का नॉर्थ जोन वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चयन होना कॉलेज के लिए गर्व के पल है। ये तीनों छात्राएं सरदार पटेल यूनिवर्सिटी मण्डी की महिला वॉलीबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। ये प्रतियोगिता 10 दिसंबर से 14 दिसंबर तक इंटीग्रल यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश में आयोजित होगी।
तीनों छात्राएं सरदार पटेल यूनिवर्सिटी मण्डी का जो प्रशिक्षण शिविर वल्लभ गवर्नमेंट कॉलेज मण्डी में आयोजित किया जा रहा है उस शिविर में खेल की बारीकियां सीख रही हैं। कॉलेज प्रधानाचार्य महोदय डॉक्टर संजीव कुमार जी व कॉलेज शारीरिक शिक्षा विभाग के एचओडी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील सेन जी ने खिलाड़ियों के आगामी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शुभकामनाएं दी व खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मैत्री क्रिकेट मैच में थंडर स्ट्राइकर्स ने आयुष इलेवन को 6 रन से हराया

अभिषेक, अनंत ज्ञान

जोगिंदरनगर। स्थानीय मैदान में रविवार को व्यापार मंडल जोगिंदरनगर के सौजन्य से मैत्री क्रिकेट मैच का भव्य आयोजन किया गया। इस मैत्रीपूर्ण मुकाबले में थंडर स्ट्राइकर्स और आयुष इलेवन की टीमों ने भाग लिया। मैच के दौरान खिलाड़ियों के उत्साह और दर्शकों के जोश ने पूरे मैदान का माहौल खेलमय बना दिया।
मुकाबले की शुरुआत थंडर स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के निर्णय से की। टीम ने निर्धारित 15 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 132 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। टीम के कप्तान मोहित ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 52 रन नाबाद बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उनके साथ दीपक ने 16 रन का योगदान दिया। दोनों बल्लेबाजों की संयमित पारी की बदौलत थंडर स्ट्राइकर्स प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा करने में सफल रहे।
लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयुष इलेवन की टीम ने भी बेहतरीन संघर्ष का प्रदर्शन किया। टीम ने 15 ओवर में 7 विकेट खोकर 127 रन बनाए। हालांकि, टीम जीत से कुछ कदम दूर रह गई और मुकाबला 6 रन से हार गई। आयुष इलेवन की ओर से नब्बू ने 33 रन तथा गौरव शर्मा ने 30 रन की उल्लेखनीय पारियां खेलीं और टीम को जीत के करीब ले गए।
गेंदबाजी में थंडर स्ट्राइकर्स की टीम के खिलाड़ियों ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। अजय और पंकज ने 2-2 विकेट, जबकि पुष्पेंद्र ने 1 विकेट हासिल किया। गेंदबाजों की सटीक लाइन-लेंथ ने आयुष इलेवन के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का ज्यादा मौका नहीं दिया। मैच के उपरांत आयोजित संक्षिप्त समारोह में विजेता टीम थंडर स्ट्राइकर्स को सम्मानित किया गया।
इस अवसर पर व्यापार मंडल जोगिंदरनगर के अध्यक्ष भास्कर गुप्ता ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने और उन्हें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने में खेलकूद सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देगा, ताकि युवाओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और अनुशासन की ओर प्रेरित किया जा सके।

आयोजन

कानूनी अधिकार, नशा उन्मूलन व पर्यावरण संरक्षण पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

महा साक्षरता शिविर में जागरूकता पर रहा मुख्य फोकस

कविता, अनंत ज्ञान

कार्यक्रम का शुभारंभ करती हुई न्यायिक मजिस्ट्रेट पधर गीतिका यादव।

पधर। उपमंडल विधिक सेवा समिति पधर के तत्वाधान में आज ग्राम पंचायत चेली में महा साक्षरता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में कानून संबंधी विभिन्न अधिकारों, नशे से मुक्ति, पर्यावरण संरक्षण तथा प्राकृतिक आपदा के दौरान पुनर्वास कार्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।
कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमंडल विधिक सेवा समिति पधर की अध्यक्ष एवं प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट पधर गीतिका यादव ने की। उन्होंने कहा कि इस मेगा लिटरेसी शिविर का मुख्य उद्देश्य जन सामान्य को उनके अधिकारों एवं सामाजिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि विधिक जागरूकता सशक्त समाज की नींव है और प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी समझे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में एसडीएम पधर सुरजीत सिंह, एसएचओ पधर अनिल कुमार कटोच, बार एसोसिएशन अध्यक्ष वीआर मुगलाना, वरिष्ठ अधिवक्ता आरके चंदेल तथा सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी नवजोत मियां विशेष तौर पर उपस्थित रहे।
वरिष्ठ अधिवक्ता आरके चंदेल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा करने वाला व्यक्ति अपराधी नहीं बल्कि एक बीमारी का शिकार होता है, इसलिए उसे सुधारने के अवसर देना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि कानून नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करता है तथा इस दिशा में सामूहिक प्रयास अनिवार्य है। सहायक वन संरक्षक नवजोत मियां ने पर्यावरण बचाओ और पृथ्वी बचाओ विषय पर जागरूकता प्रदान की। उन्होंने भारतीय वन अधिनियम-1927, वन्य जीव संरक्षण अधिनियम-1972, वन संरक्षण अधिनियम तथा वन अधिकार अधिनियम-2006 के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी और कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।
कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रधान चम्पा देवी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट गीतिका यादव को सम्मानित किया और ग्राम पंचायत में महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उपमंडल विधिक सेवा समिति का धन्यवाद किया।

आपदा प्रबंधन और पुनर्वास पर एसडीएम ने दिए टिप्स

एसडीएम सुरजीत सिंह ने प्राकृतिक आपदा पीड़ितों के पुनर्वास विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की महत्वपूर्ण धाराओं और प्रावधानों का उल्लेख करते हुए कहा कि आपदा के दौरान सरकार और आम जनता दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने लोगों को आपदा के समय व्यवहार, राहत प्रक्रिया, पुनर्वास व्यवस्था तथा सामुदायिक सहयोग की अहमियत के बारे में जागरूक किया।

नशा उन्मूलन पर पुलिस विभाग ने दिया संदेश

एसएचओ अनिल कुमार कटोच ने नशा उन्मूलन विषय पर बोलते हुए कहा कि नशा न केवल युवा पीढ़ी को नुकसान पहुंचा रहा है बल्कि समाज की नींव को भी कमजोर कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में पुलिस के साथ-साथ अभिभावकों और समाज की भूमिका अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों को बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की गुप्त सूचना देने के लिए पुलिस विभाग विभिन्न माध्यम उपलब्ध करवा रहा है।

मनुष्य के जीवन की सफलता इसी में है कि वह उपकार करने वाले व्यक्ति को कभी न भूले।

-वेद व्यास

संपादकीय

अवैध खनन पर सख्ती

नालागढ़ औद्योगिक क्षेत्र में अवैध खनन, सरकारी भूमि पर अतिक्रमण और स्टोन क्रशर संचालकों की मनमानी अब केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह सीधे कानून व्यवस्था और प्रशासनिक इच्छा शक्ति पर गंभीर सवाल खड़े करने लगी है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में यह समस्या फैल चुकी है, लेकिन नालागढ़ में इसका स्वरूप अत्यंत विकराल हो चुका है। यहां अवैध खनन खुलेआम होता है, भारी वाहनों की आवाजाही दिन-रात जारी रहती है और नदियों-नालों तथा राजस्व भूमि का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस अवैध गतिविधि में संलिप्त अधिकतर लोग आर्थिक रूप से बेहद मजबूत हैं। अकूत संपत्ति और धनबल के कारण वे न तो कानून से डरते हैं और न ही प्रशासनिक निर्देशों की परवाह करते हैं। जब भी किसी स्तर पर सख्ती होती है, तो उसे पैसों के बल पर कमजोर कर दिया जाता है। ऐसे में आम नागरिकों के मन में यह सवान उठना स्वाभाविक है कि क्या वास्तव में कानून सबके लिए समान है या फिर धनबल के आगे शासन तंत्र भी असहाय हो जाता है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सोलन जिले के नालागढ़ क्षेत्र में अवैध खनन और स्टोन क्रशरों की ओर से प्रदूषण मानकों के उल्लंघन को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। न्यायालय ने एसपी सोलन और एसपी बद्दी को स्पष्ट आदेश दिए हैं कि केवल चालान काटना पर्याप्त नहीं है, बल्कि अवैध खनन में प्रयुक्त वाहनों की कुर्की भी सुनिश्चित की जाए। यह निर्देश अपने आप में बेहद महत्वपूर्ण और दूरगामी प्रभाव वाला माना जा रहा है, क्योंकि इससे पहली बार आर्थिक दंड से आगे बढ़कर अवैध कारोबार की रीढ़ तोड़ने की मंशा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

हाईकोर्ट का यह आदेश न केवल तर्कसंगत है, बल्कि समय की मांग भी है। लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि जुर्माना लगाकर औपचारिकता पूरी कर ली जाती है और अवैध खनन का खेल यथावत चलता रहता है। ऐसे में स्वयं न्यायपालिका को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। यह स्थिति सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर प्रशासनिक तंत्र अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन क्यों नहीं कर पा रहा है। क्या इसके पीछे अधिकारियों की मिलीभगत है, या वे जानबूझकर आंखें मूंद लेते हैं, या फिर उन असामाजिक तत्वों से डरते हैं जो इस अवैध कारोबार में गहराई तक जुड़े हुए हैं -इन सभी संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका भी इस पूरे प्रकरण में लगातार सवालों के घेरे में रही है। नियमानुसार, यदि हर महीने निरीक्षण संभव नहीं है, तो भी कम से कम तीन-चार महीने में स्टोन क्रशर इकाइयों का भौतिक निरीक्षण अनिवार्य होना चाहिए। मौके पर जाकर देखा जाना चाहिए कि वहां पर्यावरणीय मानकों का पालन हो रहा है या नहीं, धूल नियंत्रण के उपाय किए गए हैं या नहीं, और खनन नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया जा रहा। दुर्भाग्यवश, नालागढ़ क्षेत्र में ऐसी निगरानी अक्सर कागजों तक ही सीमित है।

स्थिति की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि नालागढ़ में स्टोन क्रशर यूनिटों से अब तक कुल 75 लाख रुपए से अधिक की वसूली की जा चुकी है। यह आंकड़ा इस बात की गवाही देता है कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन जारी है। इससे भी अधिक गंभीर तथ्य यह है कि यह वसूली अवैध गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय एक तरह से रूटीन प्रोसेस बन चुकी है, जिसमें जुर्माना भरकर मामले को दबा दिया जाता है। आज की स्थिति यह है कि जो लोग करोड़ों रुपए का अवैध कारोबार कर रहे हैं, उनके लिए एक हजार, दस हजार, पचास हजार या यहां तक कि एक लाख रुपए का जुर्माना भी कोई मायने नहीं रखता। उनके लिए यह राशि बेहद मामूली है। इसलिए जुर्माने का डर उनके मन में बिल्कुल नहीं है, लेकिन यदि उनके वाहनों की कुर्की शुरू हो जाए, डंपर, ट्रक और जेसीबी मशीनें जब्त होने लगें, तो निश्चित रूप से इस अवैध कारोबार पर सीधा और गहरा प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि वाहन और मशीनरी ही उनके पूरे धंधे की रीढ़ हैं, और इनके बिना अवैध खनन संभव नहीं हो सकता। इस पूरे मामले में एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अवैध खनन और अतिक्रमण से पर्यावरण को दीर्घकालिक नुकसान पहुंच रहा है। नदी-नालों का प्राकृतिक बहाव बाधित हो रहा है, भूजल स्तर गिर रहा है, धूल और प्रदूषण के कारण स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, और क्षेत्र की जैव-विविधता भी खतरे में पड़ती जा रही है। यह केवल वर्तमान पीढ़ी की समस्या नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से भी जुड़ा हुआ गंभीर विषय है। उम्मीद की जानी चाहिए कि हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के ताजा निर्देश केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि धरातल पर सख्ती के साथ लागू होंगे। यदि पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करें और किसी भी प्रकार की राजनीतिक या आर्थिक दबाव में आए बिना कार्रवाई करें, तो निश्चित रूप से नालागढ़ क्षेत्र में बड़ा सुधार संभव है।

आने वाले समय में यह आवश्यक है कि अवैध खनन, अतिक्रमण और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। तभी नालागढ़ क्षेत्र पर्यावरण की दृष्टि से संतुलन की ओर बढ़ सकेगा और कानून का डर दोबारा स्थापित हो पाएगा। बहरहाल, हाईकोर्ट का यह आदेश केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक अवसर है -व्यवस्था को सही रास्ते पर लाने का एक निर्णायक मोड़। अब यह प्रशासन पर निर्भर करता है कि वह इस अवसर का उपयोग करता है या फिर पुरानी ढर्रे वाली कार्यप्रणाली को ही आगे बढ़ाता है। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र | आज की प्रमुख हस्ती

हिंदी सिनेमा का अमर महा सितारा

धर्मेंद्र सिंह देओल, जिन्हें दुनिया प्यार से 'हीमैन' और 'बॉलीवुड का महा सितारा' कहती थी, भारतीय सिनेमा के उन दुर्लभ कलाकारों में से एक रहे, जिन्होंने पांच दशकों से अधिक समय तक करोड़ों दर्शकों के दिलों में राज किया। 8 दिसंबर 1935 को पंजाब के साहनेवाल में जन्मे धर्मेंद्र ने कभी नहीं सोचा था कि एक साधारण जाट परिवार का यह युवक भारतीय सिनेमा के इतिहास में अमर हो जाएगा।

धर्मेंद्र सिंह देओल
जन्म : 8 दिसंबर, 1935
मृत्यु : 24 नवंबर, 2025

वह बचपन से ही फिल्मों में आने का सपना देखते थे। 1958 में उन्होंने फिल्मफेयर टैलेंट कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया और यहीं से उनकी जिंदगी की दिशा बदल गई। 1960 में अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। शुरुआत में वे रोमांटिक फिल्मों के चॉकलेटी हीरो कहलाए, पर उनके भीतर एक्शन का जज्बा हमेशा से था। 'फूल और पत्थर' (1966) ने उन्हें रातों-रात सुपरस्टार बना दिया। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 'सत्यकाम' में उनकी गंभीरता, 'चुपके-चुपके' में उनकी कॉमेडी, 'शोले' में वीरू जैसे आइकॉनिक किरदार ने दर्शकों को उनका दीवाना बना दिया। 1974 के बाद वे हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े एक्शन हीरो बन गए।

फिल्म 'आंखें' में शेर के सामने उनका संघर्ष देखकर दर्शकों ने उन्हें 'शेरों का शेर धर्मेंद्र' कहा। नूतन, मीना कुमारी, सायरा बानो जैसी अभिनेत्रियों के साथ उन्होंने शानदार काम किया, पर उनकी सबसे लोकप्रिय जोड़ी हेमा मालिनी के साथ बनी। बाद में हेमा उनकी जीवन संगिनी बनीं। 'सीता और गीता', 'राजा जानी', 'तुम हसीन मैं जवां', 'चरस', 'शोले' जैसी फिल्में इस जोड़ी की अमर यादें हैं। वे बीकानेर से सांसद भी रहे। उन्हें 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया। करीब 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय करने वाले धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' 25 दिसंबर 2025 को रिलीज होने वाली है। ■

कविता

अपने हैं

राजेंद्र पालमपुरी
वरिष्ठ साहित्यकार (हि.प्र.)

किश्ती सबकी अपनी अपनी, और किनारे अपने हैं
ख्वाब सभी के अपने अपने, और सहारे अपने हैं
गम भी हैं तो गले लगा लें, भले बेचारे अपने हैं
लम्हा लम्हा साथ सभी का, मीठे खारे अपने हैं
रिश्तों से क्या करना शिकवा, सभी हमारे अपने हैं
रहकर दूर भी पास हैं लगते, सूरज तारे अपने हैं
खून सभी में एक रंग का, मजहब सारे अपने हैं
समझो यारो बात समझ की, यही इशारे अपने हैं

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

शिमला के बोझ को कम करने की जुगत

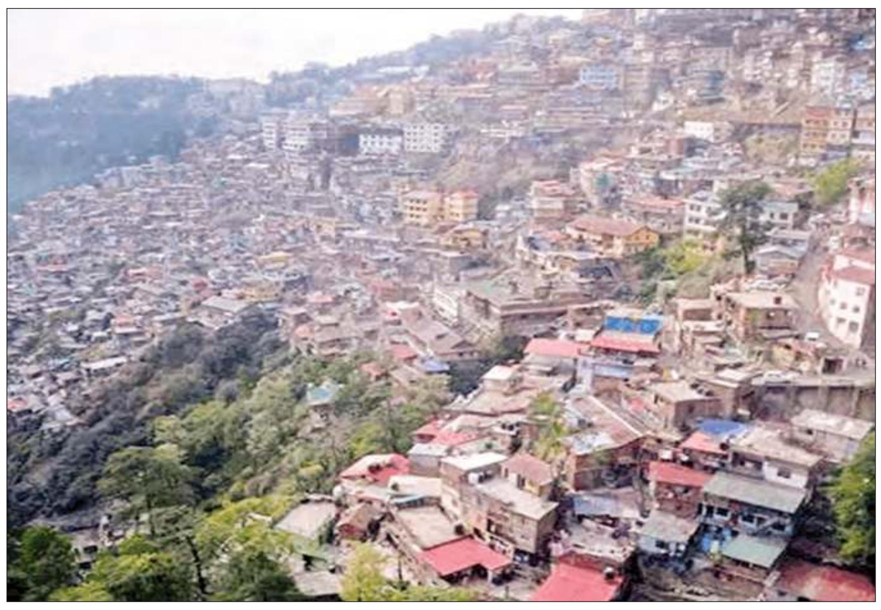

राजधानी शिमला साल-दर-साल तीव्र विकास और जनसंख्या बढ़ोतरी की वजह से अपने ही बोझ तले दबती नजर आ रही है। शिमला हिमाचल प्रदेश की राजधानी होने के साथ-साथ प्रशासनिक, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन का प्रमुख केंद्र भी है। इन सभी कारणों से शहर में लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ-साथ वाहनों की संख्या और इमारतों का बेतरतीब निर्माण शिमला को धीरे-धीरे संकट के कगार पर ला रहा है। विशेष रूप से शिमला का भौगोलिक स्वरूप, जो ढलानों और पहाड़ी इलाकों पर बसा हुआ है, इसे भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील बनाता है। जोन 5 के इस भूकंपीय क्षेत्र में 5 तीव्रता का भूकंप भी भारी तबाही मचा सकता है। ऐसे में शिमला की सुरक्षा और यहां रहने वालों का जीवन बचाए रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन गया है। सब रामभरोसे ही चल रहा है।

प्रदेश की सुक्खू सरकार ने शिमला पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही में धर्मशाला में विधानसभा सत्र के दौरान बताया कि शिमला से अब तक सात सरकारी दफ्तरों को दूसरे जिलों में स्थानांतरित किया जा चुका है। भवन और अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड को हमीरपुर, कौशल विकास निगम को सुंदरनगर, प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वन्य प्राणी) को धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम को धर्मशाला, नशा निवारण बोर्ड को हमीरपुर और आर्म्ड पुलिस ट्रेनिंग ऑफिस को डरोह में स्थानांतरित किया गया है। इन दफ्तरों में से चार कांगड़ा जिले में, दो हमीरपुर में और एक मंडी जिले में पहुंच चुके हैं। भविष्य की योजना के तहत कांगड़ा को एक और कार्यालय मिलने वाला है, जिससे प्रशासनिक कार्यों का बोझ राजधानी से अन्य जिलों की ओर स्थानांतरित होगा। इसके अलावा राज्य सूचना आयोग को धर्मशाला और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कार्यालय को ऊना शिफ्ट किया जाना प्रस्तावित है।

शिमला के विकास का इतिहास अंग्रेजों के जमाने से शुरू हुआ। अंग्रेजों ने शिमला को सिर्फ 25,000 लोगों के रहने लिए एक छोटे से हिल स्टेशन के रूप में विकसित किया था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद शहर में जनसंख्या का तीव्र गति से बढ़ती रही। शिमला अब लगभग 2,45,000 लोगों की अनुमानित आबादी वाला शहर बन चुका है। इस बढ़ती आबादी ने शहर की आधारभूत संरचना पर भारी दबाव डाला है। अवैध निर्माण और ढलानों पर अनियोजित भवनों ने शहर के भूगोल को कमजोर किया है। कई जगह मकान एक-दूसरे से सटे हुए हैं, जिससे शिमला की खूबसूरती कहीं खो सी गई है और शहर अब धीरे-धीरे कंक्रीट के जंगल में बदलता जा रहा है।

धर्मशाला, जो हिमाचल प्रदेश की दूसरी राजधानी और प्रशासनिक केंद्र है, भी अब शिमला से स्थानांतरित होने वाले दफ्तरों के कारण तेजी से विकसित हो रहा है। धर्मशाला में वर्तमान अनुमानित जनसंख्या 55,000 के आसपास है, लेकिन जैसे-जैसे यहां सरकारी कार्यालय और संबंधित कर्मचारी परिवारों सहित बसते जा रहे हैं, इसकी आबादी में भी लगातार वृद्धि हो रही है। धर्मशाला का वैश्विक महत्व तिब्बती समुदाय और उनके धर्मगुरु दलाईलामा के धार्मिक केंद्र के कारण भी है, जिससे यह शहर अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है।

शिमला और धर्मशाला में बढ़ती आबादी के पीछे कई मुख्य कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है पर्यटन उद्योग। दोनों शहर देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षक गंतव्य हैं। पर्यटन की वजह से होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी और अन्य सेवाओं में रोजगार के अवसर बढ़ गए हैं। लोग रोजगार की तलाश में इन शहरों में आकर स्थायी रूप से बसने लगे हैं। दूसरा बड़ा कारण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता है। शिमला और धर्मशाला दोनों में उच्च स्तरीय स्कूल, कॉलेज और अस्पताल हैं, जो आसपास के जिलों और राज्यों से लोगों को आकर्षित करते हैं। तीसरा कारण प्रशासनिक महत्व है। शिमला राज्य की राजधानी है और धर्मशाला दूसरी राजधानी होने के नाते कई सरकारी दफ्तर यहां स्थानांतरित किए जा चुके हैं। इससे सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

यथार्थ

समरजीत

शिमला का भौगोलिक स्वरूप, जिसमें अधिकांश क्षेत्र ढलानों पर बसा हुआ है, इसे भूकंप और भू-स्खलन जैसी आपदाओं के प्रति संवेदनशील बनाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि शहर में लगभग 98 प्रतिशत इमारतें उच्च तीव्रता वाले भूकंप का सामना करने में असक्षम हैं। एनजीटी ने 2017 में शिमला के मुख्य और हरित क्षेत्रों में सभी प्रकार के निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका पालन कमजोर रहा। ढलानों पर निर्माण, वनों की कटाई और जल निकासी की खराब व्यवस्था ने मिट्टी को कमजोर कर दिया है। पुराने शिमला का 25 प्रतिशत हिस्सा अब डूब यानी धंसने वाले संभावित क्षेत्र में शामिल हो चुका है। दूसरी ओर धर्मशाला के साथ लगता मैक्लोडगंज भी इसी तरह भूकंप के जोखिमपूर्ण क्षेत्र में आता है। यहां लगभग 16,000 तिब्बती निर्वासित और लगभग उतने ही भारतीय रहते हैं। 1905 और 1978 के भूकंपों ने इस क्षेत्र को भी प्रभावित किया था। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि भविष्य में उच्च तीव्रता वाला भूकंप शिमला और मैक्लोडगंज को भारी तबाही की ओर ले जा सकता है।

सरकार ने शिमला पर दबाव कम करने के लिए विभिन्न उपाय किए हैं। दफ्तरों की शिफ्टिंग, प्रशासनिक संतुलन, पर्यटन के अन्य जिलों में प्रचार और शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार कुछ प्रमुख कदम हैं। इन उपायों से न केवल शिमला का दबाव कम होगा, बल्कि धर्मशाला और अन्य जिलों की प्रशासनिक और आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी।

विकास के दबाव के कारण न केवल भूकंपीय खतरा बढ़ा है, बल्कि मानसून और प्राकृतिक आपदाओं की संभावना भी बढ़ गई है। पिछले तीन वर्षों में मानसून ने भारी तबाही मचाई है और इस वर्ष तो बादल फटने की 47 घटनाएं दर्ज की गईं। इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि शिमला जैसे पहाड़ी शहरों में विकास को संतुलित रूप से करना कितना आवश्यक है।

शिमला की समस्या केवल आबादी और अवैध निर्माण तक सीमित नहीं है। शहर में बढ़ते यातायात, बिजली-पानी की अपर्याप्त आपूर्ति, कचरा प्रबंधन की कमजोर व्यवस्था और पर्यटन से उत्पन्न दबाव ने शहर को जीवन के लिए चुनौतीपूर्ण बना दिया है। यदि समय रहते सावधानी न बरती गई, तो आने वाले वर्षों में शिमला में और अधिक प्रशासनिक, सामाजिक और पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

शिमला और धर्मशाला में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का उद्देश्य केवल राजधानी पर दबाव कम करना ही नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि शहर में निवास करने वाले लोगों का जीवन गुणवत्ता बनी रहे। धर्मशाला में कार्यालयों का शिफ्ट होना स्थानीय रोजगार, व्यवसाय और पर्यटन के लिए भी लाभदायक सिद्ध होगा।

भविष्य में शिमला की सुरक्षा और संतुलित विकास के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम आवश्यक हैं। अनियोजित निर्माण को रोकना, ढलानों की स्थिरता के लिए वैज्ञानिक अध्ययन करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना और प्रशासनिक ढांचे को पूरी तरह से संतुलित करना इसके मुख्य उपाय होंगे। इसके अलावा, शिमला में पुराने भवनों की मरम्मत और उच्च तीव्रता वाले भूकंप के लिए निर्माण मानकों का सख्ती से पालन कराना भी अनिवार्य है।

शिमला की बढ़ती आबादी और प्रशासनिक महत्व के कारण शहर पर पड़ने वाले दबाव को कम करने के लिए उठाए गए कदम सराहनीय हैं। दफ्तरों की शिफ्टिंग, धर्मशाला और अन्य जिलों में विकास, पर्यटन को वितरित करना और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना, ये सभी उपाय शिमला को विनाश की कगार से बचाने में मदद करेंगे।

आखिरकार, शिमला और धर्मशाला की स्थिरता केवल प्रशासनिक और तकनीकी उपायों पर निर्भर नहीं है। यह शहरों का भविष्य समाज के सभी वर्गों की जागरूकता, सहभागिता और सहयोग से भी जुड़ा हुआ है। केवल सरकारी प्रयासों से शिमला और धर्मशाला को सुरक्षित और व्यवस्थित नहीं रखा जा सकता। स्थानीय लोग, व्यापारी, स्कूल और कॉलेज, गैर-सरकारी संगठन और पर्यटक-सभी का योगदान आवश्यक है। यदि लोग ढलानों पर अनियोजित निर्माण, अवैध कब्जों और पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन को रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएं, तो ही ये पहाड़ी शहर लंबी अवधि में सुरक्षित रह सकते हैं।

शहरों का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम समय रहते प्राकृतिक और मानवीय दबावों को कैसे संतुलित करते हैं। शिमला में बढ़ती आबादी, वाहनों की संख्या और पर्यटन के दबाव को नियंत्रित करना, साथ ही पर्यावरणीय संरक्षण सुनिश्चित करना, अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए न केवल नीति-निर्माता जिम्मेदार हैं, बल्कि नागरिक भी अपनी भूमिका निभाएं। कचरा प्रबंधन, जल संसाधनों का संरक्षण, वनों और हरे-भरे क्षेत्र की सुरक्षा और स्थानीय योजनाओं में भागीदारी-ये सभी कदम शहर की दीर्घकालीन स्थिरता में मदद करेंगे।

यदि यह संतुलन बना रहा, तो शिमला न केवल एक खूबसूरत हिल स्टेशन के रूप में जाना जाएगा, बल्कि प्रशासनिक और सामाजिक दृष्टि से भी एक आदर्श शहर बन सकता है। धर्मशाला जैसी दूसरी राजधानी के साथ संतुलित प्रशासनिक और आर्थिक विकास से इन शहरों में जीवन स्तर सुधर सकता है। लोगों को रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का समान रूप से लाभ मिलेगा, और प्राकृतिक आपदाओं के खतरों से निपटने की तैयारी भी मजबूत होगी। ऐसे में शिमला और धर्मशाला केवल पर्यटन स्थल या प्रशासनिक केंद्र नहीं रहेंगे, बल्कि पहाड़ी जीवन और विकास का उदाहरण बनेंगे। स्थिरता का यह मार्ग चुनौतीपूर्ण अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं।

रिस्पांस करें: editoranantgyaan@gmail.com

नक्सलवाद का अंत समीप : हिंसा से शांति की ओर बढ़ते भारत की निर्णायक लड़ाई

भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने लगभग एक साल के भीतर ही देश से नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने की बात कही है। पता नहीं, इस शुभ कार्य में भारत की सारी व्यवस्था कहां और कब तक सफल होती है, इसका उत्तर तो निकट भविष्य के गर्भ में ही छुपा है तथापि इस घोषणा का स्वागत और प्रशंसा तो की ही जा सकता है।

मुमुक्षु के. ठाकुर
मोहल्ला ओबड़ी, चंबा (हि.प्र.)

वैसे, अभी 18 नवंबर 2025 को ही माओवादी नेता (कथित कमांडर) व नक्सलवादी माड़वी हिड़मा का भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा मारा जाना केंद्र और राज्य सरकार की बहुत बड़ी सफलता और उपलब्धि है। अब वो घोर हिंसावादी माओवाद निश्चित रूप से भारत में अपने जीवन की अंतिम सांसें ही ले रहा है।

यह भी अनिवार्य है कि हिंसा,माओवाद, आतंकवाद,उग्रवाद विश्व के किसी भी देश, किसी भी स्थान में स्वीकार्य नहीं होने चाहिए। इन सबके विरुद्ध दुनिया के सभी सभ्य और सुसंस्कृत सरकारों और नागरिकों को आपस में मिलकर युद्ध करना बहुत आवश्यक हो जाता है।

नक्सलवाद के संस्थापक चारु मजूमदार और कानू सान्याल ने तत्कालीन राजनीतिक और प्रशासनिक कुव्यवस्था (विशेष कर पश्चिम बंगाल के राज्य में) द्वारा दिए गए घोर यातना और भयंकर कष्ट को झेला और सहा था।

ऐसा भी मैंने पढ़ा है कि चारु और कानू के शरीर के एक-एक अंग पर बने मारपीट के निशान उस समय की संभवत: घोर कुव्यवस्था की स्पष्ट गवाही देते थे। परिणामस्वरूप , चारु मजूमदार और कानू सान्याल ने अपने आपको दुनिया के बहुत बड़े क्रांतकारी समझते हुए व्यवस्था से लड़ने और तुरंत सामाजिक सुधार के लिए हिंसा और खून-खराबे का मार्ग चुना था। यद्यपि इन दोनों द्वारा हिंसा के रास्ते को अपनाना अतीत , वर्तमान और भविष्य के किसी भी सभ्य, सुसंस्कृत समाज में

स्वीकार्य नहीं हो सकता। आरंभ में तो हजारों नौजवान चारु और कानू से बहुत प्रभावित और आकर्षित होकर पश्चिम बंगाल के नक्सलवाड़ी में तैयार हुए इस कथित समाज-सुधार, क्रांतिकारी आंदोलन से जुड़ गए थे, लेकिन चारु मजूमदार तथा कानू सान्याल के न रहने के बाद इस कथित माओवादी नक्सली संगठन का कोई ठौर-ठिकाना ही नहीं रहा। सशक्त विचारधारा और ठोस निर्देशन/मार्गदर्शन के बड़े अभाव में हजारों युवा लोग अपनी मर्जी और व्यक्तिगत स्वार्थ के वशीभूत , अलग-अलग होकर अपने-अपने रास्तों पर चल पड़े। उनकी न कोई विचारधारा रही और न ही कोई स्पष्ट लक्ष्य कि अब क्या, कहां, कैसे, क्यों, कब, किसके साथ क्या ही किया जाए।

चारु मजूमदार और कानू सान्याल द्वारा तन, मन, धन, हृदय, मस्तक और प्राणों से निर्मित जिस बड़े संगठन का प्रारंभिक उद्देश्य सामाजिक बदलाव था, वही संगठन कालांतर में टूट-फूटकर सैकड़ों डाकूनुमा गिरोहों में परिवर्तित हो गया। आज स्थिति यह है कि किसी स्पष्ट राजनीतिक या सामाजिक विचारधारा से हटकर अनेक युवा व्यक्तिगत लाभ और तात्कालिक स्वार्थसिद्धि के लिए नक्सलवाद की राह पर चल पड़ते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल चिंताजनक है बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता, आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक व्यवस्था और विकास की गति के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है।

इसलिए समय की मांग है कि इस कथित नक्सलवाद को जड़-मूल से उखाड़कर स्थायी रूप से समाप्त किया जाए। यह संघर्ष किसी व्यक्ति या समुदाय के विरुद्ध नहीं है, बल्कि हिंसा, उग्रवाद और माओवादी विचारधारा के विरुद्ध है। ऐसे विशिष्ट क्षेत्रों में भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में वापस लाना, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर देना उतना ही आवश्यक है जितना उग्रवाद का समूल नाश करना। राष्ट्र तभी सुदृढ़ बनेगा जब हिंसा की राह पर भटके सभी हाथ विकास, शांति और समृद्धि के निर्माण में जुड़ेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जीवन में अच्छे कर्म करो, ताकि मौत के बाद भी समाज याद करता रहे

दुनिया में कोई भी अमर नहीं रहता, क्योंकि दुनिया में जो आया है उसे एक दिन दुनिया से रुख्स्त होना पड़ता है-यह अटल सत्य है। मौत एक ऐसी सच्चाई है जो राजा और रंक के बीच कोई भेदभाव नहीं करती। यह किसी की परवाह नहीं करती कि सामने खड़ा व्यक्ति कितना शक्तिशाली, कितना धनाढ्य या कितना प्रभावशाली है। इसलिए जीवन का मूल मंत्र यही है कि हम ऐसे कर्म करें जो हमारे जाने के बाद भी लोगों के दिलों में जीवित रहें।

नरेंद्र भारती
स्वतंत्र लेखक,मंडी

जिंदगी का कारवां धीरे-धीरे बीतता जा रहा है। समय किसी के लिए रुकता नहीं। बुरे कर्मों से न केवल समाज को हानि होती है, बल्कि मनुष्य स्वयं भी भीतर से खोखला होता जाता है। इसलिए बेहतर है कि हम अच्छे कर्म करें-ऐसे कर्म जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा फैलाएं, जो दूसरों के जीवन में रोशनी बन सकें। मानव जीवन अनमोल है, इसे व्यर्थ की नकारात्मकता में खो देना मूर्खता है। आज का आधुनिक मनुष्य माया के मायाजाल में उलझ चुका है। दौलत, शोहरत और भौतिक सुखों की चाह में वह दौड़ रहा है, पर उसे यह पता ही नहीं कि यह दौड़ उसे कहां ले जाएगी। असीमित माया इकट्ठा करने के चक्कर में इंसान अपना जमीर तक बेचने को तैयार हो जाता है।

उसके भीतर की संवेदनाएं पिघलती जा रही हैं। वह भावनात्मक रूप से इतना कठोर होता जा रहा है कि किसी के दर्द, किसी के संघर्ष या किसी के आंसू से उसे कोई फर्क नहीं पड़ता।

खून के रिश्ते, जो कभी टूटते नहीं थे, आज मामूली सी बात पर बिखरते जा रहे हैं। दूरियां बढ़ रही हैं, दिलों के बीच फासले गहरे होते जा रहे हैं। रिश्तों का व्याकरण बदल चुका है; अब रिश्तों में निष्ठा कम और स्वार्थ अधिक देखा जाने लगा है। कुछ लोग तो क्षणिक लाभ के लिए जीवनभर के रिश्तों को भी दांव पर लगा देते हैं। इंटरनेट और

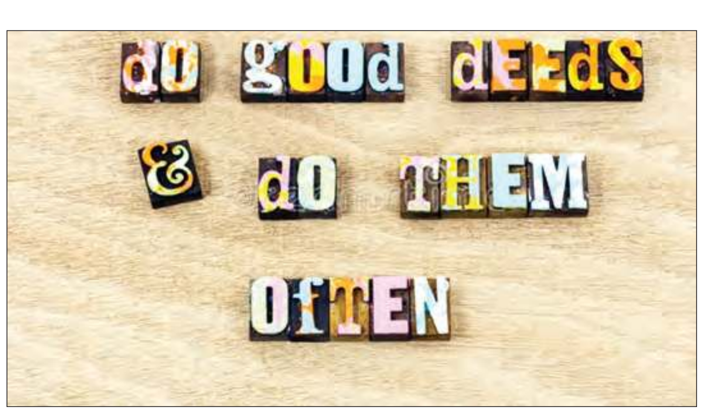

तकनीक ने जहां एक ओर दुनिया को छोटा बना दिया है, वहीं मनुष्यों के दिलों के बीच विशाल खाई भी खड़ी कर दी है। लोग वर्चुअल दुनिया में इतने व्यस्त हो गए हैं कि उन्हें यह महसूस ही नहीं होता कि उनके आसपास कौन जी रहा है, कौन मर रहा है, किसे सहायता की जरूरत है या किसे सहारे की। इंसानी जुड़ाव मिटता जा रहा है। मनुष्य अक्सर जीवनभर छोटे-छोटे लालचों में उलझा रहता है, बुरे कर्म करता है, दूसरों को ठेस पहुंचाता है, और जब जीवन के अंतिम पड़ाव पर पहुंचता है तब पछताता है, प्रायश्चि करता है, परंतु तब समय हाथ से निकल चुका होता है। मोह-माया, लालच, ईर्ष्या और क्रोध-ये सब भावनाएं मनुष्य को अंधा बना देती हैं। इनकी वजह से इंसान रिश्तों का कत्लेआम करता है, जमीन-जायदाद के लिए खून तक बहा देता है।

नैतिक मूल्यों का लगातार पतन हो रहा है। संस्कार जैसे शब्द केवल पुस्तकों में सीमित होते जा रहे हैं। यह समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं। यदि हम समय रहते नहीं संभले, तो आने वाली पीढ़ियां ऐसे समाज की विरासत पाएंगी जहां भरोसा, प्रेम, करुणा और नैतिकता खत्म हो चुकी होगी।

इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य अपने भीतर झांके, अपने कर्मों का मूल्यांकन करे और यह तय करे कि वह दुनिया को क्या देकर जाना चाहता है। जीवन दुर्लभ है। यह एक बार ही मिलता है। इसे नफरत, लालच और स्वार्थ में न गंवाएं। किसी का बुरा मत कीजिए, बल्कि जितना हो सके अच्छा कीजिए। आपकी एक अच्छाई किसी के जीवन में खुशियां भर सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

मंडी जिले की सुकेती खड्ड में प्रवासी पक्षियों का अवैध शिकार

बल्ह थाने में अज्ञात शिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, जांच जारी

उमेश भारद्वाज, अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। मंडी जिले की बल्ह घाटी में सर्दियों के मौसम में आने प्रवासी पक्षियों के शिकार का मामला सामने आया है। पुलिस थाना बल्ह ने वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम की धारा 51 और भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

वन विभाग की सदर ब्लॉक मंडी रेंज की बडसू बीट के वन रक्षक (राजिक) लेखराज ने शिकायत में बताया कि उन्हें शनिवार शाम लगभग 5 बजे मोबाइल फोन के माध्यम से सूचना मिली थी कि किरतपुर-मनाली फोरलेन पर खाटू श्याम रेस्टोरेंट के समीप सुकेती खड्ड में कुछ अज्ञात शिकारी प्रवासी पक्षियों का अवैध शिकार कर रहे हैं। सूचना मिलते ही लेखराज ने तुरंत मौके की स्थिति का आकलन कर उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। वन अधिकारी की सूचना के आधार पर पुलिस थाना बल्ह ने अज्ञात शिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस और वन विभाग की टीम क्षेत्र में शिकारियों की तलाश कर रही है। वहीं, वन विभाग ने लोगों से इस तरह की गतिविधियों की जानकारी तुरंत देने की अपील की है, जिससे वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने कहा कि घटनास्थल पर मिले सबूतों के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और मामले में कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सुकेती खड्ड में प्रवासी पक्षियों का अवैध शिकार किया गया।

जनता समझ चुकी कांग्रेस सरकार का असली चेहरा : जम्वाल

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। विधायक राकेश जम्वाल ने चनोल और नालग पंचायतों में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए, जहां लोगों ने कांग्रेस सरकार के प्रति गहरी नाराजगी जताई। स्थानीय निवासियों का कहना था कि तीन साल बीत जाने के बावजूद क्षेत्र में कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ। टूटी सड़कों, बाधित मूलभूत सुविधाओं और अधूरी योजनाओं को लेकर लोगों ने असंतोष व्यक्त किया। जम्वाल ने इन शिकायतों को सही ठहराते हुए कहा कि प्रदेश में विकास पूरी तरह ठप है और सरकार सिर्फ घोषणाओं व प्रचार-प्रसार में व्यस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के दौरे से पहले विभागों द्वारा सड़कों पर मिट्टी-पत्थर डालकर लीपापोती की जा रही है, जो सरकार की नाकामी को उजागर करती है। बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर तीन साल का जश्न मनाने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि विज्ञापनों से सच्चाई नहीं छिपती। जम्वाल ने कहा कि जनता कांग्रेस शासन का असली चेहरा समझ चुकी है और भाजपा उसकी आवाज मजबूती से उठाती रहेगी।

व्यापार आसान करने के नाम पर मजदूरों का शोषण कर रही केंद्र सरकार : सीटू

श्रम कानूनों को रद्द कर बनाए गए कोडों के खिलाफ चलेगा प्रदेशव्यापी अभियान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

विजेंद्र मेहरा की अध्यक्षता में हुई सीटू हिमाचल प्रदेश राज्य कमेटी की बैठक।

सीटू हिमाचल प्रदेश राज्य कमेटी की बैठक मंडी स्थित कॉमरेड तारा चंद भवन में विजेंद्र मैहरा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आंगनबाड़ी, मिड-डे मील, निर्माण, मनरेगा, एसटीपी, एंबुलेंस कर्मचारी, हाईडल, सड़क व आउटसोर्स वर्कर्स यूनियनों के पदाधिकारियों सहित कुल 45 सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सचिव डॉ. कश्मीर सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 21 नवंबर को लागू की गई चार श्रम संहिताओं से मजदूरों को मिले कई पारंपरिक अधिकार समाप्त हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नए कोड बड़ी कंपनियों को मजदूरों का शोषण करने की खुली छूट देते हैं, क्योंकि नौकरी से निकालना आसान हो गया है, श्रम न्यायालय समाप्त कर दिए गए हैं और निरीक्षक की जगह 'सुविधाकार' की व्यवस्था मजदूरों की सुरक्षा कमजोर करती है। बैठक में निजीकरण को बढ़ावा देने, कोयला खदानों, विमानन व अन्य सार्वजनिक क्षेत्रों के निजीकरण पर चिंता व्यक्त की गई। श्रम संहिताओं के विरोध में 19 दिसंबर को जिलास्तर पर विरोध-प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। आंगनबाड़ी वर्करों द्वारा 10 पर प्रदर्शन किया जाएगा। मनरेगा और निर्माण मजदूरों की लंबित वित्तीय सहायता जारी करवाने के लिए जनवरी के अंत में हमीरपुर में 'डेरा डालो-घेरा डालो' आंदोलन शुरू किया जाएगा। एम्बुलेंस कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में दिसंबर के अंतिम सप्ताह में दो दिन की हड़ताल करने सहित आउटसोर्स मजदूरों को नियमित करने व हिमाचली मजदूरों को 70 प्रतिशत रोजगार देने की मांगें भी उठाई गईं।

देव महूनाग मंदिर परिसर में हिंदू सम्मेलन संपन्न

सामाजिक समरसता से नागरिक कर्तव्यों की दी जानकारी।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

थनेहडा मोहल्ला स्थित श्री देव महूनाग मंदिर के प्रांगण में रविवार को हिंदू सम्मेलन संपन्न हो गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष रतन चंद्र, संयोजक मित्र देव तथा सह संयोजक सतीश कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे, जबकि प्रदीप का मार्गदर्शन पूरे सम्मेलन के दौरान प्राप्त हुआ।

सम्मेलन में प्रमुख रूप से हिंदू समाज के पांच प्रण-सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, स्व का बोध तथा नागरिक कर्तव्य पर जानकारी प्रदान की गई और इनके महत्व पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों एवं श्रद्धालुओं से इन प्रणों को जीवन में आत्मसात करने का आग्रह किया गया, ताकि समाज में सकारात्मक परिवर्तन एवं संतुलन स्थापित हो सके। कार्यक्रम के दौरान भावुक कर देने वाला क्षण तब आया जब दो फौजी भाइयों महेंद्र और नीतीश जिनकी एक्सीडेंट के दौरान दुखद मृत्यु हो गई थी, उनकी पावन स्मृति में 2 मिनट का मौन रखा गया। उपस्थित लोगों ने शहीद फौजी भाइयों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम पूर्ण श्रद्धा, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता के साथ संपन्न हुआ।

पेड़ से गिरे भूतपूर्व सैनिक टेकचंद ने एम्स में तोड़ा दम

आदर्श, अनंत ज्ञान, नेरचौक। सुंदरनगर उपमंडल की बीणा पंचायत के नगारडा गांव में पेड़ से गिरने के कारण 54 वर्षीय टेकचंद राव भूतपूर्व सैनिक की मौत हो गई। टेकचंद गत शनिवार को सात दिन पहले अचानक घास निकालती बार पेड़ से गिर गया था और गंभीर रूप से घायल हुआ था। घायल अवस्था में परिजनों ने उन्हें एम्स बिलासपुर में दाखिल करवाया, जहां इनका उपचार चल रहा था। रविवार को चिकित्सकों ने ऑपरेशन रखा था, मगर सुबह उनकी अचानक तबीयत बिगड़ी और प्रातः 7 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। टेकचंद राव ने 26 वर्ष तक अर्ध सैनिक बल (पैरामिलिट्री) में अपनी सेवाएं दी तथा 26 साल सेवा देने के उपरांत उन्होंने घर की समस्याओं के मध्य नजर एएसआई के पद से छत्तीसगढ़ से सेवानिवृत्ति ली। वे अपने पीछे माता चिंता देवी, पत्नी छमा देवी, बेटी शानू तथा बेटे भानु प्रताप को छोड़ गए। उनके पिता दीना नाथ की आठ माह पूर्व बीमारी के कारण मौत हो गई थी। मृद भाषी एवं मिलनसार प्रवृत्ति के भूतपूर्व सैनिक टेकचंद राव की मौत की खबर सुनकर क्षेत्र में शोक की लहर है। रविवार शाम को उनके पैतृक गांव में उनका दाह संस्कार किया गया। बेटे भानु प्रताप ने उन्हें मुख अग्नि दी तथा शव यात्रा में क्षेत्र के सैकड़ों लोग शामिल हुए। स्थानीय पंचायत प्रधान कर्म सिंह राव ने बताया कि टेकचंद बहुत ही नेक इंसान थे उनके चले जाने से गांव को बहुत बड़ी क्षति हुई है।

मंडी जिले में राजस्व अदालतों से मामलों के निपटारे की रफ्तार तेज

दो साल में निपटाए 32 हजार से अधिक लंबित मामले

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

प्रदेश सरकार द्वारा राजस्व मामलों के निपटारे को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के परिणामस्वरूप मंडी जिले में आयोजित राजस्व अदालतों ने लंबे समय से लंबित हजारों मामलों का समाधान कर लोगों को बड़ी राहत दी है। अक्तूबर, 2023 से अक्तूबर, 2025 तक जिले में कुल 24 राजस्व अदालतें आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें इंतकाल, तकसीम, निशानदेही और राजस्व दुरुस्ती जैसे मामलों का तेजी से निपटारा किया गया है।

इस पहल ने न केवल राजस्व प्रशासन की कार्य गति बढ़ाई है, बल्कि जनता का विश्वास भी मजबूत किया है। राजस्व अदालतों का आयोजन राज्यभर में अक्तूबर, 2023 में शुरू किया गया था। शुरुआत में केवल इंतकाल से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई, लेकिन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए दिसंबर, 2023 में तकसीम और फरवरी, 2024 में राजस्व दुरुस्ती तथा निशानदेही से जुड़े मामलों को भी शामिल कर लिया गया। जिले में इन अदालतों के माध्यम से इंतकाल के 30641 मामले, तकसीम के 970 मामले, निशानदेही के 663 मामले और राजस्व दुरुस्ती के 413 मामले निपटाए जा चुके हैं। इस प्रक्रिया से लंबे समय से रुके हुए मामलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है और लोगों को अपने क्षेत्र में ही समय पर समाधान प्राप्त होने लगा है। शिव कुमार गांव खरोट, सरकाघाट ने राजस्व लोक अदालत जैसी योजना के लिए प्रदेश सरकार का धन्यवाद किया है। पहले इंतकाल करवाने के लिए 50-50 किलोमीटर का सफर करना पड़ता था, लेकिन अब राजस्व लोक अदालत द्वारा घरद्वार पर इंतकाल, तकसीम करवाने की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि उन्होंने भी सरकाघाट में जमीन खरीदी थी, जिसकी तकसीम 2010 से अब तक लगभग 15 सालों तक नहीं हुई थी, लेकिन राजस्व लोक अदालत के माध्यम से अब तकसीम और इंतकाल का काम हो चुका है। रणजीत सिंह, गांव टटीह सरकाघाट ने बताया कि उनकी भी तकसीम भाई के साथ थी, जोकि शीघ्र ही निपटा दी गई। पहले लोगों को तहसील कार्यालयों के कई बार चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय की बड़ी बर्बादी होती थी। पूरा दिन इन कामों में चला जाता था, फिर भी काम नहीं हो पाता था। अब मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अगवाई में सरकार ने जो राजस्व लोक अदालत की योजना चलाई है, उससे लोगों के तकसीम, इंतकाल के काम मौके पर ही निपटाए जा रहे हैं। इयके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

इंतकाल के 30641 मामलों का किया निपटारा

> **राजस्व** अदालतों के निरंतर आयोजन ने लोगों को वास्तविक राहत प्रदान की है और सरकार की संवेदनशीलता तथा जनकल्याण की प्रतिबद्धता का सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहा है। प्रशासन का लक्ष्य है कि किसी भी नागरिक को छोटी-छोटी राजस्व प्रक्रियाओं के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। राजस्व अदालतों ने गांव और तहसील स्तर पर सरल, पारदर्शी और सुलभ सेवा व्यवस्था प्रदान की है, जिससे जनता का भरोसा बढ़ा है और जनभागीदारी भी मजबूत हुई है।
>
> **-अपूर्व देवगन, उपायुक्त, मंडी।**

न्यूज ब्रीफ

बरोट के नीतिन राष्ट्रीय हैंडबाल टीम के लिए चयनित

अनंत ज्ञान, बरोट। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल पाठशाला मंडी में आयोजित राज्यस्तरीय हैंडबाल प्रतियोगिता में मंडी की टीम विजेता रही, जिसमें बरोट स्कूल के छात्र नीतिन सकलानी का चयन राष्ट्रीय स्तर की हैंडबाल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। पीटीआई रमेश चंद ने बताया कि नीतिन 27 दिसंबर से 2 जनवरी तक हमीरपुर में कोचिंग लेंगे तथा 5 से 10 जनवरी को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगा।

किसानों के लिए कृषि एवं पशुपालन सलाह जारी

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर ने कृषि विज्ञान केंद्र सुंदरनगर के माध्यम से किसानों को दिसंबर के प्रथम पखवाड़े की सलाह जारी की है। गेहूं की पछेती किस्में एचपीडब्ल्यू-373, एचएस-490, वीएल-892 तथा निचले क्षेत्रों में एचडी-3086 को 10 किग्रा बीज प्रति बीघा की दर से बोने व बीजाई के समय 12-32-16 व यूरिया डालने की अनुशंसा की गई है। खरपतवार नियंत्रण हेतु वेस्टा तथा चौड़ी पत्ती के लिए 2,4-डी उपयोग करें। सब्जियों में प्याज 15-20 सेमी दूरी पर लगाएं तथा आलू 2 क्विंटल बीज प्रति बीघा बोएं। पशुओं को ठंड से बचाएं, टीकाकरण करवाएं और गुनगुना पानी दें। मछली पालन में पानी छह फुट रखें और दाना कम करें।

स्पोर्ट्स ओलंपियाड के आज होंगे फाइनल मुकाबले

भीम बसेडू राजपूत, अनंत ज्ञान। महादेव। भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा बीएसएल परियोजना सुंदरनगर में आयोजित बीबीएमबी इंटर प्रोजेक्ट स्कूल स्पोर्ट्स ओलंपियाड के दूसरे दिन विभिन्न खेल स्पर्धाओं में प्रतिभागी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बीएसएल परियोजना के डिप्टी चीफ इंजीनियर कश्मीर सिंह ठाकुर ने बताया कि ओलंपियाड के फाइनल मुकाबले 8 दिसंबर को आयोजित किए जाएंगे। फाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। छात्रों में खेल भावना और प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह विकसित करने के उद्देश्य से इस ओलंपियाड का आयोजन किया जा रहा है। इस खेल महोत्सव में अंडर-14 और अंडर-19 वर्ग में लड़कों एवं लड़कियों की एथलेटिक्स, कबड्डी और बैडमिंटन प्रतियोगिताएं करवाई जा रही हैं। इंजीनियर कश्मीर सिंह ठाकुर ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में सरकारी बीएसएल सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल सुंदरनगर, सरकारी बीएसएल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सुंदरनगर, बीबीएमबी डीएवी स्कूल तलवाड़ा, बीबीएमबी डीएवी स्कूल नंगल के अलावा गंगूवाल और सलापड़ स्थित बीबीएमबी के स्कूलों के 300 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इस अवसर पर एक्सईएन गुलशन मान, प्रिंसिपल मनजीत सिंह के साथ बीएसएल परियोजना के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

महाकाल संस्था का किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं : राजकुमार

अनंत ज्ञान, बरोट। हिमाचल ब्लड टाइगर बैजनाथ महाकाल संस्था ने स्पष्ट किया है कि संस्था का किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है और वह केवल आपदा-ग्रस्त एवं जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए समर्पित है। संस्था के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने कहा कि यह समय राजनीति या दिखावे का नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के साथ खड़े होने का है। संस्था पारदर्शिता और निस्वार्थ भाव से सेवा करती आई है और आगे भी इसी भावना से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि समाज में बदलाव तभी आएगा, जब हम स्वार्थ से ऊपर उठकर दूसरों की भलाई के लिए काम करें। जरूरतमंदों तक सही समय पर सहायता पहुंचाना ही संस्था का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि यदि भविष्य में किसी को भी रक्त की आवश्यकता पड़े तो वे संस्था के मोबाइल नंबर 8219266240 पर संपर्क करें, और संस्था शीघ्र ही रक्त उपलब्ध करवाने का प्रयास करेगी। शर्मा ने देश-प्रदेश के लोगों से अपील की कि वे इस नेक कार्य में निस्वार्थ भाव से सहभागी बनें।

कांग्रेस सरकार का तीन साल का कार्यकाल पूरी तरह फ्लॉप : रजत

कहा- 2027 में भारी बहुमत से लौटेगी भाजपा सरकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

धर्मपुर भाजपा नेता रजत ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वर्तमान सरकार का तीन साल का कार्यकाल पूरी तरह फ्लॉप शो साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस अवधि में न तो विकास की गति बढ़ी, न ही जनता को राहत मिली। इसके उलट हर वर्ग किसान, बागवान, कर्मचारी, व्यापारी, युवा सब परेशान और निराश होते गए। रजत ने कहा कि जिन वादों और बड़े-बड़े दावों के साथ यह सरकार सत्ता में आई थी, उनमें से एक भी वादा धरातल पर उतरता नहीं दिखा।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था चरमराई, विकास परियोजनाओं की रफ्तार थमी पड़ी है और रोजगार के नाम पर युवाओं को सिर्फ 'जुमले' परोसे गए हैं। उन्होंने कहा कि तीन साल में अगर कुछ आगे बढ़ा है, तो वह है जनता का दुख और सरकार की नाकामियां। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश का माहौल पूरी तरह बदल चुका है और जनता अब बदलाव के मूड में है। 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी और प्रदेश में स्थिर, सक्षम व पारदर्शी शासन लाएगी। हर भाजपा कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच सक्रिय हैं और वर्तमान सरकार की नीतियों व नाकामियों को आम लोगों के सामने रख रहे हैं, ताकि उन्हें वास्तविक स्थिति का पता चल सके। रजत ठाकुर ने अंत में कहा कि आने वाले समय में भाजपा एक मजबूत विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि जनता की पहली पसंद के रूप में उभरेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया कि वे आने वाले चुनावों के लिए अभी से कमर कस लें और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाएं।

सरकार और युवा कांग्रेस सिर्फ मोर्चे निकालकर खुद को सक्रिय दिखाने की कर रही कोशिश : चंदन पंडित

रूपी ठाकुर, अनंत ज्ञान, बरोट। बरोट क्षेत्र में युवा कांग्रेस द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों पर भाजपा युवा मोर्चा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजयुमो प्रदेश सचिव चंदन पंडित ने कहा कि हिमाचल की कांग्रेस सरकार और युवा कांग्रेस दोनों ही युवाओं के मुद्दों पर पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, सरकारी पद रिक्त पड़े हैं और भर्ती प्रक्रियाएं महीनों नहीं बल्कि वर्षों से लंबित हैं, लेकिन इसके बावजूद सरकार और युवा कांग्रेस सिर्फ नाटकीय मार्च निकालकर खुद को सक्रिय दिखाने की कोशिश कर रही है। चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे करने वाली कांग्रेस सरकार अब उन वादों को पूरा करने से भाग रही है, न भर्ती कैलेंडर जारी हो रहा है, न लंबित भर्तियां पूरी की जा रही हैं और न ही नए अवसर पैदा किए जा रहे हैं।

पंडित ने कहा कि विभाग स्वयं नहीं जानते कि किस पद पर भर्ती कब होगी, और युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन युवाओं के हित में नहीं बल्कि सरकार की नाकामियों से ध्यान हटाने का प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि युवा कांग्रेस नेता फोटो-सेशन और पोस्टरबाज़ी में व्यस्त हैं, जबकि युवाओं को बार-बार निराश किया जा रहा है। कांग्रेस सरकार की प्रशासनिक सुस्ती युवा वर्ग के साथ सीधा अन्याय है और आने वाले समय में यह लापरवाही कांग्रेस के लिए भारी पड़ेगी। भाजयुमो ने स्पष्ट किया कि बेरोजगारी, देरी और नाकामी की इस राजनीति को बेनकाब करता रहेगा तथा युवाओं की आवाज को सड़क से सदन तक उठाने के लिए संघर्ष तेज करेगा।

नेशनल एथलेटिक्स मीट में खेलेगा चौंतड़ा स्कूल का छात्र अरुण

चौंतड़ा विद्यालय का अरुण स्कूल स्टाफ के साथ सामूहिक चित्र में।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चौंतड़ा का छात्र अरुण राष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट में हिमाचल का 400 मीटर रेस में प्रतिनिधित्व करेगा। अरुण ने अंडर-17 छात्र वर्ग की एथलेटिक्स मीट में राज्यस्तर पर 400 मीटर की दौड़ को 52 सेकेंड में पूरा कर सिल्वर मेडल हासिल कर अपने स्कूल व जिले का नाम रोशन किया था। राज्यस्तरीय एथलेटिक्स मीट नवंबर माह में हमीरपुर में अयोजित हुई थी। अरुण ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय एथलेटिक्स मीट के लिए क्वालिफाई किया था। अरुण नेशनल एथलेटिक्स मीट में हिस्सा लेने के पहले 8 दिसंबर से 10 दिसंबर तक नेशनल कोचिंग कैंप, जिसका अयोजन राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हमीरपुर में होगा। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर नेशनल एथलेटिक्स मीट का अयोजन 13 से 17 दिसंबर लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित की जाएगी। स्कूल के प्रधानाचार्य वीरेंद्र पाल, डीपीई संतोष ठाकुर, पीईटी धर्म सिंह व राजेंद्र सिंह सहित स्कूल स्टाफ, स्कूल प्रबंधन समिति ने अरुण को बधाई दी है।

अभिलाषी ग्रुप ने किया अभिलाषी दर्पण 2025 पत्रिका का विमोचन

अभिलाषी दर्पण 2025 पत्रिका का विमोचन करते ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरके अभिलाषी।

अनिल शर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

मंडी। करियर काउंसिलिंग के लिए अभिलाषी ग्रुप का जागरूकता अभियान प्रदेशभर में सोमवार से शुरू हो जाएगा। जागरूकता अभियान के आगाज के लिए अभिलाषी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरके अभिलाषी ने रविवार को अभिलाषी ग्रुप के पत्रिका अभिलाषी दर्पण 1025 के नए अंक का नेरचौक में विमोचन किया।

डॉ. अभिलाषी ने बताया कि पिछले 24 सालों से अभिलाषी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन और अभिलाषी यूनिवर्सिटी के माध्यम से प्रदेश के युवाओं बेहतरीन सुविधाओं के साथ क्वालिटी एजुकेशन मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में अभिलाषी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन और अभिलाषी यूनिवर्सिटी 68 के करीब कोर्स चलाए जा रहे हैं। डॉ. अभिलाषी ने बताया कि अभिलाषी दर्पण में वर्तमान में चलाए जा रहे और भविष्य में चलाए जाने वाले कार्सों छात्रों के लिए मुहैया सुविधाओं और फीस स्ट्रक्चर आदि का पूरा विवरण दिया है। उन्होंने बताया कि अभिलाषी ग्रुप की टीमें अभिलाषी दर्पण के साथ सोमवार से प्रदेश में युवाओं से संपर्क करेगी और करियर को लेकर युवाओं का मार्गदर्शक करेगी। इस मौके पर सचिव नरेंद्र कुमार और अभिलाषी यूनिवर्सिटी के डीन एकेडेमिक डॉ. एसके शुक्ला भी मौजद रहे।

आयोजन टिक्करी सधवानी स्कूल में सड़क सुरक्षा पर आयोजित की विभिन्न प्रतियोगिताएं

स्लोगन लेखन स्पर्धा में शिवानी प्रथम

अनंत ज्ञान, सरकाघाट

विजेताओं को सम्मानित किया।

उपमंडल सरकाघाट की राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टिक्करी सधवानी में सड़क सुरक्षा क्लब के तहत सड़क सुरक्षा जागरूकता विषय पर प्रश्नोत्तरी, स्लोगन लेखन, पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सरस्वती सदन ने प्रथम और गंगा सदन ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

स्लोगन लेखन में जूनियर वर्ग में शिवानी (यमुना सदन) प्रथम और गौरव (गंगा सदन) द्वितीय रहे। सीनियर वर्ग में सानिया (गंगा सदन) प्रथम, कृतिका (यमुना सदन) द्वितीय और दीक्षा (सरस्वती सदन) तृतीय स्थान पर रहीं। पेंटिंग प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में रवी (सरस्वती सदन) प्रथम, पल्लवी (गंगा सदन) द्वितीय और शिवानी (यमुना सदन) तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, सीनियर वर्ग में दीक्षा (सरस्वती) प्रथम, स्वेता (सरस्वती) द्वितीय और साहिल (गंगा) तृतीय स्थान पर रहे। भाषण प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में अंशिका ठाकुर (यमुना) प्रथम, कोमल (सरस्वती) द्वितीय और अंशिका शर्मा (गंगा) तृतीय रहीं। जूनियर वर्ग में निकिता (सरस्वती) प्रथम, प्रिया (यमुना) द्वितीय और दीक्षा (गंगा) तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य कुलवीर सिंह ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी विनोद वर्मा सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

नाबालिगा के गर्भवती पाए जाने पर मामला दर्ज

अनंत ज्ञान, मंडी। पधर थाने में नाबालिग के गर्भवती पाए जाने का मामला दर्ज किय गया है। यह कार्रवाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरोट, तहसील पधर, जिला मंडी की चिकित्साधिकारी डॉ. इशिता वर्मा के शिकायत पत्र पर की गई। शिकायत के अनुसार 6 दिसंबर को लगभग प्रातः 10 बजकर 30 मिनट पर एक नाबालिग लड़की अपने परिजनों के साथ मासिक धर्म में विलंब, पीठ दर्द और उल्टी आने की शिकायत लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंची। डॉ. इशिता वर्मा ने चिकित्सकीय जांच के उपरांत मूत्र गर्भावस्था परीक्षण करवाया, जिसमें रिपोर्ट सकारात्मक आई। नाबालिगा की आयु 17 वर्ष बताई गई है तथा परीक्षण में उसके गर्भवती होने की पुष्टि हुई है। चिकित्साधिकारी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत प्राथमिकी दर्ज करके मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

नशा मुक्त व सुसंस्कारित समाज के निर्माण में दें योगदान : विवेक सिंह

अनंत ज्ञान, ऊना

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर ने सभी नागरिकों से नशा मुक्त और सुसंस्कारित समाज के निर्माण में योगदान का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि संस्कारयुक्त और जागरूक समाज का निर्माण प्रत्येक नागरिक के आत्म-संकल्प और व्यक्तिगत आचरण से ही संभव है। न्यायमूर्ति ने सभी से अनुरोध किया कि वे नशा उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण को व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में अपनाएं और समाज को सही दिशा देने में सक्रिय योगदान दें। वे रविवार को लता मंगेशकर कला केंद्र, ऊना में आयोजित विशाल विधिक साक्षरता शिविर में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। यह शिविर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊना के सहयोग से आयोजित किया गया था। शिविर का मुख्य फोकस दो विषयों, नशा मुक्त समाज-भारत का संकल्प तथा पर्यावरण संरक्षण-भूमंडल रक्षण पर केंद्रित रहा। ठाकुर ने कहा कि समाज की समस्याओं का मूल समाधान सही मूल्यों और संस्कारों में निहित है। उन्होंने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा से समाज में 'राम' जैसे आदर्श जन्म लेते हैं, जबकि संस्कारहीन शिक्षा रावणों को जन्म देती है। हमें यह तय करना होगा कि हम अपने समाज में कौन-से गुणों का विकास चाहते हैं। विवेक सिंह ठाकुर ने नशे को भारत की युवा शक्ति के लिए सबसे बड़ा विनाशकारी कारक बताया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र को दुर्बल करने का सबसे आसान तरीका उसकी युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त में धकेल देना है। यदि युवा दिशाहीन हो जाएं, तो समाज और राष्ट्र, दोनों की कमजोर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में युवा शक्ति ने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। आज के युवाओं को उन महान विभूतियों के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। कितने महापुरुषों ने राष्ट्र निर्माण में जीवन लगाया है। आज के युवा कभी अवसाद या छोटी-सी परेशानी में नशे का सहारा न लें। उन्होंने याद दिलाया कि स्वतंत्रता सेनानियों ने कितनी कठिन परिस्थितियों और यातनाओं के बावजूद राष्ट्र निर्माण का रास्ता नहीं छोड़ा। उन्होंने चेताया कि पर्यावरण की हानि केवल एक मुद्दा नहीं, बल्कि समूची मानव जाति के अस्तित्व से जुड़ा संकट है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी जीवनशैली और व्यवहार को प्रकृति-हितैषी बनाना होगा। केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि अपने आचरण में बदलाव लाकर ही पर्यावरण संरक्षण संभव है। न्यायमूर्ति ने कहा कि हमारे शास्त्र केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं हैं, बल्कि उनमें जीवन को सही दिशा देने वाली अमूल्य शिक्षाएं हैं। युवा उन्हें उसी दृष्टि से पढ़ें। उन्होंने कहा कि सृष्टि हमें सब कुछ देती है, हमें भी समाज और प्रकृति को कुछ लौटाने की भावना विकसित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य का मन उसका मित्र भी है और शत्रु भी। यदि मन के अधीन हो जाएं तो वह शत्रु बनकर बुरी आदतों की ओर ले जाता है, परंतु यदि मन को अपने अधीन कर लें तो वही मन श्रेष्ठ गुणों और समाज की भलाई की दिशा में प्रेरित करता है। न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर ने सभी से आग्रह किया कि वे नशा उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, संवेदनशीलता, संस्कार और जिम्मेदार नागरिकता को अपने जीवन का संकल्प बनाएं।

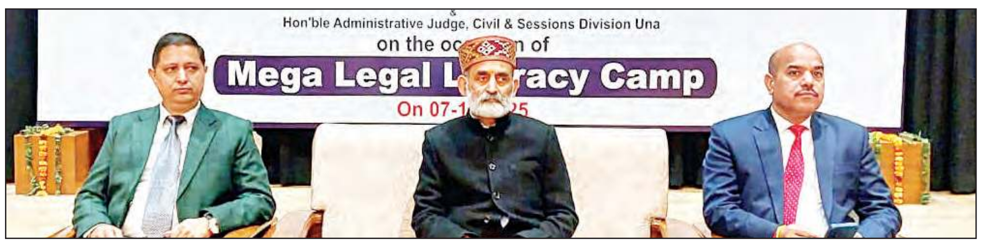

रविवार को लता मंगेशकर कला केंद्र, ऊना में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर व अन्य।

नारी शक्ति है सामाजिक बदलाव की धुरी : डॉ. मुक्ता ठाकुर

कार्यक्रम में विशिष्टातिथि के रूप में पधारीं प्रख्यात शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. मुक्ता ठाकुर ने कहा कि सशक्त समाज का निर्माण केवल शिक्षा, संस्कृति और संस्कार के समन्वय से ही संभव है। उन्होंने भगवद्गीता, वेद और पुराणों के नीति वाक्यों और कथाओं को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हुए बताया कि ये जीवन के मूल सिद्धांत और आचरण के आदर्श प्रदान करते हैं। उन्होंने युवाओं और नागरिकों से आग्रह किया कि वे शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखें, बल्कि संस्कारयुक्त शिक्षा को अपनाकर समाज में नैतिकता, जिम्मेदारी और सकारात्मक बदलाव लाएं।

समाज को लेनी होगी सुधार की जिम्मेदारी : नरेश कुमार

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऊना नरेश कुमार ने नशा निवारण और पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए कहा कि नशा व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से नष्ट कर देता है। उन्होंने कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए केवल कानून पर निर्भर रहने के बजाय समाज को स्वयं आगे आना होगा। उन्होंने जल, जंगल और जमीन को हमारे अस्तित्व का मूल आधार बताते हुए कहा कि प्लास्टिक, प्रदूषण, जंगलों की कटाई और अनियंत्रित मानव गतिविधियां समय की चुनौती हैं। छोटे-छोटे कदम लेते, मिलकर हमें सुधार की बढ़ना है।

जन-जागरूकता को प्रयासरत है प्राधिकरण : रंजीत सिंह

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव रंजीत सिंह ने अपने संबोधन में नशा निवारण और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान का उल्लेख किया। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इन प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने व्यवहार में बदलाव लाकर समाज को सही दिशा दें। उन्होंने चेताया कि यदि हम अनियंत्रित गतिविधियों से पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते रहेंगे तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ पहाड़ियों का वातावरण सुनिश्चित नहीं कर पाएंगे। साथ ही, नशे की चुनौती से निपटने के लिए समाज को सक्रिय होकर आगे आना होगा।

कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में कार्यकर्ता के काम को मिले तरजीह : यशपाल

अनंत ज्ञान, गगरेट। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे को फिर से विकसित करने में जुटी आलाकमान को सुझाव देते हुए जिला कांग्रेस के पूर्व महासचिव राणा यशपाल ने कहा कि संगठन निर्माण की किसी भी प्रक्रिया में कार्यकर्ता के काम, सक्रियता और जज्बे को तरजीह मिलनी चाहिए न कि किसी सिफारिश को। कांग्रेस की शक्ति सदैव उसके जमीनी कार्यकर्ताओं में रही है। वे लोग जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी पार्टी का झंडा ऊंचा रखा। ऐसे कार्यकर्ताओं की भावना औय योगदान को उचित सम्मान मिलना अत्यंत आवश्यक है। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में राणा यशपाल ने कहा कि प्रदेश संगठन में पारदर्शिता, संवाद और संतुलन स्थापित करने से पार्टी और अधिक मजबूत होकर उभर सकती है। ब्लाक और जिला स्तर पर नियमित बैठकें तथा कार्यकर्ताओं की बात को गंभीरता से सुनना एक स्वस्थ संगठन के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे। हिमाचल प्रदेश में कांगरेस संगठन इस समय पुनर्संरचना और आत्ममंथन की आवश्यकता महसूस कर रहा है। वर्षों से पार्टी से जुड़े समर्पित करार्यकर्ताओं की यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि संगठन को मजबूत करते समय उनके अनुभव, योगदान और निष्ठा को प्राथमिकता मिले। कांग्रेस एक विचार और संघर्ष की विरासत है। इसे आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि निर्णय प्रक्रिया में हर समर्पित कार्यकर्ता की भूमिका को स्वीकार किया जाए। यूं भी आने वाले समय में कांग्रेस संगठन को प्रदेश में विधानसभा चुनाव का सामना करना है। इसके लिए अति आवश्यक हो जाता है कि संगठन को अभी से और मजबूत किया जाए। अगर अब भी संगठन के पुनर्गठन में नरमी बरती गई, तो इसके परिणाम आने वाले विधानसभा चुनाव में भुगतने पड़ सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

होमगार्ड परिसर में मंगलवार को भंडारा

अनंत ज्ञान, मुबारिकपुर। गृह-रक्षा वाहिनी प्रशिक्षण केन्द्र मुबारिकपुर में हर वर्ष की भांती इस वर्ष भी 9 दिसंबर 2025 दिन मंगलवार माता रानी के आर्शिवाद से कीर्तन आदि के वाद विशाल भण्डारे का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी गृह रक्षा 12वी वाहिनी ऊना हितेश लखनयाल ने दी हैं। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को बढ़ चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया है।

गृह रक्षकों की मांगों पर गौर करो सरकार

अनंत ज्ञान, मुबारिकपुर। हिमाचल प्रदेश गृह रक्षक कल्याण संघ के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह चौहड़िया ने बताया कि हिमाचल होमगार्ड अपना 63वां स्थापना दिवस मना रहा है। संगठन की शुरुआत 6 दिसंबर 1946 को हुई थी, जबकि हिमाचल में इसकी नींव 6 दिसंबर 1962 को पड़ी। नियमों के अनुसार स्वयंसेवक भारतीय नागरिक, हिंदी पढ़-लिख सकते हों, शारीरिक रूप से फिट और किसी व्यवसाय से जुड़ा होना अनिवार्य है। ड्यूटी के दौरान होमगार्ड को सरकारी कर्मचारी माना जाता है। चौहड़िया ने कहा कि अब संगठन का मूल स्वरूप बदल गया है। पहले इसमें विभिन्न पेशेवर नागरिक शामिल थे, लेकिन अब भर्ती सेना और पुलिस जैसी शारीरिक परीक्षा पर आधारित है, जिससे आम नागरिकों की भागीदारी कम हो गई है।

दिव्यांशु का प्री-आरडी कैंप के लिए चयन

अनंत ज्ञान, ऊना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हटली के छात्र दिव्यांशु ने अपनी उत्कृष्ट योग्यता और मेहनत के बल पर पीआरडी कैंप के लिए चयन प्राप्त किया है। दिव्यांशु के चयन से विद्यालय में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजपाल सिरोही ने दिव्यांशु को बधाई देते हुए कहा कि यह चयन उनके अनुशासन, मेहनत और लगन का परिणाम है।

लेफ्टिनेंट कर्नल एसके कालिया ने डीसी को लगाया सेना झंडा

अनंत ज्ञान, ऊना

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के उपलक्ष्य पर रविवार को उपनिदेशक, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड, लेफ्टिनेंट कर्नल एसके कालिया ने उपायुक्त ऊना जतिन लाल को सेना झंडा लगाया।

इस अवसर पर उपायुक्त जतिन लाल ने कहा कि झंडा दिवस का मुख्य उद्देश्य उन वीर सैनिकों और शहीदों के परिजनों की सहायता करना है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि झंडा दिवस हमारे वीर जवानों की स्मृतियों को अमर बनाने के साथ-साथ उनके अदम्य साहस, शौर्य, त्याग और बलिदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। उपायुक्त ने जिला के सभी नागरिकों से अपील की कि वे झंडा दिवस पर उदारतापूर्वक योगदान दें। उन्होंने बताया कि झंडा दिवस पर संग्रहित धनराशि का उपयोग सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों के कल्याण पर किया जाता है।

नंदपुर पुल के पास कार-बाइक की टक्कर, एक की मौत

अनंत ज्ञान, अंब। थाना अंब के अंतर्गत नंदपुर पुल के समीप रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा घटित हुआ। इसमें बाइक सवार व्यक्ति की जान चली गई। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार अमरजीत पुत्र ब्रहम देव महतो निवासी सिमरिया (बेगूसराय, बिहार) हाल रिहायश नंदपुर, सुबह करीब 5:50 बजे नंदपुर पुल के पास जा रहा था। उसी समय मोटरसाइकिल नंबर एचपी 19एफ-5057 पर सवार मदन शर्मा (उम्र 46 वर्ष), निवासी अप्पर अन्दौरा, ऊना की दिशा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ऊना की तरफ से आ रही कार (नंबर एचपी 97 ए-4758), जिसे एक अज्ञात व्यक्ति चला रहा था, तेज रफ्तार में गलत दिशा से आई और उसने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक सवार सड़क के बाईं ओर नीचे झाड़ियों में जा गिरा। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से कार सहित फरार हो गया और अंब की ओर भाग गया। स्थानीय लोगों की सहायता से घायल मदन शर्मा को तुरंत सीएचसी अंब पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ बी एन एस व मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है तथा फरार कार चालक की तलाश जारी है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर उपमुख्यमंत्री मुकेश ने किया अंशदान, प्रदेशवासियों से योगदान की अपील

अनंत ज्ञान, ऊना

सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर गोंदपर जयचंद में उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए अंशदान किया। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, ऊना के उपनिदेशक कर्नल (सेवानिवृत्त) एसके कलिया ने उपमुख्यमंत्री और उनके निजी स्टाफ को सशस्त्र सेना का झंडा लगाकर उनसे योगदान प्राप्त किया।

उपमुख्यमंत्री ने सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए अंशदान किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना के वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रित परिवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष 7 दिसंबर को मनाया जाने वाला सशस्त्र सेना झंडा दिवस उन अमर वीरों को समर्पित है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए या गंभीर रूप से घायल हुए।

उन्होंने बताया कि इस दिवस पर लगाए जाने वाले विशेष झंडे के माध्यम से एकत्रित राशि शहीद सैनिकों के परिजनों, अपंग सैनिकों और पूर्व सैनिकों के कल्याण पर खर्च की जाती है। यह दान राशि पूरी तरह से आयकर मुक्त होती है। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आवाहन किया कि वे इस पुनीत कार्य के लिए अधिक से अधिक योगदान देकर देश के वीर सैनिकों के प्रति अपना सम्मान प्रकट करें। इसके बाद उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने अपने आवास पर स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया तथा शेष मामलों को संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटाने के निर्देश दिए।

1.174 किलो चरस सहित दो आरोपी गिरफ्तार

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना

जिला पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए बरनोह कुरियाला मोड़ पर एक प्राइवेट बस से 1 किलो 174 ग्राम चरस बरामद की है।

यह बरामदगी इस वर्ष की अब तक की सबसे बड़ी चरस खेप मानी जा रही है। पुलिस ने जिला पुलिस अधीक्षक अमित यादव के दिशा-निर्देशों पर चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की। सूत्रों के अनुसार, भोटा से ऊना की ओर जा रही प्राइवेट बस की नियमित जांच के दौरान पुलिस टीम को दो यात्रियों पर संदेह हुआ। निरीक्षक सुनील कुमार संख्यान के नेतृत्व में टीम ने बस को रोका व तलाशी प्रक्रिया शुरू की। तलाशी के दौरान दो संदिग्ध यात्रियों के सामान से 1.174 किलो उच्च गुणवत्ता की चरस बरामद हुई। आरोपियों की पहचान चेतराम निवासी व तारा देवी निवासी वालीचौकी के रूप में हुई है। दोनों को मौके पर ही दबोच लिया गया और उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच आगे बढ़ा दी गई है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को कई अहम जानकारियां मिलने की उम्मीद है। इनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अमित यादव ने कहा कि यह बरामदगी जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चल रही मुहिम की एक बड़ी उपलब्धि है। जिला पुलिस लगातार नशे के व्यापारियों के खिलाफ सतर्कता, चौकसी और मजबूत नेटवर्किंग के साथ काम कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप ऐसे अपराधियों को जेल के सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है।

बाइक सवार युवकों से 10.50 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना। जनपद के थाना मैहतपुर के तहत इंडस्ट्रियल एरिया चौक से पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को चिट्टा सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंश द्विवेदी निवासी बास (नंगल) और मोहित कुमार निवासी जखेड़ा के रूप में की गई है। पुलिस ने उनके कब्जे से 10.50 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। जानकारी के अनुसार, शनिवार देर शाम मैहतपुर इंडस्ट्रियल एरिया में पुलिस ने नाकाबंदी की हुई थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक बुलेट बाइक पर दो युवक तेज आवाज में पटाखे मारते हुए इलाके की ओर आ रहे हैं। कुछ ही देर बाद वही बाइक नाकाबंदी प्वाइंट पर पहुंची, जिसे पुलिस ने तुरंत रोक लिया। बाइक रुकते ही दोनों युवक हड़बड़ा गए और पूछताछ के दौरान असहज व्यवहार करने लगे। उन्होंने तलाशी देने से भी मना कर दिया, जिससे पुलिस का शक व गहरा हो गया। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने जब बाइक के टूल बॉक्स की तलाशी ली तो उसमें छिपाकर रखा गया 10.50 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने चिट्टा व बाइक दोनों को कब्जे में ले लिया। पूछताछ में बाइक चालक अंश द्विवेदी ने खुलासा किया कि उन्हें यह चिट्टा भटौली के एक युवक 'सनम' ने सप्लाई किया था। पुलिस अब सप्लायर की भूमिका और नेटवर्क की जांच में जुट गई है। पुलिस अधीक्षक ऊना अमित यादव ने बताया कि दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने चिंतपूर्णी दरबार में लगाई हाजिरी

अनंत ज्ञान, ऊना। राज्य के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शनिवार देर शाम शक्तिपीठ माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना कर माता का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में पहुंचते ही पुजारी नव कालिया द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच उनका स्वागत किया गया और पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न करवाई गई। डिप्टी सीएम ने मां के पावन हवन कुंड में आहुतियां डालकर प्रदेश की शांति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए विशेष प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने माता रानी से प्रदेश में सबके लिए अच्छे स्वास्थ्य, सुख और खुशहाली की भी कामना की।माता श्री चिंतपूर्णी के प्रति डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री की गहरी आस्था जगजाहिर है। व्यस्ततम कार्यक्रमों के बीच भी वह समय निकालकर मां के दरबार में हाजिरी लगाने जरूर पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों ने भी डिप्टी सीएम के आगमन को माता चिंतपूर्णी के प्रति उनकी श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक बताया।

एचपीसीएल ने गगरेट में स्थापित किया ईवी चार्जिंग स्टेशन

अनंत ज्ञान, गगरेट

प्रदेश को हरित उर्जा राज्य बनाने के साथ-साथ प्रदूषण मुक्त राज्य बनाने की प्रदेश सरकार की पहल के बीच हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड ने गगरेट में अपना पहला ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया है। प्रदेश के प्रवेश द्वार गगरेट में एके पुरी फिलिंग स्टेशन पर अब ईवी चार्जिंग स्टेशन की सुविधा भी उपलब्ध हो गई है।

इसके चलते इलेक्ट्रिकल व्हीकल में आने वाले पर्यटकों को अब अपनी गाड़ी चार्ज करवाने की सुविधा मिलेगी। इलेट्रिकल व्हीकल को सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहन के बीच जहां प्रदेश सरकार भी ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना को लेकर गंभीर है तो वहीं पेट्रोलियम कंपनियां भी पेट्रोल पंपों पर ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना को लेकर कदम आगे बढ़ा रही हैं। इसी दिशा में हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने कदम आगे बढ़ाते हुए कंपनी का प्रदेश में पहला ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया है। हालांकि प्रदेश सरकार ने भी जिले में कई स्थान चिंहित किए हैं जहां ईवी चार्जिंग स्टेशन लगेंगे लेकिन अभी तक प्रदेश सरकार की ओर से कोई भी ईवी चार्जिंग स्टेशन जिला ऊना में अस्तित्व में नहीं आया है। प्रदेश को ग्रीन एनर्जी राज्य बनाने के लिए प्रदेश सरकार पहले की इलेक्ट्रिक व्हीकल को प्रोत्साहन देने के लिए पालिसी ला चुकी है। प्रदेश सरकार ने प्रदेश को ग्रीन एनर्जी राज्य बनाने के लिए 2026 का लक्ष्य रका हुआ है। ईवी स्टेशन की स्थापना के लिए प्रदेश सरकार ने पहले ही परवाणू-नालागढ़-ऊना-हमीरपुर-संसारपुर टैरस तथा बिलासपुर-हमीरपुर-कागड़ा और मंडी-धर्मशाला-कांगड़ा हाई-वे चिंहित किए हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पहले ही प्रदेश में तीन ग्रीन कोरीडोर हाई-वे बनाने की घोषणा कर चुके हैं। हिंदुस्तान पेट्रोलियम के एके पुरी फिलिंग स्टेशन पर स्थापित हुए ईवी चार्जिंग स्टेशन पर गाड़ी चार्ज करवाने के लिए 16.52 रुपये प्रति यूनिट शुल्क तय किए गए हैं। इससे मां चिंतपूर्णी सहित प्रदेश के विभिन्न देव स्थानों को जाने वाले श्रद्धालु ई-वाहनों के साथ प्रदेश की सैरगाहों के लिए इस रूट से निकलने वाले पर्यटक ई-वाहनों को यहां वाहन चार्ज करवाने की सुविधा मिलेगी। एके पुरी फिलिंग स्टेशन के विशाल पुरी व सन्नी पुरी ने बताया कि ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित होते ही चार्जिंग के लिए ईवी व्हीकल आने शुरू हो गए हैं।

एचपीसीएल द्वारा गगरेट में स्थापित किया पहला ईवी चार्जिंग स्टेशन।

दमखम

टीम के जज्बे और खेल कौशल की सराहना, अगले वर्ष बेहतर प्रदर्शन का लक्ष्य

जूनियर नेशनल थ्रोबॉल में हिमाचल का दमदार प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, लठियानी

महाराष्ट्र के मुंबई में आयोजित 35वीं जूनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश की जूनियर टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने पूरे टूर्नामेंट को नई दिशा दी।

जज्बा, जुनून और जबरदस्त खेल कौशल के दम पर हिमाचल के खिलाड़ियों ने हर चुनौती को बखूबी साधा और अपने मजबूत इरादों का लोहा मनवाया। हिमाचल प्रदेश की टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत ही शानदार अंदाज में की। ग्रुप मैच में केरल को 14-25 और 13-25 के अंतर से हराकर हिमाचल ने साफ संदेश दे दिया कि इस बार उनका लक्ष्य बड़ा है। सटीक सर्विस, धारदार स्मैश और दीवार जैसी डिफेंस ने दर्शकों तक पर गहरा प्रभाव छोड़ा। पहली जीत के बाद आत्मविश्वास से लबरेज हिमाचल के खिलाड़ियों ने तमिलनाडु को 16-25 और 12-25 से मात देकर अपने ग्रुप पर मजबूत पकड़ बना ली। हर पॉइंट पर खिलाड़ियों की फुर्ती, तालमेल और खेल की परिपूर्णता देखने लायक थी। तीन शानदार जीतों ने हिमाचल को क्वार्टरफाइनल में प्रबल दावेदार के रूप में पहुंचा दिया। खिलाड़ियों से लेकर प्रशिक्षकों तक पूरा दल उत्साह और आत्मविश्वास से भरा दिखाई दिया। क्वार्टरफाइनल मुकाबला तनाव और रोमांच से भरपूर रहा। हिमाचल ने हर सेट में उत्तर प्रदेश को दमदार चुनौती दी, पर बेहद नजदीकी अंतर से मैच 22-25 और 24-25 से यूपी के पक्ष में चला गया। हालांकि हार मिली, लेकिन हिमाचल की जुझारू खेल भावना ने हर किसी का दिल जीत लिया। टीम के उभरते सितारे आदर्श राणा और अभिनव भाटिया ने पूरे टूर्नामेंट में अपने शानदार स्मैश, दमदार सर्विस और बेहतरीन डिफेंस से विपक्ष को दबाव में रखा।

केरल, तमिलनाडु और मध्यप्रदेश के खिलाफ उनके योगदान को देखते हुए दोनों खिलाड़ियों को कई मैचों में 'मैन ऑफ द मैच' से सम्मानित किया गया। भले ही अंतिम चरण में टीम को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में हिमाचल के खेल की खूब प्रशंसा हुई। टीमवर्क, सटीक रणनीति, मजबूत फिटनेस और आक्रामक खेल ने सभी अधिकारियों, खिलाड़ियों और दर्शकों को प्रभावित किया। अधिकारियों ने हिमाचल की प्रतिभा को सराहा हिमाचल प्रदेश थ्रोबॉल के उपाध्यक्ष नरेश कुमार ने कहा कि टीम ने यह साबित कर दिया है कि हिमाचल की युवा प्रतिभा किसी भी बड़ी प्रतियोगिता में चमक सकती है। जिला ऊना थ्रोबॉल संघ की अध्यक्ष एवं सचिव सीमा शर्मा ने टीम के प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार देते हुए खिलाड़ियों के अनुशासन और कौशल की प्रशंसा की। फेडरेशन के विभिन्न पदाधिकारी रमन सनी, गौतम सिंह, गौतम धावी, अनिल शर्मा, संजय कुमार, इंदुबाला, यशवीर सिंह राणा और पूर्ण चंद की उपस्थिति ने भी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। प्रशिक्षक यशवीर सिंह राणा और पूर्ण चंद शर्मा ने कहा कि इस प्रतियोगिता से खिलाड़ियों के आत्मविश्वास और अनुभव में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। टीम अगले वर्ष और बेहतर रणनीति व मजबूत खेल के साथ वापसी करने के लिए तैयार है। अंतिम पलों में भले ही जीत छूट गई हो, पर हिमाचल ने पूरे भारत को यह संदेश दे दिया है कि उनकी युवा टीम किसी भी बड़ी चुनौती से पीछे नहीं हटती। आने वाले वर्षों में यह टीम राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊर्जा और नई ऊंचाइयों के साथ धमक जमाने को पूरी तरह तैयार है।

35वीं जूनियर राष्ट्रीय थ्रोबॉल प्रतियोगिता में प्रदेश की जूनियर टीम ने ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने पूरे टूर्नामेंट को नई दिशा दी।

भाजयुमो ऊना मंडल के अध्यक्ष साहिल बाली ने की कार्यकारिणी घोषित

तरुण जैलदार व अभय चौधरी बने महामंत्री

अनंत ज्ञान, ऊना

भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल ऊना के अध्यक्ष साहिल बाली ने मंडल की कार्यकारिणी का विस्तार कर नई टीम की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि यह नियुक्तियां ऊना सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतपाल सिंह सत्ती से चर्चा और मार्गदर्शन के बाद की गई हैं।

इसमें वार्ड नंबर 9 से विवेक मेहता, बहडाला से विनोद शर्मा, मलाहत से भूपिंद्र सिंह राणा, रक्कड़ कालोनी से मयंक शर्मा, लोअर देहलां से राधा रमन व लोअर अरनियाला से नीतिश कुमार को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेवारी दी गई। मलाहत के तरुण जैलदार व आबादा बाराना से अभय चौधरी को महामंत्री, लालसिंगी से मुकेश कुमार, अपर देहलां से गुरवचन गरेवाल, लोअर अरनियाला से दीपक सैनी, रामपुर से अजय चौधरी, जलग्रां से शिव राणा, अपर अरनियाला से राघव धीमान, बसोली से चमन लाल को सचिव बनाया गया। बारसड़ा से पंकज शर्मा को कोषाध्यक्ष, भडोलियां खुर्द से वीरेंद्र कुमार नोनी को सह कोषाध्यक्ष, वार्ड नंबर 6 ऊना से विकास पुरी को प्रवक्ता व मलाहत से मोहित दूबे को सह प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई।

रक्कड़ कालोनी से आदित्य जसवाल को सोशल मीडिया संयोजक, रक्कड़ कालोनी से मनीष शर्मा को सोशल मीडिया सह संयोजक, वार्ड नंबर 2 से विवेक शर्मा को मीडिया संयोजक, वार्ड नंबर 10 से सुधीर कुमार को सह मीडिया संयोजक, बहडाला से प्रताप राणा को आईटी संयोजक, अरनियाला से अभिषेक धीमान व रिजुल वशिष्ट को आईटी सह संयोजक, लोअर अरनियाला से अंशु पाबला को कार्यालय सचिव व बसोली से प्रखर धीमान को कार्यालय सह सचिव बनाया गया हैं। कार्यकारिणी सदस्यों में गुरमीत सैनी, विशाल कुमार, अशोक कुमार, राहुल, हरजिंद्र सिंह, दीपांशु ठाकुर, मनीष कुमार, सिदार्थ राणा, इंदर ढेसी, महिंद्र मनकोटिया, यश कौशल, सशांक सिंह, गगन, विनोद ठाकुर, अभिषेक बसरन, कर्ण लखनपाल, सौरभ वशिष्ट, विशाल, नरेंद्र माहल, जसविंद्र सिंह, अनमोल चौधरी, बॉबी राजपूत, सुलभ रायजादा, नितिन चौधरी, सौरभ चौधरी, जतिन चौधरी, हरजोत, पवन कुमार, जसप्रीत सिंह को शामिल हैं। साहिल बाली ने कहा कि युवा मोर्चा संगठन को और मजबूत बनाने, युवाओं को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ने तथा विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि नई टीम पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने का काम करेगी।

सरकार! यहां धरातल में कम, कागजों में ज्यादा हो रहा काम

सैंज घाटी के व्यापारियों व लोगों की पुकार कोई तो ले आपदा प्रभावित सैंज बाजार की सुध, सैंज बाजार में हांफ गई सरकारी मशीनरी की पावर, व्यवस्था परिवर्तन का नारा हुआ निरर्थक

कमलेश वर्मा, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सैंज। आपदा प्रभावित जिला कुल्लू के सैंज बाजार की मुख्य सड़क की हालत बेहद खराब है और लंबे समय से सड़क खराब होने के कारण लोगों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। सड़क निर्माण कार्य में लगातार देरी हो रही है, ऐसे में वाहन चालकों सहित राहगीरों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। आलम यह है कि प्रदेश सरकार पांच महीनों में भी सैंज बाजार के दोनों छोर को जोड़ तक नहीं पाई है। लिहाजा, सरकारी पावर की मार झेल रहे सैंज बाजार के कारोबारियों के अतिरिक्त घाटी के प्रभावित लोगों का जीवन पटरी पर नहीं आ रहा है। सैंज बाजार के बीचों-बीच 2 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से जहां यातायात पुल का निर्माण किया है, लेकिन सड़क न होने के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सैंज बाजार के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए काफी समय बर्बाद करना पड़ रहा है। फिलहाल घाटी की 15 पंचायतों के केंद्र बिंदु सैंज बाजार में सरकारी हिम्मत के मरहम से जख्म नहीं भर पाए हैं। अब व्यापार मंडल सैंज ने आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है। सात माह पूर्व क्षतिग्रस्त हुई सड़क के कारण व्यापारियों के साथ-साथ स्थानीय लोगों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन संबंधित विभाग व प्रशासन क्षतिग्रस्त सड़क के निर्माण कार्य को शुरू नहीं कर पाया है।

व्यापार मंडल सैंज के अध्यक्ष झाबे राम ठाकुर सहित समस्त पदाधिकारियों ने कहा कि कई बार लोक निर्माण विभाग व प्रशासन को सड़क की खराब हालत और लोगों की समस्याओं से अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं। व्यापार मंडल सैंज के सदस्यों ने चेतावनी दी है कि यदि सोमवार तक सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे मजबूर होकर उग्र आंदोलन करेंगे।

अनंत ज्ञान मुद्दा

आपदा प्रभावित जिला कुल्लू के सैंज बाजार की मुख्य सड़क की हालत बेहद खराब।

बाढ़ ने बदला सैंज कस्बे का भूगोल

जून माह में सैंज नदी में आई बाढ़ ने सैंज बाजार को आपस में ही डिस्कनेक्ट कर दिया था। सड़क के साथ स्थानीय लोगों के आवासीय मकान सहित करोड़ों रुपए की संपत्ति का नुकसान किया था। बाढ़ अपने साथ पिन पार्वती नदी के आसपास उपजाऊ भूमि के अलावा सड़क मार्ग बहा ले गई थी। बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित सैंज कस्बा हुआ था। नदी किनारे बसा सैंज कस्बा 15 पंचायतों का व्यापारिक केंद्र है। दुख की बात यह है कि बाढ़ ने इस कस्बे का भूगोल ही बदल दिया है।

दिन-प्रतिदिन खराब हो रही सड़क की हालत

सैंज बाजार के प्रवेश द्वार, सियारनु देवता मंदिर, एचडीएफसी बैंक के समीप तथा बाजार के बीचों-बीच क्षतिग्रस्त हुई सड़क के कारण अस्पताल रोड तथा मुख्य मार्ग को जोड़ने वाले नालागढ़ लिंक रोड की हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। सड़क किनारे बने गड्ढों से हर रोज वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है।

सैंज तहसील के बस स्टैंड पर सात माह बीत जाने के बाद भी बस सेवाएं शुरू नहीं हो पाई हैं। विभाग की लापरवाही और प्रशासन की चुप्पी के कारण स्थानीय लोगों सहित बाहरी यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बस स्टैंड को जोड़ने वाली सड़क बस स्टैंड के आसपास तीन जगह पर क्षतिग्रस्त हुई है। क्षतिग्रस्त सड़क को विभाग ने सात माह बाद भी बहाल नहीं किया है। अब तक संबंधित विभाग व प्रशासन ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है, जिस कारण लोगों में सरकार, जिला प्रशासन, विभाग के प्रति भारी रोष है।

वीना, उपाध्यक्ष व्यापार मंडल सैंज।

प्रदेश सरकार का 'व्यवस्था परिवर्तन' का नारा सैंज बाजार में कितना सार्थक सिद्ध हो रहा है। इसका उदाहरण कुल्लू जिले के सैंज बाजार में देखने को मिल रहा है, जहां सरकार की पावर का सहयोग निरर्थक साबित हो रहा है। प्रदेश सरकार की अनदेखी के चलते आज सैंज बाजार आपस में कनेक्ट होने के ही लिए जद्दोजहद कर रहा है। विभाग की लेटलतीफी व लापरवाही के कारण सात माह बीत जाने के बाद भी सैंज बाजार की सड़क की हालत नहीं सुधरी है। जिसका खामियाजा सैंज घाटी की करीब 30 हजार के करीब जनता को भुगतान पड़ रहा है।

सुरेंद्र शौरी, विधायक बंजार विस क्षेत्र।

पसरकार व लोक निर्माण विभाग की लेट लतीफी के चलते सैंज के लोगों को भारी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं, अगर सैंज बाजार को आपस में जोड़ने के लिए कदम नहीं उठाए, तो सरकार व लोक निर्माण विभाग का घेराव किया जाएगा। सैंज में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। पिछले सात महीनों से अभी तक बस स्टैंड तक भी बस नहीं पहुंच पाई है, जबकि आपदा में अभी तक एक भी मंत्री ने घाटी का दौरा नहीं किया है तमाम निर्माण कार्य ठप पड़े हुए हैं।

अमर ठाकुर, भाजपा अध्यक्ष सैंज।

सैंज में बरसात के दौरान सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी, लेकिन इसके बाद भी आज तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। विभाग द्वारा केवल टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कागजी कार्रवाई ही की जा रही है, जबकि धरातल पर कोई काम शुरू नहीं हुआ। व्यापार मंडल सैंज की ओर से विभाग से कई बार सड़क बहाली की मांग उठाई, लेकिन विभाग की ओर से केवल आश्वासन ही मिलता रहा। क्षतिग्रस्त सड़क को जल्द बाहर करने के लिए व्यापार मंडल सहित घाटी के अन्य सभी संगठनों ने गत अगस्त माह में जन आक्रोश रैली निकालकर विभाग व प्रशासन को जगाने का प्रयास किया था बावजूद इसके विभाग अभी भी गहरी निंद्रा से नहीं जगा है। सोमवार तक यदि समाधान नहीं किया तो 9 दिसंबर को उग्र आंदोलन होगा।

झाबे राम ठाकुर, अध्यक्ष व्यापार मंडल सैंज।

न्यूज ब्रीफ

किरायेदार के कमरे से 23 ग्राम चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। पुलिस थाना कुल्लू की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अप्पर बदाह में एक रिहायशी मकान की दूसरी मंजिल पर छापेमारी कर नशा तस्करी के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जानकारी के अनुसार कमरे में रहने वाले किरायेदार योग राज (28) पुत्र भगत सिंह, निवासी गांव खड़ाहन, डाकघर हुरला, तहसील भुंतर के साथ सन्नी दयोल (22) पुत्र बेली राम, निवासी परवाड़ी, डाकघर तुंग, तहसील बंजार तथा तुषार (24) पुत्र स्व. अजय कुमार, निवासी शाड़ाबाई, डाकघर भुंतर, तहसील भुंतर को मौके से हिरासत में लिया गया। नियमानुसार तलाशी के दौरान पुलिस टीम ने कमरे से 23 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद किया। बरामदगी के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना कुल्लू में धारा 21 व 29 एनडीपीएस अधिनियम (मादक पदार्थ अधिनियम) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसपी कुल्लू मदन लाल कौशल ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मामले में प्रारंभिक कार्रवाई के पश्चात आरोपियों से नशीले पदार्थ के स्रोत, सप्लाई चैन व नेटवर्क की पहचान के लिए गहन पूछताछ व विस्तृत अन्वेषण जारी है। उन्होंने बताया कि पुलिस इलाके में अवैध नशा गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है।

'सप्त शक्ति संगम' कार्यक्रम आयोजित

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। सरस्वती विद्या मंदिर नगर में 'सप्त शक्ति संगम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने व महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर केंद्रित है। इस संगम के माध्यम से देश व विश्व की वर्तमान परिस्थितियों व चुनौतियों के समाधान में महिलाओं की भूमिका पर विचार करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता को बढ़ाना तथा समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना है। कार्यक्रम की मुख्यातिथि कमलेश महाजन रहीं, जो सेवा निवृत्त वरिष्ठ सहायक बिजली बोर्ड हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जानकी देवी, पूर्व प्रधान, ग्राम पंचायत नगर ने की। मुख्य वक्ता के रूप में छिपुल चौहान तथा उनकी सहयोगी ज्योति कपूर भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम में महिला मंडल, स्वयं सहायता समूह, मातृ भारती ,पूर्व आचार्या, दीदियां व पूर्व छात्राएं सम्मिलित हुईं।

डॉ. श्रुति मोरे ने जेपी नड्डा से की मुलाकात

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। दिव्यांगजनों के लिए कार्य कर रही सांफिया फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. श्रुति मोरे भारद्वाज ने नेशनल अवार्ड प्राप्त करने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और उनकी पत्नी, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता स्पेशल ओलंपिक भारत व चेतना संस्था की संस्थापक मल्लिका नड्डा से विशेष मुलाकात की। इस बैठक में देश व विशेषकर हिमाचल प्रदेश में पुनर्वास व स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर गंभीर चर्चा हुई। डॉ. श्रुति मोरे भारद्वाज को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिव्यांगजनों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पूरे देश से आए 2423 आवेदनों में से चुने गए केवल 32 असाधारण व्यक्तियों को दिया गया। डॉ. श्रुति ने एक नया इतिहास रचते हुए देश की दूसरी ऐसी ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट होने का गौरव प्राप्त किया है, जिन्हें इस राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। इस उपलब्धि के बाद डॉ. मोरे ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की और केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि देश में प्रशिक्षित ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट्स की भारी कमी है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश व पूरे भारत में ऑक्यूपेशनल थेरेपी से संबंधित नए शैक्षणिक कोर्स शुरू करने और मौजूदा ढांचे को विस्तृत करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि युवाओं को रोजगार मिले और मरीजों को बेहतर इलाज।

शिविर में 100 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। ग्राम पंचायत बाशिंग में भुंतर वैली हॉस्पिटल व पंचायत के सहयोग से निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। हॉस्पिटल से संबंधित स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पल्लवी, जनरल मेडिसिन डॉ. मृत्युंजय सिंह पराशर, स्किन विशेषज्ञ डॉ. हिमानी, दंत विशेषज्ञ डॉ. रंजन सिंह ने लगभग 100 के करीब ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की। इसके आलावा एचबी, शुगर, न्यूरोपेथीक टेस्ट के साथ-साथ निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध करवाईं। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य, समिति सदस्य व पूर्व ग्राम पंचायत प्रधान दिनेश सेन के द्वारा चकित्सा शिविर का उद्घाटन किया और अपने संबोधन में कहा डॉ. नरेंद्र पराशर जी का चिकित्सा क्षेत्र में कुल्लू की जनता को काफी सहयोग रहा है। उनकी टीम ने पंचायत में आकर निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इसके लिए उनका आभार प्रकट किया और आह्वान किया कि बेहतरीन चकित्सा सुविधा के लिए बड़े शहरों का रुख न करके भुंतर स्थिति, भुंतर वैली हॉस्पिटल में डॉ. नेरेंद्र पराशर से जरूर परामर्श लें।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने सीएम को भेजा ज्ञापन

अनंत ज्ञान, निरमंड। प्राथमिक शिक्षक संघ निरमंड का एक प्रतिनिधिमंडल क्लस्टर सिस्टम के विरोध में अध्यक्ष संदेश ठाकुर की अध्यक्षता में हिमाचल प्रदेश मिल्क फेडरेशन के चेयरमैन बुद्धि सिंह ठाकुर से उनके आवास पर मिला और उनके माध्यम से क्लस्टर सिस्टम के विरोध में प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें क्लस्टर सिस्टम के दुष्प्रभावों के बारे में अवगत करवाया गया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष संदेश ठाकुर, रजत शर्मा, उपाध्यक्ष गोपाल चौहान, महा सचिव अरुण बिमल तथा कोषाध्यक्ष रमेश ठाकुर सहित अन्य कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

ई-रिक्शा परमिशन देने के निर्णय को वापस ले सरकार

अनंत ज्ञान, मनाली। हिडिंबा आटो यूनियन मनाली के अध्यक्ष मोती राम ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार हिमाचल में ई-रिक्शा परमिशन देने के अपने निर्णय को वापस ले। प्रेस को जारी बयान में मोती ने कहा कि मनाली में न तो चार्जिंग प्वाइंट है न ही पार्किंग की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि मनाली सहित आसपास के क्षेत्रों में पहले ही 400 से अधिक आटो मौजूद है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय आटो चालकों की रोजी रोटी को प्रभावित करने वाला है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने हिमाचल में 400 ई-रिक्शा परमिट प्रदान करने की मंजूरी दी है जिसमें 30 मनाली के लिए है। मोती ने कहा कि आटो यूनियन मनाली सहित समस्त जिला कुल्लू की आटो यूनियन सरकार के इस निर्णय का विरोध करती है। मोती ने सरकार से आग्रह किया कि आटो चालकों की रोजी रोटी को ध्यान में रखते हुए इस निर्णय को जल्द वापस ले।

अलेउ-मनाली सड़क निर्माण कार्य ने पकड़ी रफ्तार, बाढ़ से क्षतिग्रस्त मार्ग जल्द होगा दुरुस्त

अनंत ज्ञान, मनाली

अलेउ मनाली सड़क निर्माण कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। अगस्त महीने में ब्यास नदी में आई बाढ़ के कारण मनाली नग्गर वामतट सड़क का यह भाग दो जगह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था।

पीडब्ल्यूडी विभाग ने ट्रैफिक तो जल्द ही सुचारु कर दी थी, लेकिन वाहनों की आवाजाही एक तरफा होने के कारण ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी हुई थी, अब पीडब्ल्यूडी विभाग इसे दो तरफा वाहनों के लिए तैयार कर रहा है। पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाने ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन की टीम मौके पर डट गई है। यह टीम नौ सितंबर से लगातार समाज सेवा में जुटी हुई है। इससे पहले टीम के सदस्यों ने एनएचएआई का काम देखा। एसोसिएशन की टीम न केवल कामगारों, डोजर चालकों व मशीन ऑपरेटरों का मनोबल बढ़ाती रही, बल्कि उनके खाने पीने की भी व्यवस्था करती रही। ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष हीरा लाल ने कहा कि उनकी टीम में बुद्धि प्रकाश ठाकुर, जय राम ठाकुर, राज कुमार डोगरा व किरण देव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उनकी टीम पीडब्ल्यूडी विभाग का होंसला बढ़ाने मौके पर डट गई है। कामगारों व डोजर ऑपरेटरों के खान-पान की व्यवस्था की जा रही है। उनका होंसला बढ़ाया जा रहा है, ताकि सड़क का यह काम जल्द पूरा हो। उन्होंने मनाली के व्यवसायिक संगठनों से आग्रह किया कि सभी इस कार्य में अपना अपना सहयोग दें। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही सड़क का यह भाग भी दो तरफा वाहनों के लिए बहाल हो जाएगा।

कैलाश बोधि स्कूल में नवाजे मेधावी

अनंत ज्ञान, मनाली। कैलाश बोधि स्कूल सिमसा मनाली का सालाना समारोह रविवार को धूमधाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि समाज सेवी राज कुमार राणा मघर रहे। उन्होंने कहा कि ये बच्चे देश का भविष्य है। उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व स्कूल की अन्य गतिविधियों में भी बढ़चढकर भाग लें। उन्होंने स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। नन्हे बच्चों के रंगारंग कार्यक्रमों ने भी खूब समा बांधा। प्रधानाचार्य तीर्था बहादुर घीसिंग ने स्कूल का वार्षिक लेखा-जोखा पेश किया। उन्होंने कहा कि स्कूल के विद्यार्थी पढ़ाई के साथ साथ अन्य गतिविधियों में भी स्कूल का नाम रोशन कर रहे है। उन्होंने कार्यक्रम में आए मुख्यातिथि सहित सभी अतिथियों व अभिभावकों का स्वागत किया।

'मित्र कल्चर' पर चल रहा आज पूरा सरकारी ढांचा: गोविंद ठाकुर

अनंत ज्ञान, मनाली

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'प्रदेश को रोजगार का प्रदेश बनाने का वादा करने वाली कांग्रेस सरकार ने अब इसे 'वन मित्र, बिजली मित्र, पशु मित्र' जैसी कच्ची नौकरियों का प्रदेश बना दिया है।

यह युवाओं के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है। 'पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने प्रेस से बातचीत में कहा कि हिमाचल के युवाओं को पक्की सरकारी नौकरियां देने के बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार, अब हर नई भर्ती को 'मित्र' नाम देकर अपनी नाकामियों को छिपाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने 500 पशु मित्रों की भर्ती प्रक्रिया पर तंज कसते हुए कहा कि 'आज पूरा सरकारी ढांचा 'मित्र कल्चर' पर चल रहा है, जबकि स्थायी नौकरियों का वादा चुनाव बाद कहीं खो गया। ऐसे में 500 पशु मित्रों की कच्ची भर्ती को अपनी उपलब्धि बताकर सरकार जनता की आंखों में धूल झोंक रही है, जबकि न यह नियमित नौकरी है, न इसका भविष्य सुरक्षित।गोविंद सिंह ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार युवाओं को कॉन्ट्रैक्ट और मानदेय आधारित योजनाओं में बांधकर उनकी मजबूरी का फायदा उठा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि पिछले दो वर्षों में कितनी स्थायी सरकारी भर्तियां निकाली गईं? कितने पद भरे गए? चुनावी मंचों पर दी गई कौन-सी गारंटी पूरी हुई।उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है, उद्योग ठप हैं, निवेशक दूरी बना रहे हैं और सरकारी विभागों में हजारों पद खाली पड़े हैं। बावजूद इसके सरकार की प्राथमिकता सिर्फ अपने राजनीतिक लोगों को 'मित्र' बनाकर मानदेय पर पद देना है, जो युवाओं का खुला शोषण है। पूर्व मंत्री ने चेतावनी दी कि भाजपा इस 'मित्र कल्चर' और युवाओं के साथ हुए छल का हर स्तर पर कड़ा विरोध करेगी।

वीर सिंह ठाकुर ने गो सदन के विकास कार्यों का किया निरीक्षण

जिप उपाध्यक्ष सहित अन्य युवा गो सदन में सेवा करते हुए।

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल

कटराई के जटेहड बिहाल गो सदन में जिला परिषद उपाध्यक्ष वीर सिंह ठाकुर ने गो सेवा से जुड़ी कई महत्वपूर्ण गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने जिला परिषद से मिलने वाले मानदेय से घास की दो जीप गो सदन को दी।

मनाली विधानसभा के विधायक भुवनेश्वर गौड़ के मार्गदर्शन में चल रहे पशुओं के अंतिम पड़ाव के कार्यों जिसमें, पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था और सर्दियों से बचाव के लिए पूरे शेड को बंद करने के लिए दीवार का निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी साथियों व स्थानीय लोगों से अपील की कि गो सेवा भारत की सनातन संस्कृति का परम धर्म है और हमें अपनी सामर्थ्य के अनुसार गो माता की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से अपने साथी अभिषेक वर्मा का धन्यवाद किया, जिन्होंने दीवार निर्माण के लिए सौ बैग सीमेंट प्रदान किया। इससे पहले अभिषेक वर्मा ने शेड निर्माण के लिए ग्यारह हजार रुपए का योगदान भी दिया था। वीर ने कहा, 'गो सेवा दुनिया की श्रेष्ठ सेवा है, जो समाज और संस्कृति के संरक्षण का आधार है।'

वरिष्ठता के आधार पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हो पदोन्नति: सुनीता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला मुख्यालय कुल्लू के रथ मैदान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायक संघ की बैठक जिला अध्यक्ष सुनीता ठाकुर की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस बैठक में जिला कुल्लू अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष अमर चंद ठाकुर और वित्त सचिव जगन नाथ भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस बैठक दो दर्जन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायक संघो ने भाग लिया। बैठक में कार्यकारिणी में नए सदस्यों को भी जोड़ा गया। मीना ठाकुर को महासचिव, नोखीज वरिष्ठ उपाध्यक्ष, वीना कुमारी सहायक सचिव सहित मीना, विमला, दुर्गा सुनिता, पद्मा, हिमप्रभा, लीला, विमला, छड़ी देवी, तारा देवी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायकाओं की मांग कई वर्षों से लंबित पड़ी हुई। सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने कहा कि वरिष्ठता के आधार पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से पर्यवेक्षक सुपरवाईजर बनाया जाए, जिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अन्य विभाग के कार्य दिए जाते हैं, उनको अलग से प्रोत्साहन राशि दी जाए। सेवानिवृत्त होने पर सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायकाओं को भी पेंशन लाभ मिलना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए और वेतन बढ़ाया जाए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं को जिन्होंने दस साल का कार्यकाल पूर्ण कर चुके है। उन्हें शैक्षणिक योग्यता के आधार पर नियमित किया जाए।

योजनाओं, अधिकारों, कानूनी सहायता और सेवाओं के बारे में किया जागरूक

अनंत ज्ञान, बंजार

उपमंडल विधिक सेवा समिति, बंजार द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुल्लू के सहयोग से तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हिमाचल प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को बीडीओ कार्यालय हॉल, बंजार में विशाल विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुल्लू एवं लाहौल-स्पीति प्रकाश चंद राणा उपस्थित रहे। शिविर में लगभग 400 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला मंडल, युवक मंडल, विद्यार्थी, अधिवक्ता, आपदा पीड़ित तथा स्थानीय जनसामान्य शामिल रहे। स्थानीय प्रशासन की

शिविर के दौरान गणमान्य लोग।

ओर से विभिन्न विभागों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जानकारी एवं सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से स्टॉल और हेल्प डेस्क स्थापित किए, जिन्होंने उपस्थित लोगों को योजनाओं, अधिकारों, कानूनी सहायता और सेवाओं के बारे में जागरूक किया।शिविर का विषय नशा मुक्त समाज भारत का संकल्प, पर्यावरण संरक्षण सुरक्षित धरती और आपदा पीड़ित पुनर्वास रहा। इन महत्वपूर्ण विषयों पर अतिथियों एवं विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत संवाद, जागरूकता सत्र और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधनों में समाज को नशे से मुक्त बनाने, पर्यावरण संरक्षण को जीवन-शैली का हिस्सा बनाने तथा आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए जिम्मेदार और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। विधिक जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में आयोजित यह शिविर अत्यंत सफल रहा। कार्यक्रम में न्यायाधीश अमित मंडयाल, विक्रांत कौंडल, आभा चौहान, कर्म प्रताप सिंह ठाकुर तथा एसडीएम पंकज शर्मा, डीएसपी शेर सिंह, सरकारी वकील मधुश्री तथा अन्य कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

चुनाव हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी खंड मनाली के त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न

नीलचंद को पेंशनभोगी संघ मनाली खंड की कमान

अनंत ज्ञान, मनाली

हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी खंड मनाली के त्रैवार्षिक चुनाव प्रदेशाध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक एलआर गुलशन, पीठासीन अधिकारी खुशहाल चंद नेगी एवं जिलाध्यक्ष दयाल सिंह ठाकुर की देखरेख में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मनाली के सभागार में हुए।

इसमें सर्वसम्मति से नीलचंद को अध्यक्ष, आलम चंद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अशोक कुमार को महासचिव, चिंतपुर्णा को उपाध्यक्ष (महिला विंग), युवराज, डोलाराम को उपाध्यक्ष, लालचंद को कोषाध्यक्ष, हरिचंद को संयुक्त सचिव, चंद्रकिरण को सगंठन सचिव, युवराज को कार्यालय विमला कटोच को मुख्य सलाहकार, मनोरमा डोगरा, वीना कुमारी और निम्मत राम को सलाहकार चुना गया। प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई। पेंशनभोगी संघ खंड मनाली के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नील चंद ने बताया कि जो दायित्व पेंशनर्स ने उनको सौंपा है। उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का वह भरसक प्रयास करेंगे और संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन के नेतृत्व में पेंशनरों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भुंतर खंड के महासचिव खुशहाल चंद नेगी, उपाध्यक्ष एसपी सागर, जिला कुल्लू पेंशनभोगी संघ के अध्यक्ष दयाल सिंह ठाकुर, शहरी कुल्लू इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिला महासचिव खेमसिंह हांडा, महिला विंग की प्रदेश संगठन सचिव मनोरमा डोगरा, चिंतपुर्णा सहित अनेक पेंशनर नेता मौजूद रहे।

पेंशनभोगी संघ के मनाली खंड की नई कार्यकारिणी के साथ अन्य गणमान्य ।

11 दिसंबर तक नहीं हुआ एकमुश्त भुगतान, तो तेज होगा आंदोलन

हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन ने कहा कि अगर प्रदेश सरकार ने पेंशनरों की सभी वित्तीय देनदारियों का 11 दिसंबर तक एकमुश्त भुगतान नहीं किया, तो पेंशनरों के संघर्ष को और तेज किया जाएगा।

उत्तर क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए 4 खिलाड़ी चयनित

अनंत ज्ञान, बंजार

कुल्लू जिले के राजकीय महाविद्यालय बंजार ने खेलों के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आगामी 12 से 16 दिसंबर तक पंजाब की चितकारा यूनिवर्सिटी में आयोजित होने वाली उत्तर क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय महिला टेबल टेनिस प्रतियोगिता तथा 17 से 21 दिसंबर तक आयोजित होने वाली पुरुष टेबल टेनिस प्रतियोगिता के लिए सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी की टीम में कॉलेज के चार स्टूडेंट्स का चयन किया गया है।

यह जानकारी कॉलेज के शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता डॉ. प्रवेश शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि महिला वर्ग में बरनागी गांव की प्रियंका ठाकुर और कनोन गांव की कशिश, जबकि पुरुष वर्ग में बाहु गांव के रोहित ठाकुर व शोझा गांव के आर्यन का चयन किया गया है। इन खिलाड़ियों का चयन हाल ही में संपन्न हुई सरदार पटेल विश्वविद्यालय की अंतर कॉलेज टेबल टेनिस प्रतियोगिता में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ। इन प्रतियोगिताओं में राजकीय महाविद्यालय बंजार ने महिला वर्ग

में प्रथम स्थान, जबकि पुरुष वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया था। उत्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिता की बेहतर तैयारी के लिए सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी द्वारा मंडी में आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए सभी चयनित खिलाड़ी रवाना हो गए हैं। यह राजकीय महाविद्यालय बंजार के लिए गौरव का क्षण है, क्योंकि यह पहला अवसर है जब महाविद्यालय के किसी भी टेबल टेनिस खिलाड़ी का चयन प्रदेश के किसी विश्वविद्यालय की टेबल टेनिस टीम में हुआ है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह सहित समस्त स्टाफ ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की तथा प्रशिक्षण शिविर के लिए उन्हें रवाना किया।

बघाट बैंक का मुद्दा विधानसभा में उठने से डिफाल्टरों पर कसेगा शिकंजा

डिप्टी सीएम ने दिया कार्रवाई का आश्वासन, डीसी ने तहसीलदारों को दिए रिकवरी व पोजेशन दिलाने में सहयोग करने के निर्देश

आर मोहन चौहान, अनंत ज्ञान ब्यूरो

सोलन। एनपीए व वित्तीय अनियमितताओं के चलते आरबीआई के प्रतिबंध झेल रहे बघाट अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक का मामला विधानसभा में उठने से डिफाल्टरों पर शिकांजा कसने की उम्मीद जगी है। इससे रिकवरी में तेजी आएगी, ऐसे में वित्तीय संकट से गुजर रहे बैंक को संजीवनी मिल सकती है।

विधानसभा में बैंक से जुड़ा प्रश्न उठने पर डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री ने बघाट बैंक में गड़बड़ किए जाने के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही। हालांकि, इससे पहले बैंक की वित्तीय स्थिति को सुधारने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसमें आत्यधिक हो चुके एनपीए में सुधार पर बड़े स्तर पर कार्य किया जा रहा है। इस मुद्दे को नयनादेवी के विधायक रणधीर शर्मा ने विधानसभा में उठाया था। बैंक की स्थिति बिगड़ने लगी, ओर एनपीए छह प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए, जबकि वह 138 करोड़ पहुंच गया है, जो अब 125 करोड़ तक पहुंच गया है। पर अभी भी 80 हजार उपभोक्ताओं का करीब 500 करोड़ फंसा हुआ है। वहीं, रिकवरी और पोजेशन के मामलों में तेजी लाने के लिए डीसी सोलन मनमोहन शर्मा ने सभी जिले की सभी तहसीलदारों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं, ताकि डिफाल्टरों की संपति का कब्जा बैंक को समय रहते दिलाया जा सके। इससे बैंक में जमा लोगों का पैसा भी सुरक्षित होगा। वहीं, डीसी शिमला ने बैंक से जुड़े सरफेसी मामले में सख्त और तय समय से पहले की गई कार्रवाई के आदेश दिए हैं, ऐसे में अब सोलन के सरफेसी मामलों में तेजी आने की उम्मीद है। खास बात यह है कि यह केस महज एक महीने के भीतर लगा था और शिमला डीएम ने निर्धारित समय से पहले ही आदेश जारी कर दिए, जो प्रशासनिक फुर्ती और गंभीरता का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है।

60 करोड़ के ऋणों के वितरण की जांच पूरी

गिरीश नड्डा, सहायक, पंजीयक सहकारी सभाएं सोलन ने कहा कि विभागीय जांच में बैंक ने लोन चुकाने के लिए भी डिफाल्टरों को ऋण दिए हैं पर डिफाल्टरों ने लोन नहीं चुकाया। जांच में ऐसी खामियां सामने आई हैं। इसकी गहनता से पड़ताल की जा रही है। अदालत में पेश कर कुछ डिफाल्टरों ने कुछ राशि जमा कराई है, जबकि अन्य ने भी ऋण चुकाने की सहमति जताई है। आगे की जांच में तेजी लाई जा रही है। एआरसीएस की अदालत अभी तक बैंक लोन डिफाल्टरों से जुड़ी 42 फाइल्स की पड़ताल की है। जिसके तहत 60 करोड़ के ऋणों का वितरण हुआ है पर इससे जुड़े डिफाल्टरों ने ऋण की राशि नहीं चुकाई है। एआरसीएस की अदालत ने लैंड रैवेन्यू एक्ट 1954 की धारा 75 (ए) के तहत गिरफ्तारी के आदेश जारी किए थे। इसमें 23आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जा चुका है।

बैंक की आर्थिक हालत बिलकुल सही : किरण किशोर

बैंक के उपाध्यक्ष किरण किशोर की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि बैंक की आर्थिक हालत बिलकुल सही है। बैंक के पास कुल संपत्ति 529 करोड़ रुपए की है, जबकि खाताधारकों व शेयर होल्डर की देनदारी कैवल 488 करोड़ रुपए की है। खाताधारकों व शेयर होल्डर का पूरा पैसा सुरक्षित है यदि हालात विपरीत भी होते हैं, तो सभी (2 करोड़ रुपए प्रतिमाह) तथा एनपीए भी 125 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों की जमा राशि 466 करोड़ रुपए की है, जबकि शेयर होल्डर की राशि 22 करोड़ रुपए है। कुल देनदारी 488 करोड़ रुपए की बनती है। बैंक के बीमा के पास करीब 289 करोड़, सरकारी प्रतिभूतियों से 155 करोड़ और दूसरे बैंकों में 85 करोड़ रुपए जमा है। बैंक की यह कुल राशि 529 करोड़ रुपए है।

30 ऋण डिफाल्टरों ने डकारे 50 करोड़

बैंक के करीब 30 ऋण डिफाल्टर करीब 50 करोड़ रुपए का ऋण दबाकर बैठे हुए हैं यदि ब्याज की राशि इसमें जोड़ दी जाए तो यह राशि करीब 90 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। बैंक के ये वे ऋण डिफाल्टर हैं, जिन्होंने बैंक से एक करोड़ रुपए से लेकर 4.67 करोड़ रुपए का ऋण लिया हुआ है। इनमें से करीब 16 ऋण डिफाल्टर ऐसे हैं, जिन्होंने 1 करोड़ से 2 करोड़ रुपए का ऋण लिया हुआ है, जबकि 11 ऋण डिफाल्टर ऐसे हैं जिनका ऋण 2 करोड़ रुपए से 3 करोड़ रुपए के बीच में है।

नशा मुक्त समाज, पर्यावरण संरक्षण व आपदा प्रभावितों के पुनर्वास के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक : ईशानी शर्मा

कृष्ण रघुवंशी, अनंत ज्ञान

अर्की। न्यायिक दंडाधिकारी एवं उपमण्डल विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष ईशानी शर्मा ने कहा कि नशा मुक्त समाज, पर्यावरण संरक्षण व आपदा प्रभावितों के पुनर्वास के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक को सामूहिक रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है। ईशानी शर्मा आज अर्की में विशाल विधिक साक्षरता शिविर में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रही थी।

ईशानी शर्मा ने कहा कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन को विधिक अधिकारों की जानकारी प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि नशा एक व्यापक समस्या है और इसके निदान के लिए समाज को एकजुट होना आवश्यक है। हम एकजुट होकर ही युवा पीढ़ी को नशे से दूर रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि नशे को जड़ से खत्म करने के लिए हर व्यक्ति को योगदान देना होगा। न्यायिक दंडाधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बढ़ी आवश्यकता है और पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज, पर्यावरण संरक्षण व आपदा प्रभावितों के पुनर्वास के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिगत रूप से प्रयास करने की आवश्यकता है। न्यायिक दण्डाधिकारी ने तदोपरांत एड्स के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हस्ताक्षर पट्टिका पर हस्ताक्षर भी किए। शिविर में नशा मुक्त समाज, पर्यावरण संरक्षण तथा आपदा पीड़ितों के पुनर्वास विषय पर सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम का उद्घाटन करती न्यायिक दंडाधिकारी ईशानी शर्मा।

अधिवक्ता भीम सिंह ठाकुर ने नशा निवारण विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि नशा कोई भी हो वह तन, मन, धन का नाश करता है। अधिवक्ता आरके शर्मा ने इस अवसर पर पर्यावरण सुरक्षा तथा अधिवक्ता हरिश कौशल ने आपदा पीड़ितों के पुनर्वास विषय पर अपने बहुमूल्य विचार रखे। इस अवसर पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अर्की के छात्र सुनील व तमन्ना ने नशा निवारण तथा पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार भी रखें। बार ऐसोसिएशन अर्की के अध्यक्ष जोगिंद्र ठाकुर ने इस अवसर पर मुख्यातिथि व अन्य गणमान्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अर्की के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। नगर पंचायत अर्की के अध्यक्ष अनुज गुप्ता, उपाध्यक्ष पदम देव कौशल, बॉर ऐसोसिएशन अर्की के अध्यक्ष जोगिंद्र ठाकुर, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अर्की के प्रधानाचार्य अजय ठाकुर, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अर्की के अनुदेशक, प्रशिक्षु, महिला मण्डल की सदस्य, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की सदस्य सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता शुरू

अनंत ज्ञान, नाहन। शहर के ऐतिहासिक चौगान मैदान में हिमाचल प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन की 46वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 268 महिला व पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ डीसी सिरमौर प्रियंका वर्मा द्वारा किया गया। मीडिया से बात करते हुए डीसी प्रियंका वर्मा ने प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा एक बेहतरीन मंच बास्केटबॉल खिलाड़ियों को उपलब्ध करवाया गया है और यहां से चयनित होने वाले उत्कृष्ट खिलाड़ी 4 जनवरी को चेन्नई में आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में हिमाचल का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रियंका वर्मा ने यह भी कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ सभी युवाओं को खेलकूद की तरफ भी जाना चाहिए तभी शारीरिक और मानसिक विकास संभव है। वहीं, उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जिस तरीके से नशे का प्रचलन प्रदेश में बढ़ रहा है युवाओं को नशे से दूर करने में भी खेलकूद अहम भूमिका अदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नशे के खिलाफ सरकार द्वारा भी व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है जिसमें युवाओं को भर चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

जरूरतमंदों का सहारा बना दशमेश रोटी बैंक

अनंत ज्ञान, नाहन। दशमेश सेवा सोसायटी द्वारा स्थापित किए गए दशमेश रोटी बैंक के माध्यम से दिसंबर माह का 50 जरूरतमंद लोगों को निशुल्क राशन वितरित किया गया है। दशमेश सेवा सोसायटी द्वारा शुरू किए गए दशमेश रोटी बैंक कि यह सेवा मुहिम पिछले 8 सालों से लगातार जारी हैं। जरूरतमंद लोगों को आवश्यकता अनुसार जहां अन्य सहायता प्रदान की जा रही है। तो वही गत आठ वर्षो से प्रति माह विधवा महिलाओं , कुष्ठ रोगियों समेत गंभीर बीमारियों से जूझ रहे ऐसे परिवार जो दो समय का भोजन जुटाने में कड़ी में मशकत कर रहे हैं। उनको प्रति माह राशन देकर मदद की जा रही है। इसी कड़ी में नाहन में दशमेश सेवा सोसायटी द्वारा 50 परिवारों को मुफ्त राशन वितरित किया गया। दशमेश रोटी बैंक के संस्थापक सरबजीत सिंह ने बताया कि लगातार दशमेश रोटी बैंक के तहत लोगों की हर संभव मदद करने का प्रयास किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि आज ऐतिहासिक गुरुद्वारा दशमेश आस्थान साहिब परिसर से जरूरतमंद लोगों को एक महीने का राशन जिसमें आटा , चावल , दाल , चीनी , नमक, रिफाइंड और तेल आदि अन्य आवश्यक सामान वितरित किया गया हैं। इसके अलावा दशमेश रोटी बैंक के सौजन्य से बेहद कम दामों पर जहां आम लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधित टेस्ट करने को लेकर लैब चलाई जा रही है , तो वही निर्धन गरीब लोगों के लिए यहां सभी स्वास्थ्य संबंधित टेस्ट निशुल्क किए जाते हैं। इसी कड़ी में एंबुलेंस सेवा भी दशमेश सेवा सोसायटी द्वारा शुरू की गई है।

राष्ट्रीय स्कूली खेलों में शानदार प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, राजगढ़। अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में आयोजित राष्ट्रीय स्कूली खेलों में हिमाचल प्रदेश की 17 वर्ष से कम आयु वर्ग ताइक्वांडो टीम ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया। दल प्रमुख कमलेश ठाकुर, प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा पबियाना ने बताया कि हिमाचल के विभिन्न जिलों से 26 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन कांस्य पदक अपने नाम किए। 73 किलोग्राम भारवर्ग में शौर्य पंवर, पुत्र संदीप पंवर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पबियाना के छात्र ने कांस्य पदक जीता। छात्रा वर्ग में 55 किलोग्राम भारवर्ग में चहक बहेती, पुत्री गौरव बहेती तथा 35 किलोग्राम भारवर्ग में अवनि शर्मा, पुत्री अरविंद कुमार, बद्दी सोलन ने भी कांस्य पदक हासिल कर हिमाचल प्रदेश को गौरवान्वित किया। दल प्रमुख कमलेश ठाकुर के साथ खिलाड़ियों के कोच होशियार सिंह चम्बोह हमीरपुर, मैनेजर सुभाष चौहान कोटीघाट शिमला, सहायक कोच कैलाश भलुनी रामपुर शिमला, छात्राओं के कोच आदर्श कुमार कोटला बांगी सिरमौर तथा छात्रा वर्ग की मैनेजर अमरा देवी मेहंदो बाग भी टीम के साथ रहे। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर ए डी पी ई ओ मुख्यालय संतोष चौहान तथा सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा तिलक बिजलवान ने विजेता खिलाड़ियों सहित संपूर्ण दल को बधाई दी। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 26 नवंबर से 2 दिसंबर तक इटानगर में आयोजित की गई। भाग लेने वाली पूरी टीम ने बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निदेशक का धन्यवाद किया।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के बारे में बताया

अनंत ज्ञान, कसौली। कृषि विभाग हिमाचल प्रदेश की कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण इकाई धर्मपुर द्वारा ग्राम पंचायत कोटबेजा में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत एक जागरूकता शिवर का आयोजन किया गया। शिवर में प्राकृतिक खेती से जुड़े 125 किसानों ने भाग लिया। जिसमें कृषि प्रबंधन अभिकरण इकाई धर्मपुर से आए खंड तकनीकी सहायक गौरव कुमार एवं उनके साथ आए सह तकनीकी अधिकारी संजय चौधरी ने किसानों को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के बारे में बताया गया। साथ ही हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा राजीव गांधी प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना के तहत उत्पादित फसलों के दामों व खरीदने की प्रक्रिया के बारे में किसानों को बताया गया। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक मक्की 40/ किग्रां, प्राकृतिक गेहूं 60 किग्रां एवं प्राकृतिक कच्ची हल्दी 90 किग्रां की दर से खरीदी जा रही है। शिविर में सभी किसानों ने रासायनिक खेती से होने वाले नुकसानों को गंभीरता से सुना व राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत खेती करने का निर्णय लिया।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

अनंत ज्ञान, परवाणू। उद्योग संघ और ब्लड डोनर सोसायटी द्वारा एमटी ऑटोक्राफ्ट के सौजन्य से परवाणू रोटरी हॉल में आयोजित बैडमिंटन प्रतियोगिता 4 से 7 दिसंबर तक आयोजित की गई। स्थानीय स्तर पर हुई इस प्रतियोगिता में कुल 27 कैटेगरी में खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनमें से 19 कैटेगरी के विजेताओं को रविवार को सम्मानित किया गया, जबकि अन्य वर्गों के मैच जारी रहे। प्रतियोगिता में अंडर-9 से लेकर 50 प्लस वरिष्ठ वर्ग तक सभी आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-9 वर्ग में रेयांश राणा ने स्वर्ण जबकि वीराज ने रजत और अविक-अविराज ने कांस्य पदक जीते। बालिका वर्ग में श्रेया ने स्वर्ण और याति शर्मा ने कांस्य प्राप्त किया। अंडर-11 में रेयांश सूर्यवंशी, माधव, दिवम, हिमाक्षी और भाव्या ने उम्दा खेल दिखाया। युगल वर्ग में रेयांश-वीराज की जोड़ी ने स्वर्ण पर कब्जा किया। अंडर-13 में महंत-प्रभव और इज़्ज़ल-शाइना की जोड़ियों ने स्वर्ण जीता। अंडर-15 और अंडर-17/19 श्रेणियों में नोनित, तन्वी, वैभव, हिमानी यादव, प्रनव सिंह और अभिषेक तिवारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वरिष्ठ श्रेणियों में 50+ वर्ग में अतुल शर्मा और नरेश शर्मा की जोड़ी ने गोल्ड अपने नाम किया। प्रतियोगिता के बाद कोच भुपिन शर्मा ने सभी बच्चों को बधाई दी। समापन समारोह में मुख्यातिथि अनिल सहगल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

विचार बदलो जीवन बदल जाएगा : आचार्य

बद्दी की सनसिटी कॉलोनी में चल रही भागवत कथा में उपस्थित श्रद्धालु कथा का श्रवण करते हुए।

अनंत ज्ञान, बद्दी

बसंती बाग के निकट सनसिटी कालोनी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिवस अवध धाम से पधारे कथा प्रवक्ता आचार्य धरणीधर महाराज ने भागवत कथा के श्रवण से लाभ को लेकर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भागवत कथा के श्रवण से मनुष्यों को पुण्यों की प्राप्ति होती है ओर कई दुख दूर हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबियों को अवश्य रूप से भागवत कथा का श्रवण करना चाहिए और भागवत कथा हमारे जीवन को भक्तिमय व आनंदमय होने की सीख प्रदान करती है। भागवत कथा हमें जीवन जीने की कला सिखाती है ओर इससे हमारा जीवन पवित्र हो जाता है। आचार्य धरणीधर महाराज ने कहा कि धनवान व्यक्ति वही है, जो अपने तन, मन, धन से सेवा भक्ति करे वही आज के समय में धनवान व्यक्ति है। परमात्मा की प्राप्ति सच्चे प्रेम के द्वारा ही संभव हो सकती है। पांचवें दिन बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए महाराज ने कहा कि दुनिया में किसी भी कार्य को करने से पहले हमें उस कार्य से मिलने वाले लाभ व हानि के बारे में जानना आवश्यक है। उसी प्रकार भागवत महात्म्य की जानकारी के बाद ही हमें संपूर्ण भागवत का ज्ञान मिलता है। इस अवसर पर संजय तिवारी, मीरा तिवारी, पुष्पिंदर कौर, ज्योत्स्ना चौहान, गुलाब राय, सरोज तिवारी, रंजीत पांडेय, एसके पांडेय, राजू पांडेय, मनीष भारद्वाज आदि उपस्थित हुए।

पेंशनर्स के देय भतों के लंबित होने से सरकार के प्रति आक्रोश

अश्वनी शर्मा, अनंत ज्ञान

कसौल। हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संगठन पट्टा-महलोग इकाई की मासिक बैठक अध्यक्ष जिया लाल ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इसमें पेंशनरों के लंबित भत्तों और देनदारियों को लेकर सरकार के नकारात्मक और उदासीन रवैये पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया। बैठक में बताया गया कि पेंशनरों को तीन किस्तों के महंगाई भत्ते (डीए) के एरियर का भुगतान अब तक नहीं हुआ है। इसके अलावा 13% देय डीए की अधिसूचना जारी नहीं हुई है और चिकित्सा बिलों का वर्षों से भुगतान लंबित है। 65, 70 और 75 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पेंशनरों को देय 5, 10 और 15 प्रतिशत पेंशन वृद्धि को भी मूल वेतन में शामिल नहीं किया गया है, जिसे पेंशनरों ने अधिकारों का हनन और अमानवीय व्यवहार बताया। अध्यक्ष जिया लाल ठाकुर ने कहा कि 2016 से 2022 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान के अनुसार लिव-इन कैशमेंट, ग्रेच्यूटी और कम्यूटेशन नहीं दिया गया है, जबकि जनवरी 2022 के बाद सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सभी लाभ एकमुश्त मिल रहे हैं। इस देरी के कारण कई पेंशनर्स आर्थिक तंगी में दम तोड़ चुके हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार की 'चरणबद्ध' भुगतान नीति में ऐसा भेदभाव क्यों है। बैठक में 17 दिसंबर को चंडी में प्रस्तावित पेंशन दिवस समारोह की तैयारियों पर भी चर्चा हुई और सभी पेंशनरों से उपस्थिति की अपील की गई। साथ ही सरकार से मांग की गई कि पहाड़ी क्षेत्र की सीएचसी चण्डी और सीएचसी पट्टा में पर्याप्त डॉक्टर, स्टाफ और आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाए जाएं, ताकि स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। बैठक में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सहायिका पदों के लिए साक्षात्कार 5 जनवरी को राजगढ़ में

अनंत ज्ञान, राजगढ़। बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय राजगढ़ द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और पाँच आंगनवाड़ी सहायिका पदों को भरने के लिए साक्षात्कार 5 जनवरी को उपमंडलाधिकारी राजगढ़ के कार्यालय में प्रातः 10:30 बजे आयोजित किए जाएंगे। बाल विकास परियोजना अधिकारी राजगढ़ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इसके लिए इच्छुक पात्र महिला उम्मीदवारों से सादे कागज पर आवेदन मांगे गए हैं, जिन्हें आवश्यक सत्यापित दस्तावेजों सहित 30 दिसंबर तक कार्यालय में जमा करवाना होगा। सूचना के अनुसार फीडर क्षेत्र की सामान्य निवासी महिलाएं ही संबंधित केंद्रों के लिए आवेदन कर सकती हैं। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए फागू केंद्र जबकि सहायिका के लिए पीड़ग, रूग, बधाउधार, बड़ू साहिब-1 तथा कोलन केंद्र शामिल हैं। आवेदनकर्ता की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी आवश्यक है।

धर्मशाला में एबीवीपी पर लाठीचार्ज की भाजयुमो ने की कड़ी निंदा

अनंत ज्ञान, नाहन

भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चरणजीत चौधरी व भाजयुमो मंडल पांवटा साहिब अध्यक्ष संयम गुप्ता ने संयुक्त ब्यान जारी करते हुए कहा कि धर्मशाला में शांतिपूर्ण तरीके से अपना लोकतांत्रिक अधिकार व्यक्त कर रहे।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और बल प्रयोग की भाजयुमो कड़े शब्दों में निंदा करता है। यह घटना प्रदेश सरकार की दमनकारी मानसिकता और युवाओं की आवाज़ दबाने की कोशिश को साफ-साफ उजागर करती है। एबीवीपी नेताओं के अनुसार सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (स्ठरू) धर्मशाला से अनुमति मिलने के बावजूद, छात्रों को जबरन रोका गया और उन पर अत्यधिक बल प्रयोग किया गया, जिसमें कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। वहीं, सरकारी तंत्र इस घटना को गलत दिशा में प्रस्तुत कर अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास कर रहा है। युवा शक्ति पर इस तरह का अत्याचार न केवल अलोकतांत्रिक है , बल्कि यह प्रदेश सरकार के घबराए हुए रवैये को भी दिखाता है। सरकार छात्रों की वैध मांगों का समाधान करने की बजाय उन्हें डराने-धमकाने में लगी है। हम इस घटना की न्यायिक जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं।

सरकार छात्र-शक्ति की आवाज से इतनी भयभीत क्यों है? शांतिपूर्ण प्रदर्शन को रोकने और युवाओं को घायल करने की घटना निंदनीय है। हम प्रदेश के युवाओं के साथ एकजुट खड़े हैं और इस अन्याय के खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करने की चेतावनी देते हैं। भाजयुमो ने अग्राह किया कि यदि सरकार ने अपनी दमनकारी नीतियां नहीं रोकीं , तो युवा सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष और तेज करेंगे।

परिवार को मिला पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ

अनंत ज्ञान, सोलन। तहसील अर्की की ग्राम पंचायत मांगल के गांव बेरल की निवासी स्वर्गीय हेमा देवी के पुत्र योगेश पंवार को ग्रामीण बैंक दाड़लाघाट की ओर से दो लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई है। यह राशि हेमा देवी द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मात्र 436 रुपए वार्षिक प्रीमियम पर बीमा करवाने के कारण स्वीकृत हुई। शाखा प्रबंधक अमित वर्मा ने बताया कि हेमा देवी का निधन 21 जुलाई, 2025 को हो गया था। उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत अपना बीमा करवाया हुआ था। इसी के तहत बीमा कंपनी ने उनके पुत्र योगेश पंवार को 2 लाख रुपए की राशि उपलब्ध करवाई है। उन्होंने सभी खाताधारकों से अपील की कि वे अपने खाते में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (वार्षिक किश्त 436) तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (वार्षिक किश्त 20) अवश्य करवाएं।

सुपर मास्टर्स गेम्स की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिमाचल के 400 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा : विनोद

अनंत ज्ञान, सोलन

सुपर मास्टर्स गेम्स एसोसिएशन के सीईओ व हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा कि महाराष्ट्र के पुणे में 27 से 31 जनवरी तक होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के करीब 400 खिलाड़ी भाग लेंगे। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कुल 22 गेम्स करवाई जा रही है।

इसमें एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉस्केटबॉल, हॉकी, कबड्डी, फुटबॉल, तैराकी, शूटिंग समेत अन्य खेल शामिल होंगे। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश की भागीदारी को लेकर रविवार को सोलन के रेस्टहाउस में कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, ताकि हिमाचल के खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। विनोद ने बताया कि हिमाचल भले ही छोटा राज्य है, लेकिन मास्टर्स गेम्स में हिमाचल प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग मुकाम है। पिछली राष्ट्रीय प्रतियोगिता, जो धर्मशाला में आयोजित की गई थी, में हिमाचल अंक तालिका में देश में पांचवे नंबर पर रहा था। विनोद ने बताया कि हमीरपुर में हुई राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में किन्ही कारणवश हिमाचल की बास्केटबॉल की प्रतियोगिता नहीं हुई थी। इसलिए हिमाचल प्रदेश के 30 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के जो भी बास्केटबॉल खिलाड़ी हैं, वो कसौली इंटरनेशनल स्कूल सनवारा में 14 दिसंबर को ट्रायल में भाग ले सकते हैं, ताकि राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए टीम का चयन किया जा सकें।

बैठक की अध्यक्षता करते प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार।

ये रहे मौजूद

बैठक में सुपर मास्टर्स गेम्स हिमाचल के निदेशक बक्शीचंद जसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष यशपाल सिंह कपूर, प्रदेश संयुक्त सचिव केवल राम, सोलन जिला के अध्यक्ष रजनीश कौशिक, बीके जोशी, कुनाल सूद, कमलेश कुमार, लीला दत्त, लोकेंद्र शर्मा, अजीतपाल वर्मा, उपेंद्र, अजय वर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

आयोजन लघु और मध्यम उद्योग के प्रदर्शन को बढ़ाने को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

इंडस्ट्री 4.0 तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर चर्चा

अनंत ज्ञान, सोलन

प्रदेश उद्योग विभाग के सोलन जिले के परवाणू स्थित एकल खिड़की स्वीकृति एजेंसी की सदस्य सचिव राकेश बाला ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को अपनी उत्पादकता बढ़ाने के लिए स्मार्ट टूल, डिजिटल कार्य प्रणाली व अत्याधुनिक रूपरेखा व परीक्षण का प्रयोग सुनिश्चित बनाना चाहिए।

राकेश बाला आज 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग के प्रदर्शन को बढ़ावा देने और गति लाना' (आरएएमपी) विषय पर परवाणू में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थी। सदस्य सचिव ने कहा कि सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों को भविष्य की डिजिटल चुनौतियों से निपटने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने उद्योगों द्वारा इंडस्ट्री 4.0 तकनीक अपनाने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। राकेश बाला ने उपस्थित उद्योग प्रतिनिधियों से आग्रह कि सरकार द्वारा उद्योगों के लिए प्रायोजित विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाएं, ताकि सतत् वृद्धि के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सके। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के विशेषज्ञों ने इस अवसर पर कृत्रिम मेधा (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), मशीन लर्निंग (एमएल), स्मार्ट उत्पादन, क्लाउड कंप्यूटिंग, एंटरप्राईज रिर्सोस प्लानिंग (ईआरपी), उपभोक्ता संबंध प्रबंधन (सीआरएम) सहित अन्य संबद्ध विषयों पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों के प्रतिनिधियों को इंडस्ट्री 4.0 से उत्पादकता, परिचालन सुरक्षा, लागत दक्षता व प्रक्रिया स्वचालन के विषय पर व्यवहारिक उदाहरण देकर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। जागरूकता कार्यक्रम में परवाणू स्थित पैकेजिंग व प्लास्टिक, फैबरीकेशन व मेटल, स्टील प्रोसेसिंग, स्क्रेप मेटर रीसाईकलिंग उद्योगों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। जागरूकता कार्यक्रम में रिर्वस इंजीनियरिंग, 3डी प्रिंटिंग तथा स्मार्ट मैनुफेचरिंग सोल्यूशन के माध्यम से पैकेजिंग, प्लास्टिक, फैबरीकेशन, स्टील तथा स्क्रेप रीसाईकलिंग की गति बढ़ाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिभागियों को आरएएमपी कार्यक्रम के तहत विभिन्न योजनाओं तथा प्रयासों की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों से आग्रह किया गया कि स्मार्ट तथा डिजिटल उत्पादन अभ्यास अपनाकर हिमाचल में सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों को और बेहतर बनाएं। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु तथा उद्योग जगत के प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर अपनी शंकाएं प्रस्तुत की जिनका समुचित निवारण किया गया।

परवाणू में लघु और मध्यम उद्योग के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

सरकार कर रही पांवटा विधानसभा क्षेत्र की अनदेखी : सुखराम चौधरी

अनंत ज्ञान, नाहन

सिरमौर के मुख्यालय नाहन स्थित भाजपा कार्यालय दीप कमल में भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला सिरमौर की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा ने की, जबकि बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पांवटा साहिब से विधायक सुखराम चौधरी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे।

सुखराम चौधरी ने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ताओं को बैठक में आगामी दिनों में पांवटा साहिब में आयोजित होने वाले ओबीसी मोर्चा सम्मेलन की रणनीति तैयार करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने लक्ष्य निर्धारित किया है कि बूथ स्तर पर ओबीसी बहुल क्षेत्र में 10-10 ओबीसी भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठित कर कमेटियों का गठन किया जाए, ताकि पार्टी को और मजबूती प्रदान हो। उन्होंने कहा कि लगातार प्रदेश की कांग्रेस सरकार जनता को ठगने का काम कर रही है। 3 वर्ष पूरे होने पर भी आज तक प्रदेश की कांग्रेस सरकार चुनावी गरंटीया पूरी नहीं कर पाई हैं। इससे आज प्रदेश की जनता हताश है निराश है। प्रदेश कांग्रेस सरकार की नाकामियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ओबीसी मोर्चा कार्य करेगा। सुखराम चौधरी ने इस दौरान कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार लगातार पांवटा साहिब विधानसभा क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

पांवटा क्षेत्र की अनदेखी की जा रही है यहां खस्ताहाल सड़क हादसों को न्यौता दे रही है। आपदा प्रभावित क्षेत्रों में आज तक कोई मदद नहीं पहुंच पाई है। लोग आज भी सड़कों पर हैं । विकास कार्य पूरी तरह से ठप्प पड़े हैं। पूर्व की भाजपा सरकार में शुरू हुए अनेकों सरकारी भवनों के कार्य अधर में लटके हैं और प्रदेश की कांग्रेस सरकार मात्र लोगों को बरगलाने और झूठे आश्वासन देकर घोषणाएं करने में लगी है। सुखराम चौधरी ने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा जल्द ही प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ हल्ला बोल करेगा। जल्द ही पांवटा साहिब में ओबीसी मोर्चा का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रदेश कांग्रेस सरकार के झूठ के पुलिंदे के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन करने के लिए रणनीति तैयार की जाएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

सिरसा : लाखों की हेरोइन व ड्रग मनी समेत 3 तस्कर काबू

अनंत ज्ञान, सिरसा। सिरसा पुलिस ने तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपये की हेरोइन और 31 हजार रुपए की ड्रग मनी बरामद कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने रानियां चुंगी क्षेत्र में गश्त के दौरान दो संदिग्ध युवकों- सतनाम सिंह और जसनदीप निवासी सिरसा-को काबू किया। तलाशी लेने पर उनके पास से 20 ग्राम 68 मिलीग्राम हेरोइन और 31,200 रुपए की ड्रग मनी मिली। दोनों आरोपी पुलिस को देखकर वापस मुड़ने लगे, जिससे उन पर शक गहराया। जांच में पता चला कि जसनदीप के खिलाफ पहले भी मादक पदार्थ अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना शहर सिरसा में मामला दर्ज कर उन्हें रिमांड पर लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा सके। इसी दौरान एक अन्य कार्रवाई में ओढां पुलिस ने गांव चोरमार क्षेत्र से मक्खन सिंह को लगभग 6 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया। एएसआई जयवीर सिंह की टीम जुहियांवाली रोड पर नाकाबंदी कर रही थी, तभी आरोपी पुलिस को देखकर घबराकर मुड़ गया, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। उसके खिलाफ भी मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

जींद: कृषि उपनिदेशक को सरकार ने दी क्लीन चिट

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। जींद जिले के सफीदों में अवैध ऑनलाइन कीटनाशक बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करने पर निलंबित किए गए कृषि उपनिदेशक डॉ. गिरीश नागपाल को सरकार ने क्लीन चिट दे दी है। कृषि एवं कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने निलंबन रद्द करने के आदेश जारी कर दिए हैं। डीडीए डॉ. नागपाल ने जुलाई 2024 में एक कीटनाशक उत्पादन इकाई पर छापेमारी कर अवैध ऑनलाइन बिक्री को पकड़ा था। इसके बाद एक प्रभावशाली व्यक्ति की शिकायत पर उन्हें निलंबित कर दिया गया। विभाग ने शिकायत की जांच के लिए दो बार कमेटियाँ गठित कीं और शिकायतकर्ता श्रवण कुमार को कई बार सबूत पेश करने को कहा, लेकिन वह एक भी तथ्य प्रस्तुत नहीं कर पाया। अगस्त और दिसंबर 2024 की दोनों जांच समितियों-जिनमें अतिरिक्त निदेशक रोहताश सिंह और राजेंद्र सिंह सोलंकी शामिल थे, ने आरोपों को खारिज करते हुए डीडीए को क्लीन चिट दे दी। निलंबन के खिलाफ डॉ. नागपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसके बाद कोर्ट ने निलंबन आदेश पर स्टे दे दिया। अब सरकार को हाईकोर्ट में 19 मार्च को अगली सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट करना होगा कि निलंबन का आधार क्या था।

कुम्हार समाज को सरकार बर्तन बनाने के लिए देगी जमीन

अनंत ज्ञान, सोनीपत। प्रदेश सरकार नगर निगम, परिषद और पालिका क्षेत्रों में शामिल गांवों में भी कुम्हार समाज को बर्तन बनाने और पकाने के लिए निर्धारित भूमि के आवंटन पर विचार कर रही है। इसी संबंध में निकाय विभाग ने राज्य की सभी 87 नगरीय इकाइयों को पत्र भेजकर दो दिनों के भीतर आंवा-पंजावां या कुम्हारखाना के लिए आरक्षित भूमि की रिपोर्ट मांगी है। अगस्त 2025 में सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में कुम्हार समाज को भूमि आवंटन पत्र वितरित किए थे, जिसके बाद नगर निगम क्षेत्रों में भी यही सुविधा देने की मांग उठी। सोनीपत के मेयर और मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने 18 अगस्त 2025 को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शहरों में कुम्हार समुदाय के लिए स्थान उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई थी। उन्होंने कहा था कि जगह न होने के कारण कुम्हारों को सड़कों पर काम करना पड़ता है, जिससे प्रदूषण और यातायात अवरोध पैदा होता है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के बाद मिट्टी के बर्तनों की मांग बढ़ी, जिससे यह सुविधा और जरूरी हो गई। निकाय विभाग द्वारा मांगी गई रिपोर्ट से उम्मीद जगी है कि शहरी क्षेत्रों के कुम्हार समाज को भी अब जल्द भूमि आवंटन का लाभ मिलेगा।

16.50 लाख की ठगी का आरोपी ओड़ीशा से दबोचा

अनंत ज्ञान, फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लभगढ़ पुलिस ने नीट रैंक सुधारने के नाम पर 16.50 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को उड़ीसा के नवरंगपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी राकेश महापात्र (28) तकनीकी स्नातक है और अपना बैंक खाता ठगों को उपलब्ध कराता था। सेक्टर-3 निवासी पीड़िता ने उसकी बातों पर भरोसा कर 16.50 लाख रुपये जमा कराए थे। पुलिस ने आरोपी को सात दिन के रिमांड पर लिया है और गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

विज्ञान केवल करियर नहीं है, राष्ट्र निर्माण का माध्यम : सीएम सैनी

मुख्यमंत्री ने स्टूडेंट्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी विलेज का किया उद्घाटन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल के दूसरे दिन वैज्ञानिकों और छात्रों से आह्वान किया कि विज्ञान को प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखें, बल्कि उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि जब शोध किसानों की फसल बढ़ाए, मरीजों की बीमारी ठीक करे और नवाचार उद्यमियों को सशक्त करे, तभी विज्ञान वास्तविक समृद्धि लाता है।

मुख्यमंत्री ने पंचकूला के सेक्टर-5 में आयोजित चार दिवसीय 11वें साइंस फेस्टिवल में स्टूडेंट्स साइंस एंड टेक्नोलॉजी विलेज का उद्घाटन किया, जिसे उन्होंने 'नया नालंदा' बताया। उन्होंने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छात्रों, युवा वैज्ञानिकों, शोध संस्थानों और स्टार्टअप्स को विज्ञान आधारित विकास मॉडल बनाने की प्रेरणा दी।

उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल करियर का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार है। इस साइंस फेस्टिवल में देश-विदेश से 40 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हैं और विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख तथा उत्तर-पश्चिमी राज्यों के युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने विज्ञान, एआई, रोबोटिक्स, स्टार्टअप शिक्षा, बायोटेक और स्पेस टेक्नोलॉजी में राज्य की प्राथमिकताओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के शहर जैसे गुरुग्राम, फरीदाबाद और पंचकूला अब प्रमुख आईटी और अनुसंधान केंद्र बन गए हैं, जबकि करनाल, हिसार और रोहतक कृषि प्रौद्योगिकी और जलवायु सेवाओं में अग्रणी हैं।

सरकार ने छात्रों और युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए विज्ञान प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना लागू की है। इसमें 11वीं-12वीं के छात्रों को 1,500 रुपए प्रति माह, स्नातक को 4,000 और स्नातकोत्तर को 6,000 रुपये छात्रवृत्ति दी जाती है। अंतरराष्ट्रीय और कनिष्ठ विज्ञान ओलंपियाड में विजेताओं को 5 लाख और 2.5 लाख रुपए तक के नकद पुरस्कार दिए जाते हैं। इसके अलावा, 40 वर्ष से अधिक आयु के दो वैज्ञानिकों को 'हरियाणा विज्ञान रत्न' और 40 वर्ष से कम आयु के दो वैज्ञानिकों को 'हरियाणा युवा विज्ञान रत्न' पुरस्कार दिया जाता है। इस अवसर पर केंद्रीय और राज्य विज्ञान अधिकारी, आईआईटी निदेशक, उद्योग जगत और स्टार्टअप प्रतिनिधि, शोधार्थी और छात्र उपस्थित थे।

ग्रामीण सफाई कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

अनंत ज्ञान, फतेहाबाद

जिलाभर के सैंकड़ों ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों एवं गांव में काम के दौरान आ रही समस्याओं को लेकर रविवार को फतेहाबाद के लघु सचिवालय पर धरना दिया। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन करते हुए कर्मचारी एसडीएम निवास पहुंचे और उन्हें मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। धरने की अध्यक्षता ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान सुनील कुमार ने की व संचालन जिला सचिव हरपाल सिंह ने किया।

धरने को संबोधित करते हुए सर्व कर्मचारी संघ के पूर्व प्रधान बेगराज ने कहा कि पिछले 11 साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार ने एक भी सफाई कर्मचारी को पक्की भर्ती नहीं की और ना ही किसी कच्चे सफाई कर्मचारी को पक्का किया, जो दलित और सफाई कर्मचारी विरोधी होने का बड़ा सबसे सबूत है। यह सरकार खासकर प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने ही वायदों और घोषणाओं से बार-बार मुकरने का रिकॉर्ड बना चुके हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी अपने मुंह से कही गई बातों से बदलते दिखाई दिए हैं। जिला सचिव हरपाल सिंह ने बताया कि जिला के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के हालात बीजेपी के आने के बाद और ज्यादा खराब हुए हैं। समय पर ना तो वेतन दिया जा रहा और ना ही कूड़ा उठाने के लिए रिक्शा आदि का कोई प्रबंध किया जा रहा। सफाई कर्मचारियों के ईएसआई व पीएफ के पैसे कट रहे हैं, लेकिन इनका लाभ नहीं मिल रहा, अधिकतर सफाई कर्मचारियों को तो आज तक ईएसआई कार्ड तक नहीं मिला। कई गांवों में सफाई कर्मचारियों के गुजरने के बाद भी उनके पदों पर भर्ती नहीं की गई।

सरपंच व ग्रामीण सचिवों के इशारे पर बिना कारण के मुंह का सवाल बनाकर सफाई कर्मचारियों का वेतन रोक दिया जाता है, जिसके कारण इनको आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ता है। जिला प्रधान सुनिल कुमार ने कहा कि सरकार दावा तो समाज के आखिरी पायदान पर बैठे व्यक्ति के उत्थान का करती है, लेकिन सबसे अंतिम पंक्ति पर बैठे हम सफाई कर्मियों का समय पर वेतन का भुगतान तक नहीं किया जाता। दो-दो महीने तक वेतन नहीं दिया जाता। पहले 12 माह का बजट जारी होता था, लेकिन अब दो साल से हर माह बजट जारी करने का प्रावधान कर दिया। यूनियन सरकार से मांग करती है कि समय रहते समस्याओं और मांगों का समाधान करें अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

हरियाणा के 6 जिलों के गांवों का होगा पुनर्गठन

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

हरियाणा सरकार सोमवार को होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में छह जिलों महेंद्रगढ़ (नारनौल), रेवाड़ी, यमुनानगर, फरीदाबाद, सिरसा और झज्जर की तहसीलों व उप-तहसीलों के अंतर्गत आने वाले कई गांवों की अदला-बदली पर मुहर लगा सकती है। प्रशासनिक सुविधाओं के लिहाज से इन गांवों को नई उप-तहसीलों और तहसीलों में शामिल करने का प्रस्ताव तैयार है।

बैठक में विधायकों के विभिन्न राज्यों के अध्ययन दौरों के दौरान निजी आवास (होटल) के किराये की संशोधित दरों को भी मंजूरी दी जा सकती है, जो बढ़ाकर पांच हजार रुपए प्रतिदिन की जा सकती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तारीखों पर भी निर्णय की संभावना है। सत्र 26 दिसंबर से शुरू होकर 30 या 31 दिसंबर तक चल सकता है।

कैबिनेट हरियाणा मोटर वाहन नियमों में संशोधन पर भी विचार करेगी, जिसके तहत पर्यटन परमिट वाले वाहनों की अधिकतम संचालन आयु निर्धारित की जाएगी। इससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में मदद की उम्मीद है।

इसके अतिरिक्त हरियाणा निजी विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 में संशोधन करते हुए गुरुग्राम सेक्टर-68 में 'डिजाइन, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय' की स्थापना के विधेयक को भी मंजूरी मिल सकती है।

गुरुग्राम : मिट्टी में दबा मिला महिला का शव

अनंत ज्ञान, गुरुग्राम। इफ्को चौक मेट्रो स्टेशन के पास लेजरवैली पार्क के नजदीक मिट्टी में दबा एक महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगों की सूचना पर सेक्टर-29 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। मिट्टी हटाने पर करीब 35 वर्षीय महिला का शव मिला। शरीर पर बाहरी चोट के निशान नहीं मिले, लेकिन पुलिस का मानना है कि महिला की गला दबाकर हत्या की गई और फिर शव को रात के समय यहां दबाया गया। पुलिस का यह भी शक है कि हत्या किसी दूसरी जगह की गई और शव को यहां लाकर छुपाया गया। महिला की पहचान के लिए शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार के अनुसार आसपास के थानों में दर्ज महिला गुमशुदगी की रिपोर्टों की जांच की जा रही है।

भारत की आध्यात्मिक शक्ति ही उसे विश्व गुरु बना रही है : उपराष्ट्रपति

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़

भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत की प्राचीन आध्यात्मिक परंपराएं राजयोग, विपस्सना और तपस्या आज विश्व को शांति, आत्मबल और सत्य के मार्ग पर ले जा रही हैं। गुरुग्राम के बहोड़ा कलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में 'रजत रश्मियां' कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि यही आध्यात्मिक शक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प की नींव है।

उपराष्ट्रपति ने दीप प्रज्वलन कर रजत जयंती वर्ष का शुभारंभ किया और कहा कि ध्यान मन, शरीर और आत्मा को गहन शांति देता है। सकारात्मक विचार, आंतरिक ऊर्जा और संतुलित जीवन ध्यान की इसी अनुभूति को सभी क्षेत्रों के लोगों द्वारा अपनाया जा रहा है, जो यह साबित करता है कि आध्यात्मिक शांति हर व्यक्ति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि धर्म शांति और विजय दोनों प्रदान करता है। गीता का संदेश- 'मन को जीतना ही सफलता का प्रथम सूत्र है' 'आज भी मार्गदर्शक है। जीवन की अनिश्चितता को देखते हुए उन्होंने सद्भाव, सेवा और सद्कर्म को सर्वोपरि बताया।

कोविड महामारी के दौरान भारत द्वारा अनेक देशों को निशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराना 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना का अनुपम उदाहरण बताया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि आध्यात्मिकता किसी धर्म से जुड़ाव नहीं, बल्कि जीवन के सार को समझने की शक्ति है। कार्यक्रम में वैज्ञानिक, शोधार्थी व ब्रह्माकुमारी संस्थान की वरिष्ठ राजयोगिनियां उपस्थित रहीं।

देश-विदेश

चीनी सैन्य विमान ने जापानी लड़ाकू विमानों पर किया 'रडार लॉक'

एजेंसी, टोक्यो

चीनी विमानवाहक पोत लियाओनिंग से उड़ान भरने वाले एक सैन्य विमान ने जापान के ओकिनावा के पास जापानी लड़ाकू विमानों पर अपना 'रडार लॉक' कर दिया, जिसे लेकर जापान ने चीन के समक्ष विरोध दर्ज कराया है। 'रडार लॉक' का मतलब होता है-किसी सैन्य विमान का अपने रडार को दूसरे विमान या लक्ष्य पर इस तरह केंद्रित करना कि वह उसकी सटीक स्थिति, गति और दिशा पर लगातार नजर रख सके।

जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि चीन के सैन्य विमान जे-15 ने शनिवार को दो बार अलग-अलग समय में जापानी एफ-15 लड़ाकू विमानों पर अपना रडार लॉक किया। मंत्रालय ने कहा कि एक बार दोपहर में लगभग तीन मिनट के लिए और फिर शाम को लगभग 30 मिनट के लिए ऐसा किया गया। मंत्रालय के अनुसार, चीनी विमान से उन जापानी लड़ाकू विमानों पर 'रडार लॉक' किया जिन्होंने चीन की ओर से हवाई क्षेत्र के संभावित उल्लंघन के खिलाफ प्रतिक्रिया दी थी। मंत्रालय ने कहा कि जापानी हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन नहीं हुआ और इस घटना से कोई नुकसान होने की भी सूचना नहीं मिली। जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने कहा कि जापान ने चीन के समक्ष विरोध जताया और इसे 'एक खतरनाक कृत्य' करार देते हुए कहा कि यह सुरक्षित विमान संचालन के नियमों के खिलाफ है। (अनंत ज्ञान)

बलूचिस्तान में टीटीपी के 12 विद्रोही मारे गए

एजेंसी, इस्लामाबाद। बलूचिस्तान के कुलात जिले में एक खुफिया आधारित अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) 12 विद्रोहियों को मार गिराया। पाकिस्तान सेना की जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बताया कि यह अभियान शनिवार को आतंकवादियों की मौजूदगी की खबर मिलने पर शुरू किया गया। सुरक्षाबलों ने इलाके को चारों ओर से घेरकर विद्रोहियों के ठिकाने पर प्रभावी ढंग से हमला किया। गोलीबारी के बीच टीटीपी के 12 लड़ाके मारे गए इनके पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद हुए हैं। (अनंत ज्ञान)

ग्रीस में नाव डूबी ; 17 की मौत, दो को बचाया

अनंत ज्ञान, एथेंस (ग्रीस)

ग्रीस में प्रवासियों की एक नाव के डूब जाने से 17 लोगों की मौत हो गई। राहत और बचाव कर्मचारियों के अनुसार दो लोगों को बचा लिया गया है। फिलहाल उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रीस के कोस्ट गार्ड ने इसकी पुष्टि की है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ग्रीस के समुद्री मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि अधिकारियों को इस नाव दुर्घटना की सबसे पहली जानकारी तुर्किये के मालवाहक जहाज से पता चली।

यह जहाज क्रीट के दक्षिण-पश्चिमी तट से लगभग 30 नॉटिकल मील दूर था, जब कर्मचारियों ने लोगों से भरी एक आधी डूबी हुई नाव देखी। कोस्ट गार्ड की

शुरुआती घोषणा में कहा गया था कि 18 शव बरामद किए गए हैं। बाद में अधिकारियों को जीवित बचे दो लोगों ने बताया कि नाव में उन समेत कुछ 17 लोग थे। सनद रहे जून 2023 में दक्षिणी ग्रीस के पास एक मछली पकड़ने वाली नाव एड्रियाना के डूबने से सैकड़ों लोग मारे गए थे। (अनंत ज्ञान)

बेनिन में सैनिकों ने की तख्तापलट की घोषणा

अनंत ज्ञान, कॉन्टोनू (बेनिन)

बेनिन में सैनिकों के एक समूह ने सरकारी टीवी पर संबोधन के जरिए सरकार के तख्तापलट की घोषणा की। इस सिलसिले में यह सबसे ताजा मामला है। खुद को 'मिलिट्री कमेटी फॉर रीफाउंडेशन' कहने वाले सैनिकों के समूह ने रविवार को राष्ट्रपति को हटाए जाने की घोषणा की। बेनिन को साल 1960 में फ्रांस से आजादी मिली थी। इसके बाद से पश्चिम अफ्रीकी देश में कई बार तख्तापलट हुए। 1991 के बाद देश में राजनीतिक स्थिरता आई। मार्क्सवादी-लेनिनवादी नेता थे, उन्होंने देश का नाम बदलकर 'पीपल्स रिपब्लिक ऑफ बेनिन कर दिया था। (अनंत ज्ञान)

रूस ने यूक्रेन पर किए 700 हवाई हमले

गलती से अपने शहर पर गिराया 1000 किलोग्राम का बम; जंग रोकने यूएस-यूक्रेन बातचीत बेनतीजा

एजेंसी, कीव/मास्को

यूक्रेन में आर्म्ड फोर्सेज डे से पहले रूस ने बड़े पैमाने पर हवाई हमला किया। यूक्रेन एयरफोर्स के मुताबिक रूस ने 29 ठिकानों पर 653 ड्रोन और 51 मिसाइल दागीं। इनमें से 585 ड्रोन और 30 मिसाइल मार गिराई गईं। इससे 8 लोग घायल हुए। कई एनर्जी स्टेशन और रेलवे ढांचे को नुकसान पहुंचा।

जापोरिजिया न्यूक्लियर पावर प्लांट कुछ समय के लिए ऑफ-साइट पावर से कट गया, हालांकि रिएक्टर बंद होने के कारण कोई बड़ा खतरा नहीं हुआ। रूस ने भी यूक्रेन पर हवाई हमले करने का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस ने यूक्रेन पर हमले के दौरान गलती से अपने ही एक शहर बेलगोरोड (यूक्रेन सीमा से करीब 40 किमी दूर) पर एफएबी-1000 (हाई-एक्सप्लोसिव बम) गिरा दिया। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। बम का कुल वजन लगभग 1000 किलो के करीब था। बम पूरी तरह फटा नहीं, लेकिन जमीन पर जोरदार धमाका हुआ और एक बहुत बड़ा गड्ढा बन गया। हमले के बाद यूक्रेनी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच तीन दिनों की वार्ता बिना किसी सफलता के खत्म हो गई। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्रंप के शांति दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति के दामाद जेरेड कुशनर के साथ फोन पर बातचीत की थी।

ट्रंप प्रशासन ने नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी में किया बदलाव, अब रूस को 'खतरा' नहीं कहेगा

एजेंसी, वॉशिंगटन

ट्रंप प्रशासन ने अपनी नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी (एनएसएस) में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अमेरिका अब रूस को 'खतरा' नहीं कहेगा। यह ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति पर आधारित है। रूसी प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बताया कि अमेरिका ने शुक्रवार को 29 पन्नों का एक दस्तावेज जारी किया। अब अमेरिका रूस के लिए 'डायरेक्ट थ्रेट' और दुश्मन कहने वाली भाषा का इस्तेमाल नहीं करेगा।

रूस ने इस बदलाव का स्वागत किया है। क्रीमिया को 2014 में रूस में मिलाने और 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण हमले के बाद से अमेरिका रूस को बड़ा खतरा मानता रहा है। अब नई नीति में रूस के तरफ नरमी बरती गई है और कुछ मुद्दों पर सहयोग करने की बात कही गई है। वहीं ट्रम्प प्रशासन ने यूरोप की आलोचना करते हुए कहा कि उसका वजूद खत्म हो रहा है। यह नया अमेरिकी दस्तावेज ट्रंप के 'लचीले यथार्थवाद' के सिद्धांत पर आधारित है। इसके मुताबिक अब अमेरिका की विदेश नीति बस उसके हितों पर बेस्ड होगी। इसका एकमात्र मापदंड होगा 'अमेरिका के लिए जो सबसे ज्यादा फायदेमंद है, वहीं करो'। दस्तावेज में यूक्रेन जंग को जल्द से जल्द खत्म करने की बात कही गई है। इसे अमेरिका का खास एजेंडा बताया गया है। साथ ही रूस के साथ फिर से रणनीतिक स्थिरता बहाल करने की इच्छा जताई गई है, ताकि परमाणु हथियारों की होड़ और यूरोप में बढ़ रहे युद्ध का खतरा कम हो। (अनंत ज्ञान)

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई आज

एजेंसी, नई दिल्ली। जेल में बंद पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा।

सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो की याचिका पर यह सुनवाई होगी, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत वांगचुक की हिरासत को 'गैरकानूनी' बताते हुए कहा गया है कि यह उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया की पीठ इस मामले की सुनवाई कर सकती है। इससे पहले 29 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने अंगमो की संशोधित याचिका पर केंद्र और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा था। (अनंत ज्ञान)

वक्फ संपत्तियों का डिजिटल लेखा जोखा पूरा, 'उम्मीद' पोर्टल बंद

एजेंसी, नई दिल्ली

वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण और उनके प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया महत्वाकांक्षी 'उम्मीद' पोर्टल निर्धारित समय सीमा पूर्ण होने के बाद आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया है। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और उम्मीद अधिनियम, 1995 के अनुसार लिया गया है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पोर्टल का शुभारंभ 06 जून, 2025 को किया था। छह महीने की निर्धारित अवधि पूरी होने पर इसे 06 दिसंबर 2025 को औपचारिक रूप से बंद किया गया। मंत्रालय के अनुसार, राज्यों के साथ लगातार समन्वय, समीक्षा बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सचिव-स्तरीय हस्तक्षेपों के चलते अंतिम चरण में रिकॉर्ड स्तर पर वक्फ संपत्तियों का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया गया। पोर्टल पर दर्ज अंतिम आंकड़े के अनुसार, कुल अपलोडेड वक्फ संपत्तियों की संख्या 5,17,040 है, जिनमें स्वीकृत संपत्तियां 2,16,905, प्रक्रियाधीन /प्रस्तुत संपत्तियां 2,13,941 और अस्वीकृत संपत्तियां (सत्यापन में) 10,869 हैं। (अनंत ज्ञान)

ताइवान के करीब चीन ने बढ़ाई सैन्य गतिविधियां गश्त करते दिखे दो विमान व 7 नौसैनिक जहाज

एजेंसी, ताइपे (ताइवान)

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने रविवार को बताया कि उसके क्षेत्र के आस-पास चीनी सेना (पीएलए) के दो विमान उड़ान भरते हुए और सात नौसैनिक (पीएलएएन) जहाज गतिविधि करते हुए देखे गए। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी देखा गया।

मंत्रालय ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा, आज सुबह छह बजे (स्थानीय समयानुसार) तक ताइवान के आसपास पीएलए के दो विमानों और पीएलएएन के सात जहाजों की गतिविधि दर्ज की गई। इसी समय एक चीनी गुब्बारा भी पाया गया। ताइवान के रक्षा बलों ने स्थिति की निगरानी और प्रतिक्रिया दी। शनिवार को ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़ गईं। उस दिन चीन के 29 लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधि देखी गई। इस बीच, जो बाइडन प्रशासन के पूर्व रक्षा अधिकारी एलि रैटनर ने जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के बयान को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ताइवान की रक्षा में जापान के शामिल होने की संभावना पर चीन की प्रतिक्रिया अनुचित है। ताइपे टाइम्स के मुताबिक, एलि रैटनर 2021 से इस वर्ष तक हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा सचिव थे। उन्होंने कहा कि ताइवान पर टिप्पणी कर ताकाइची ने केवल जापान की आधिकारिक नीति दोहराई है। सात नवंबर को जापानी प्रधानमंत्री ने संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो इसे 'जापान के अस्तित्व के लिए खतरा' माना जा सकता है और जापान को कदम उठाना पड़ सकता है। ताकाइची दशकों में पहली जापानी नेता हैं, जिन्होंने खुलकर कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य में संकट के समय जापान की सेना शामिल हो सकती है। (अनंत ज्ञान)

कोलकाता में पांच लाख लोगों ने एक साथ किया गीता पाठ

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में 5 लाख से ज्यादा लोगों ने रविवार को सामूहिक गीता पाठ में हिस्सा लिया। इसका आयोजन सनातन संस्कृति संसद ने किया। इसका मकसद गीता के संदेश को आम लोगों तक पहुंचाना है कार्यक्रम से पहले भाजपा नेताओं ने भी तैयारी में भाग लिया। दिलीप घोष ने इसे हिन्दुओं के जागरण का प्रतीक बताया। सांसद सुकांत मजूमदार ने शनिवार को श्रद्धालुओं को खाना खिलाया। प्रद्युम्न कार्तिक महाराज ने कहा- गीता हिंदुओं का सबसे पवित्र ग्रंथ है, यह सभी को एकजुट करेगी। देशभर के संत इस आयोजन में शामिल हुए। (अनंत ज्ञान)

स्पोर्ट्स विंडो

चिन्नास्वामी स्टेडियम आईपीएल मैचों की करता रहेगा मेजबानी : डीके शिवकुमार

एजेंसी, बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को घोषणा की कि चिन्नास्वामी स्टेडियम भविष्य में आईपीएल मैचों की मेजबानी करता रहेगा। यह घोषणा चार जून को स्टेडियम में हुई भगदड़ के बाद कर्नाटक में इस आयोजन की मेजबानी को लेकर उठे संशय के बीच की गई है। यह भगदड़ उस समय हुई थी जब आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाने के लिए भारी भीड़ जमा हुई थी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के अध्यक्ष पद के चुनाव में अपना मतदान करने के बाद शिवकुमार ने पत्रकारों से कहा कि भविष्य में एक नया बड़ा स्टेडियम भी बनाया जाएगा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं क्रिकेट का प्रशंसक हूं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कर्नाटक में हुई दुर्घटना दोबारा न हो और चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट कार्यक्रम इस तरह आयोजित किए जाएं, जिससे बेंगलुरु का सम्मान बना रहे।'' उन्होंने कहा, ''हम आईपीएल को कहीं और स्थानांतरित नहीं करेंगे और इसे यहीं चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित करते रहेंगे।'' (अनंत ज्ञान)

सारस्वत ने गुवाहाटी मास्टर्स में पहला सुपर 100 खिताब जीता

एजेंसी, गुवाहाटी। राजस्थान के 19 वर्षीय शटलर संस्कार सारस्वत ने गुवाहाटी मास्टर्स के पुरुष एकल फाइनल में मिथुन मंजूनाथ को 21-11, 17-21, 21-13 से हराकर अपना पहला सुपर 100 खिताब जीत लिया। 50 मिनट चले इस ऑल-इंडियन मुकाबले में सारस्वत ने अपनी तेज़ और सटीक स्मैशिंग से बढ़त बनाए रखी। पहला गेम आसानी से जीतने के बाद दूसरे गेम में उन्होंने 8-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मंजूनाथ की वापसी के कारण मैच तीसरे गेम तक खिंच गया। निर्णायक गेम में सारस्वत ने 7-0 की शुरुआती बढ़त लेकर मैच पर नियंत्रण जमा लिया और अपने दूसरे मैच पॉइंट पर जीत दर्ज की। सारस्वत इससे पहले जूनियर एकल खिताब और 2023 में अर्श मोहम्मद के साथ सीनियर राष्ट्रीय युगल खिताब भी जीत चुके हैं। (अनंत ज्ञान)

साड़ी में मैदान पर उतरकर फुटबॉल को नई उड़ान दे रही बांकुड़ा की कोच भारती

एजेंसी, बांकुड़ा। बांकुड़ा के छातनार दुमदुम इलाके की विवाहिता भारती मुदी ने ग्रामीण समाज की परंपरागत सोच को चुनौती देते हुए फुटबॉल में नया मुकाम स्थापित किया है। पहले समाज ने उनके फुटबॉल खेलने के जुनून पर रोक लगा दी थी, लेकिन आज भारती मुदी आदिवासी लड़कियों को प्रशिक्षित कर उनके फुटबॉल के सपनों को पंख दे रही हैं। भारती मुदी अब गोवा, चंडीगढ़ और भुवनेश्वर तक अपनी टीम के साथ जीत की गूंज फैला चुकी हैं। रसोई से कोचिंग ग्राउंड तक का उनका सफर अनोखा और प्रेरणादायक है, जिसने दूर दराज के गांवों में रहने वाली लड़कियों के सपनों को भी नई दिशा दी है। रविवार सुबह इलाके के ही एक मैदान में फुटबॉल खेलते हुईं भारती मुदी नजर आईं। उन्होंने बताया कि 'मेरी कोशिश है कि गांव की लड़कियों को खेल के प्रति प्रेरित किया जाए और उनके सपनों को पंख दिए जाएं।' बांकुड़ा की इस साड़ी पहनने वाली 'कोच भारती' ने साबित कर दिया कि अगर जूनून हो तो कोई भी सीमा बाधा नहीं बन सकती। आज वह बंगाल के फुटबॉल को नए सिरे से जीवित कर रही हैं और ग्रामीण लड़कियों को खेल में आगे बढ़ने का मौका दे रही हैं। (अनंत ज्ञान)

कायनात का खूबसूरत अंदाज

पाकिस्तान। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर कायनात इम्तियाज ने सगाई कर ली है। क्रिकेटर ने अपनी सगाई की जानकारी सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए दी है जिसके बाद उनके फैंस ने उन्हें बधाइयां दी।

कोच गंभीर ने की हर्षित, अर्शदीप और प्रसिद्ध की प्रभावी गेंदबाजी की सराहना

रोहित-कोहली का अनुभव अनमोल, युवाओं ने भी चौंकाया

एजेंसी, विशाखापत्तनम

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए काफी मायने रखता है, लेकिन इसके साथ ही युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अविश्वसनीय रहा है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई एकदिवसीय सीरीज में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया, जबकि रोहित में दो अर्धशतक जमाकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। गंभीर ने उम्मीद जताई कि दोनों दिग्गज खिलाड़ी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे।

उन्होंने तीसरे और अंतिम वनडे में भारत की नौ विकेट से जीत के बाद पत्रकारों से कहा, ''वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैंने कई बार कहा है कि वे विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। वे इस प्रारूप के बेहतरीन खिलाड़ी हैं और ड्रेसिंग रूम में उनका अनुभव वास्तव में बहुत मायने रखता है।''

उन्होंने कहा, ''वे वही कर रहे हैं जो वे करते रहे हैं। वे भारतीय क्रिकेट के लिए इतने लंबे समय से ऐसा प्रदर्शन करते आ रहे हैं। उम्मीद है कि वे आगे भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखेंगे।''

सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को विश्राम दिए जाने तथा शुभमन गिल और हार्दिक पांड्या की चोट के कारण अनुपस्थिति ने भारत को कुछ युवा खिलाड़ियों के कौशल को परखने का मौका दिया। गंभीर हर्षित राणा के गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में उभरने से विशेष रूप से प्रसन्न थे।

भविष्य के संतुलन के लिए युवा ऑलराउंडरों को तैयार करने पर जोर

उन्होंने कहा, ''हम हर्षित जैसे खिलाड़ी को इस तरह से तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं जो वास्तव में नंबर आठ पर बल्लेबाजी करते हुए अपना योगदान दे सके। हमें इसी तरह संतुलन बनाना होगा, क्योंकि दो साल बाद (2027 वनडे विश्व कप के लिए) दक्षिण अफ्रीका दौरे पर हमें तीन अच्छे तेज गेंदबाजों की भी ज़रूरत होगी। अगर वह एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खुद को स्थापित करता है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा।'' गंभीर भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के प्रदर्शन से प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा, ''इस सीरीज में अर्शदीप, प्रसिद्ध और हर्षित का प्रदर्शन अविश्वसनीय रहा। इन तीनों के पास विशेषकर 50 ओवर के प्रारूप में बहुत अनुभव नहीं है। उन्होंने मुश्किल से 15 से भी कम वनडे खेले हैं लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया।'' (अनंत ज्ञान)

सीमित ओवरों में बल्लेबाजी क्रम को बढ़ा-चढ़ाकर देखा जाता है : गौतम गंभीर

एजेंसी, विशाखापत्तनम। भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में बल्लेबाजी क्रम को अक्सर जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है और वह आगे भी अपने लचीले संयोजन को जारी रखेंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद उन्होंने कहा कि सलामी बल्लेबाजों के अलावा सफेद गेंद क्रिकेट में बल्लेबाजी क्रम की अहमियत उतनी नहीं होती, जबकि टेस्ट क्रिकेट में निश्चित क्रम जरूरी रहता है।

हालिया सीरीज में रुतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर भेजने और वॉशिंगटन सुंदर को अलग-अलग भूमिकाएं देने पर उठे सवालों पर गंभीर ने कहा कि टीम संतुलन को ध्यान में रखते हुए ऐसी रणनीति अपनाई जाती है। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन ने तीसरे, पांचवें और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए महत्वपूर्ण योगदान दिया है और उनका भविष्य उज्ज्वल है। गंभीर ने स्वीकार किया कि वनडे सीरीज में ओस ने परिणामों को प्रभावित किया, लेकिन उनका मानना है कि टी20 मुकाबलों में इसका असर नगण्य रहेगा, क्योंकि दोनों टीमें समान परिस्थितियों में खेलेंगी। (अनंत ज्ञान)

स्मृति मंधाना की मुच्छल से टूट गई शादी, इंस्टाग्राम पर खुद की पुष्टि

एजेंसी, मुंबई

भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने अपने निजी जीवन को लेकर हफ्तों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए एक पब्लिक स्टेटमेंट जारी किया है। इस बयान में उन्होंने संगीतकार/फिल्म निर्माता पलाश मुच्छल के साथ अपनी शादी कैंसिल होने की पुष्टि की है। रविवार को इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए एक पोस्ट शेयर किया गया। यह पोस्ट मंधाना के शादी के अफवाहों से जुड़ा था।

मंधाना ने कहा, 'पिछले कुछ हफ्तों में मेरी जिंदगी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय खुलकर बोलना मेरे लिए जरूरी है। मैं बहुत निजी इंसान हूं और मैं इसे ऐसे ही रखना चाहती हूं, लेकिन मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि मेरी शादी रद्द हो गई है।' मंधाना ने प्रशंसकों और मीडिया से परिवारों को आगे बढ़ने का मौका देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी यही करने की अपील करती हू। मैं आपसे अनुरोध करती हू कि इस समय दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और हमें अपनी गति से आगे बढ़ने का मौका दें।'

उन्होंने अपने क्रिकेट करियर को लेकर कहा कि 'मेरा मानना है कि हम सभी के पीछे एक उच्च उद्देश्य है और मेरे लिए वह हमेशा उच्चतम स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना रहा है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब तक संभव हो, भारत के लिए खेलती रहूं और ट्रॉफ़ियां जीतू और मेरा ध्यान हमेशा इसी पर रहेगा।' मंधाना ने अपने समर्थकों का धन्यवाद करते हुए संदेश का अंत किया। 'आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। अब आगे बढ़ने का समय है।'

बता दें कि, मंधाना और पलाश की शादी बीते 23 नवंबर 2025 को महाराष्ट्र के सांगली में तय थी, लेकिन शादी वाले दिन सुबह, मंधाना के पिता, श्रीनिवास मंधाना को सीने में तेज दर्द हुआ और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इसके तुरंत बाद, पलाश मुच्छल को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाद परिवारो ने समारोह रद्द कर दिया। (अनंत ज्ञान)

यशस्वी ने भारत के वनडे तरकश में जोड़ा एक और तीर

एजेंसी, विशाखापत्तनम

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां तीसरे और अंतिम वनडे मैच में संयम और आक्रमण की नई मिसाल पेश करके भारत की एकदिवसीय टीम के तरकश में एक और तीर जोड़ दिया।

जायसवाल ने पहले ओवर में ही मार्को यानसन की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को छोड़कर दिखाया कि वह किसी तरह का बेमतलब का जोखिम उठाना नहीं चाह रहे हैं। जायसवाल ने इस गेंद पर कट करने की कोशिश नहीं की और उसे क्विंटन डी कॉक के पास जाने दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में यह एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसमें भारत ने नौ विकेट से जीत हासिल की। यह जायसवाल की बदली हुई मानसिकता का पहला संकेत था।

उन्होंने स्पष्ट संकेत दिया कि वह अपने आक्रामक तेवरों पर लगाम लगाए रखेंगे मुख्य सलामी बल्लेबाज तथा टीम के नियमित कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण उन्हें जो मौका मिला है, उसका पूरा फायदा उठाएंगे। जायसवाल ने रांची और रायपुर में खेले गए पहले दो वनडे में शुरू से ही गेंदबाजों पर हावी होने की कोशिश की, लेकिन इसमें नाकाम रहे और जल्दी आउट हो गए। लेकिन यहां उन्होंने गेंदबाजों पर हावी होने के लिए किसी तरह की जल्दबाजी नहीं दिखाई और धैर्य से काम लिया। ऐसा लग रहा था कि अब उन्हें वनडे क्रिकेट की लय बेहतर समझ आ गई है। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी इस पर बात की।

गंभीर ने कहा, ''जब आप लाल गेंद वाले क्रिकेट से सफेद गेंद वाले क्रिकेट में आते हैं तो आपको लगता है कि आपको आक्रामक बल्लेबाजी करनी होगी। लेकिन आपको आक्रामक होकर खेलने की जरूरत नहीं है क्योंकि अगर आप वनडे प्रारूप को 30 ओवर और 20 ओवर में बांट दें, तो काम बहुत आसान हो जाएगा।''

उन्होंने कहा, ''अगर आप वनडे में पहले 30 ओवर धैर्य के साथ खेलते हैं और जायसवाल में जो क्षमता है उसे देखते हुए अगर वह 30 ओवर तक बल्लेबाज़ी करता है तो वह शतक लगा सकता है। इसके बाद भी आपके पास 20 ओवर बचे होते हैं जिन्हें आप टी20 मैच की तरह खेल सकते हैं।'' गंभीर ने कहा, ''जायसवाल का वनडे में यह केवल चौथा मैच था और जैसे ही उन्हें समझ आ जाएगा कि वनडे क्रिकेट में उन्हें किस गति से बल्लेबाजी करनी है तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे।'' जायसवाल के पहले वनडे शतक ने गंभीर के विचार को पुष्ट किया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने पहले 50 रन 75 गेंद में बनाए लेकिन अगले 50 रन उन्होंने केवल 35 गेंद में ठोक दिए थे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इस दौरान अपना स्वाभाविक खेल खेला। (अनंत ज्ञान)

भारत सरकार का फोकस खेलों पर ओलंपिक मेजबानी अब दूर नहीं : इकराम

एजेंसी, चेन्नई

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष तैयब इकराम ने कहा कि खेलों पर भारत सरकार के बढ़ते फोकस और मेजबानी क्षमता को देखते हुए ओलंपिक आयोजित करना अब भारत के लिए दूर की बात नहीं रह गई है।

उन्होंने कहा कि 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी जो अहमदाबाद में होगी, भारत की 2036 ओलंपिक दावेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इकराम ने उम्मीद जताई कि हॉकी, जिसे 2026 ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के रोस्टर से बजट कटौती के चलते बाहर किया गया, 2030 में और मजबूती से वापसी करेगी।

भारत को वैश्विक हॉकी का अहम साझेदार बताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में लगातार बड़े हॉकी टूर्नामेंटों की मेजबानी ने खेल की लोकप्रियता बढ़ाई है। भारत में आयोजित प्रमुख टूर्नामेंटों में 2016 जूनियर विश्व कप, 2014 चैंपियंस ट्रॉफी, 2018 और 2023 पुरुष विश्व कप शामिल रहे।

इकराम के अनुसार, भारत हॉकी के विकास के लिए विश्व का सबसे बड़ा मंच बन रहा है और यहां से मिलने वाली दर्शक संख्या इसका प्रमाण है। जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पहली बार महिला अंपायरों की नियुक्ति को उन्होंने लैंगिक समानता की दिशा में एफआईएच की महत्वपूर्ण पहल बताया और कहा कि इसका उद्देश्य खेलों में मजबूत महिला नेतृत्व तैयार करना है। (अनंत ज्ञान)

गैरी कर्स्टन बने नामीबिया की पुरुष टीम के सलाहकार

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत की विश्व कप विजेता टीम के मुख्य कोच रहे गैरी कर्स्टन को नामीबिया की राष्ट्रीय पुरुष टीम का सलाहकार नियुक्त किया गया है और वह अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में मुख्य कोच क्रेग विलियम्स के साथ काम करेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का यह टूर्नामेंट अगले साल फरवरी और मार्च में भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। कर्स्टन ने क्रिकेट नामीबिया के एक बयान में कहा, ''क्रिकेट नामीबिया के साथ काम करना वास्तव में सौभाग्य की बात है। उनका नया अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम इस बात का प्रमाण है कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि उनकी राष्ट्रीय टीमें विश्व के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करें।''

उन्होंने कहा, ''नामीबिया की सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और मैं अगले साल फरवरी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए उनकी तैयारी में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।'' दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज कर्स्टन ने 2004 में संन्यास लेने के बाद कोचिंग की शुरुआत की और 2007 में उन्हें भारत का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। उनके कार्यकाल में भारत ने 2011 का एकदिवसीय विश्व कप जीता था।

बाद में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच और दुनिया भर की कई टी20 फ्रैंचाइजी लीग की टीमों के साथ काम किया। उन्होंने 2024 में पाकिस्तान की पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया। (अनंत ज्ञान)

बांगड़ बोले-रोहित और कोहली के साथ अलग तरह से करना होगा व्यवहार

एजेंसी, विशाखापत्तनम

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा का पिछले कुछ वर्षों में प्रदर्शन को देखते हुए उनके साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाना चाहिए और वनडे टीम में उनकी जगह को लेकर कभी भी बहस नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस सीनियर जोड़ी के 2027 विश्व कप तक फॉर्म और फिटनेस बरकरार रखने को लेकर भले ही संशय में हो सकते हैं, लेकिन दोनों बल्लेबाजों ने पिछले छह वनडे मैचों में तीन शतक (कोहली के दो) और पांच अर्द्धशतक (रोहित के तीन) लगाकर बतला दिया है कि उनका कोई सानी नहीं है।

बांगड़ ने जिओस्टार से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की जगह को लेकर सवाल उठाए जाने चाहिए। उनके इतने वर्षों में टीम को दिए गए योगदान पर गौर करना चाहिए।'' कोहली और रोहित अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। भारत पिछले कुछ समय से इस प्रारूप में बहुत कम मैच खेल रहा है और बांगड़ का मानना है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है। उन्होंने कहा, ''वे दो प्रारूपों से संन्यास ले चुके हैं, इसलिए जाहिर है कि उन्हें लय हासिल करने में कुछ समय लग सकता है लेकिन वे ऐसा कई बार कर चुके हैं। उन्हें किसी युवा खिलाड़ी जितने मैच खेलने की जरूरत नहीं है।'' बांगड़ ने कहा, ''एक बार वे जब अपनी लय हासिल कर लेते हैं और पूरी तरह फिट तथा रन बनाने के लिए भूखे हैं तो आप इस तरह के खिलाड़ियों को टीम में चाहते हैं। आपको उनके साथ अलग तरह से व्यवहार करना होगा और उन्हें अपना नैसर्गिक खेल खेलने की छूट देनी होगी।'' उन्होंने कहा, ''जब वे लय में होते हैं तो आपको अंतर साफ नजर आता है। उनकी उपस्थिति मात्र से ड्रेसिंग रूम का माहौल बदल जाता है। (अनंत ज्ञान)

मैदान में तकिया लेकर आए इंग्लैंड के आर्चर, हेडन ने लगाई फटकार

एजेंसी, नई दिल्ली

एशेज सीरीज का दूसरा मैच अभी ब्रिस्बेन के गाबा में खेला जा रहा है। पहला मैच 8 विकेट से हारने के बाद अब दूसरे मैच में भी इंग्लैंड की स्थिति खराब नजर आ रही है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 177 रन की बढ़त ले ली है। ऑस्ट्रेलिया के सामने इंग्लैंड के प्रमुख गेंदबाज बेअसर नजर आए। जोफ्रा आर्चर 85 रन लुटा दिए और मात्र एक सफलता प्राप्त की। गाबा टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लिश तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर मैदान पर एक तकिया लेकर आते हुए नजर आए। इस पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडन ने उनकी कड़ी आलोचना की। उनके अनुसार एक खिलाड़ी को ऐसे तकिया लेकर आते हुए देखना बहुत ही चौंकाने वाला है। हेडन ने आर्चर के इस रवैये पर कहा कि किसी खिलाड़ी का ऐसे तकिया लेकर आना चौंकाने वाली घटना है। एक बल्लेबाज को ऐसे ढीले रवैये का फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'सॉरी लेकिन यह देखने में बहुत ही चौंका देने वाला दृश्य है, अगर मैं एक बल्लेबाज होता तो मैं मैदान पर हमेशा के लिए पूरी तरह से जमकर टिक जाता। एक बल्लेबाज के तौर पर आपको ऐसी ही स्थिति चाहिए। आप इसको देखेंगे और सोचेंगे कि 'तुम इस तकिए पर कभी सो नहीं पाओगे'। न तो दिन में कभी और न ही रात में तुम इस तकिए को देख नहीं पाओगे।' (अनंत ज्ञान)

मणिपुर ने जीती 12वीं बार जूनियर बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप

एजेंसी, अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)

मणिपुर ने रविवार को बंगाल को 9-0 से हराकर जूनियर बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप टियर एक का खिताब 12वीं बार अपने नाम कर लिया। चिंगखामायुम रेडिमा देवी (आठवें, 41वें, 65वें मिनट), लोंगजाम नीरा चानू (29वें, 55वें, 59वें मिनट) ने हैट्रिक लगाई, जबकि याइफाबी थोकचोम (68वें, 76वें मिनट) ने दो और मोंगजाम पुष्पारानी देवी (75वें मिनट) ने एक गोल किया। महान भारतीय फुटबॉलर डॉ. तालीमेरेन एओ के नाम पर आयोजित इस चैंपियनशिप में मणिपुर का दबदबा रहा है। बंगाल ने फाइनल में पहुंचने के बाद मणिपुर की बादशाहत को चुनौती देने की कोशिश की लेकिन पूर्वोत्तर की इस मजबूत टीम ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। मणिपुर ने इसके साथ इस खिताब की हैट्रिक जीत पूरी की। टीम ने इससे पहले 2023-24 और 2024-25 में भी इस खिताब को जीता था। (अनंत ज्ञान)

फुटबॉल

वैंकूवर वाइटकैप्स को 3-1 से हराया, मेसी फाइनल में नहीं कर पाए कोई गोल

इंटर मियामी ने जीता एमएलएस कप का खिताब

एजेंसी, नई दिल्ली

फुटबॉल क्लब इंटर मियामी ने अपना पहला मेजर लीग सॉकर (एमएएस) खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में वैंकूवर वाइटकैप्स को 3-1 से हराया। अमेरिका के फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल स्थित चेस स्टेडियम में भारतीय समयानुसार आधी रात बाद खेले गए फाइनल में दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ने शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि मेसी ने फाइनल में कोई गोल नहीं किया, लेकिन मियामी की जीत में उनकी अहम भूमिका रही।

फाइनल में इंटर मियामी की शुरुआत अच्छी रही। शुरुआती मिनटों में ही वैंकूवर टीम के खिलाड़ी की गलती से एक आत्मघाती गोल मिला और मियामी 1-0 से आगे हो गई। दूसरे हाफ में दोनों टीम की ओर से कड़ी टक्कर देखने को मिली। वैंकूवर ने वापसी की कोशिश करते हुए 60वें मिनट में बराबरी का गोल कर दिया। इसके बाद मुकाबला पूरी तरह इंटर मियामी के कंट्रोल में चला गया। मियामी के मेसी ने शानदार खेल दिखाते हुए दो बेहतरीन असिस्ट किए। पहले 71वें मिनट में मेसी ने आरडी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम (90+6) में टी अलेनडे के गोल में मदद की। इन दो मौकों ने मैच का रुख मियामी की तरफ कर दिया। इससे मियामी पहली बार एमएएस खिताब जीतने में सफल रही।

सूत्रों के अनुसार, मेसी ने मैच के बाद कहा कि तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे, लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।

मेसी ने आगे कहा कि टीम ने बहुत मेहनत की, यह एक बहुत लंबा साल था। कई मैच हुए और हम पूरे सीजन में अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करते रहे। यह वो पल है जिसका मुझे इंतजार था और जिसका हम एक टीम के रूप में, इंतजार कर रहे थे। यह हम सभी के लिए बहुत खूबसूरत है। वे इसके हकदार थे।

एलए गैलेक्सी ने जीते सबसे ज्यादा खिताबएमएलस की सबसे सफल टीम एलए गैलेक्सी है। उसने रिकॉर्ड छह एमएलएस कप खिताब अपने नाम किए हैं। चार खिताब के साथ डीसी यूनाइटेड दूसरे नंबर पर है। कोलंबस क्रू ने तीन ट्रॉफी जीती हैं। इसके बाद कई अन्य टीमें हैं, जिन्होंने यह खिताब जीते हैं। (अनंत ज्ञान)